जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Greenland's Quiet Stand Eske Brun's decision in 1940 was made under extreme uncertainty. With no orders, no communication, and a global war unfolding, he chose to act in Greenland's best interests

The Cost of Knowledge

Civilization in Giambattista Vico's Thought

तृणमूल का फंड ''फ्रीज़'' करने की प्रक्रिया शुरु?

पूर्व खेल मंत्री अरुप बिस्वास, जो तृणमूल के कोषाध्यक्ष होने का दावा करते हैं, ने एच.डी.एफ.सी. बैंक को पार्टी का फंड ''फ्रीज़'' करने का निर्देश दिया

- हालांकि, टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि अरूप बिस्वास पार्टी के कोषाध्यक्ष नहीं हैं। पार्टी ने 5 जून को अरूप की जगह सुभाषीश चक्रवर्ती को पार्टी को कोषाध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया था।
- तृणमूल कांग्रेस के पास 2000 करोड़ रूपए का फंड है और भाजपा के बाद तृणमूल दूसरी पार्टी है, जिसे सर्वाधिक राजनैतिक चंदा मिलता रहा है।
- अरूप बिस्वास कई बार विवादों से घिरे हैं, जिनमें सबसे बड़ा मुद्दा था अन्तर्राष्ट्रीय फुटबॉलर लिओनल मैसी के कोलकाता आगमन का, उस समय बतौर खेल मंत्री बिस्वास ने बार-बार मैसी को गले लगाने की कोशिश की।
- मैसी के स्टाफ ने इसे सुरक्षा उल्लंघन बताकर कोलकाता पुलिस को शिकायत की थी और कोर्ट ने भी बिस्वास को फटकारा व कहा कि, क्या मैसी आपके बचपन का दोस्त था, जो आप बार-बार उसे गले लगा रहे थे।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। तृणमूल कांग्रेस के 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के विशाल पार्टी फंड पर नियंत्रण को लेकर संघर्ष शुरू हो गया है। तृणमूल कांग्रेस को राजनीतिक बॉन्ड्स के माध्यम से दूसरा सबसे अधिक आर्थिक योगदान प्राप्त हुआ था। कुल मिलाकर, पार्टी को भाजपा के बाद दूसरा सबसे बड़ा राजनैतिक चंदा मिला था।

पूर्व खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने पार्टी के बैंक को सभी फंड फ्रीज़ करने का निर्देश दिया है। बिस्वास ने स्वयं को पार्टी का कोषाध्यक्ष (ट्रेज़रर) बताया था।

हालांकि, पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा है कि पूर्व खेल मंत्री कोषाध्यक्ष नहीं हैं। उनके अनुसार, 5 जून से सुभाषीश चक्रवर्ती पार्टी के कोषाध्यक्ष हैं। बिस्वास को पहले आधिकारिक रूप से कोषाध्यक्ष घोषित किया गया था।

तृणमूल पार्टी को दिन में कई अन्य झटकों का भी सामना करना पड़ा। कलकत्ता हाईकोर्ट ने हाल ही में विधानसभा में बागी टीएमसी नेता ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दे दी। अदालत ने पार्टी के कालीघाट गुट द्वारा किए गए आधिकारिक नामांकन को स्वीकार नहीं किया।

पूर्व तृणमूल खेल मंत्री अरूप बिस्वास, जो पिछले साल कोलकाता में लियोनेल मेसी के दौरे से जुड़े एक अप्रिय विवाद में भी फंस गए थे, ने पार्टी फंड फ्रीज़ करने के लिए पत्र भेजा है। मेसी मामले में पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने के बाद से वे कई दिनों तक नज़र नहीं आए।

उन्हें मेसी कार्यक्रम में गड़बड़ी के संबंध में पुलिस के समक्ष पेश होने का नोटिस दिया गया था। सतरूप घोष, जिन्होंने मेसी का कार्यक्रम आयोजित किया था, ने बताया कि अरुप बिस्वास कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे और बार-बार मेसी को गले लगा रहे थे।

मेसी की इवेंट टीम ने भी शिकायत की है कि अरूप बिस्वास की उपस्थिति और विशेष रूप से उनका बार-बार मेसी को गले लगाना विश्वविख्यात फुटबॉलर के लिए किए गए सुरक्षा प्रबंधों का उल्लंघन था। इस संबंध में ई-मेल पुलिस के पास है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट री-एग्ज़ाम, चार दिन में वायुसेना ने 200 उड़ानें भरी

नई दिल्ली, 18 जून। आगामी 21 जून को दोबारा होने वाली नीट-यूजी की परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित और लीक-प्रूफ बनाने के लिए केन्द्र सरकार ने देश की सेना को मैदान में उतार दिया है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) पिछले तीन-चार दिनों से देशभर के 18 तय जोन्स में परीक्षा के प्रश्नपत्र पहुंचाने के काम में जुटी हुई है।

इस बेहद गोपनीय और बड़े मिशन की शुरुआत 13 जून को हुई थी, जो अब लगभग पूरी होने वाली है। इसका उद्देश्य है कि सरकार इस बार परीक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती।

- परीक्षा प्रश्न पत्र पहुंचाने का काम 13 जून से शुरु हुआ और अब पूरा होने को है।

संसद और सड़कों पर हुए भारी हंगामे के बाद, इस बार सुरक्षा के ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि परिंदा भी पर न मार सके। प्रश्नपत्रों के सील बंद बक्से को सुरक्षित और समय पर पहुंचाने के लिए वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टर और बड़े मालवाहक विमानों को काम पर लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार, ऑपरेशन शुरू होने से लेकर अब तक वायुसेना के विमान करीब 200 चक्कर लगा चुके हैं। विमानों के जरिए प्रश्नपत्रों को पहले मुख्य केन्द्रों तक पहुंचाया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रामगोपाल यादव के नेतृत्व में सपा के 25-26 सांसद भाजपा जॉइन करेंगे'

उत्तर प्रदेश के उप मु.मंत्री केशव प्रसाद मौर्य, सहयोगी पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर ने यह दावा किया

- यूपी के मंत्री और सुहेल देव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख राजभर ने दावा किया कि सपा नेता रामगोपाल यादव ने अमित शाह को चिट्ठी लिख कर सपा के उन सांसदों और विधायकों के नाम बताए हैं, जो भाजपा जॉइन करने को तैयार हैं।
- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी राजभर के दावे को सही ठहराया और कहा कि 25-26 सपा सांसद दलबदल को तैयार हैं और विधानसभा चुनाव से पहले वे सपा छोड़ देंगे।
- यूपी में भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद ने तो यहाँ तक दावा किया कि सपा और कांग्रेस के दो दर्जन सांसद उनके संपर्क में हैं तथा वे अवसर ढूंढ रहे हैं, भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व से मिलने का।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। आगामी कुछ महीनों में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले, समाजवादी पार्टी में संभावित टूट और दलबदल का संकेत देने वाले एक साइ-ऑप (मनोवैज्ञानिक अभियान) की चर्चा भाजपा और उसके सहयोगियों के बीच लंबे समय से चल रही है।

तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) जैसी पार्टियों में आंतरिक उथल-पुथल के बीच, भाजपा और उसके सहयोगी दल कथित तौर पर विपक्ष की कमजोरी की एक व्यापक कहानी गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। यूपी सरकार के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने हाल ही में दावा किया कि एक बड़ा विभाजन जल्द होने वाला है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र भेजा है, जिसमें पार्टी के उन सांसदों और विधायकों के नाम हैं, जो भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी राजभर के बयान को दोहराते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के 25-26 सांसद चुनाव से पहले टूटकर अलग होने तथा दल-बदल के लिए तैयार हैं। निषाद पार्टी के संजय निषाद, जो राज्य मंत्री और भाजपा के सहयोगी भी हैं, ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लगभग दो दर्जन सांसद उनसे संपर्क में हैं और केन्द्रीय भाजपा नेतृत्व से जुड़ने के अवसर तलाश रहे है।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इन दावों को राजनीतिक शोर बताते हुए खारिज कर दिया है। वहीं, शिवपाल यादव, एस.टी. हसन, अवधेश प्रसाद और सनातन पांडे जैसे अन्य पार्टी नेताओं ने अखिलेश के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई है और भाजपा पर भय फैलाने का आरोप लगाया है।

समाजवादी पार्टी में नेतृत्व को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिवसेना के सांसदों ने बड़े नाटकीय अंदाज़ से उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ने की घोषणा की

सभी 6 बागी सांसद अलग-अलग शहरों से चार्टर्ड प्लेन से दिल्ली आए और वापस निकल गए, किसी को खबर तक नहीं होने दी।

- समूचे घटनाक्रम का टाइम टेबल बड़ा रोचक है। सभी सांसद एक-एक कर देर रात दिल्ली हवाई अड्डे उतरे जहाँ से उन्हें एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया।
- इस प्रकरण में एकनाथ शिंदे व उनके सांसद पुत्र श्रीकांत शिंदे काफी एक्टिव रहे, बागी सांसदों से पहले श्रीकांत शिंदे लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से मिले।
- बागी सांसदों ने कहा कि उन्हें एकनाथ शिंदे गुट के सदस्य के रूप में मान्यता दी जाए। उन्होंने स्पीकर को प्रस्ताव दिया और आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे शिवसेना को कांग्रेस में विलय करना चाहते हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। एक भारी राजनैतिक बदलाव की खबर है, जो शिवसेना (यूबीटी) में एक और बड़े राजनीतिक बदलाव का कारण बन सकती है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट से जुड़े छह सांसदों ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल होने का फैसला किया है।

भरोसेमंद सूत्रों के अनुसार, इन छह असंतुष्ट सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को एक पत्र भेजकर शिंदे गुट में शामिल होने की अपनी मंशा जताई है। यह पूरी राजनीतिक गतिविधि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने कृषि उपज मंडियों में 18.60 करोड़ रूपए की मंजूरी दी

जयपुर, 18 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न कृषि उपज मण्डी समितियों के आधारभूत ढ ांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए 18 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इससे मण्डी यार्ड निर्माण, संपर्क सड़कों का निर्माण तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के कार्य करवाए जाएंगे।

- सोजत, पलसाना, श्रीमाधोपुर, बीकानेर, मेड़ता व दूदू में यार्ड व सड़कों का निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान की गई इस स्वीकृति से कृषि उपज मण्डी समिति सोजत सिटी (पाली), पलसाना एवं श्रीमाधोपुर (सीकर), अनाज मण्डी (बीकानेर), मेड़ता सिटी (नागौर) तथा दूदू (जयपुर) में विभिन्न विकास कार्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या नेतन्याहू यूएस-ईरान शांति समझौते में सबसे बड़े ''लूज़र'' हैं?

यूएस-ईरान वॉर में हालांकि कोई विजेता नहीं है, पर शांति पैक्ट के बाद ''लूज़र'' के रूप में नेतन्याहू का नाम लिया जा रहा है

- नेतन्याहू, जो अक्टूबर में इज़रायल में चुनाव का सामना करेंगे, के लिए शांति समझौता कड़वी गोली निगलने जैसा है।
- गत तीन वर्ष से नेतन्याहू ईरान के साथ विवाद में उलझे हुए हैं, साथ ही गाज़ा में हमास और लेबनान में हिजबुल्लाह परेशानी का कारण है। इतने लम्बे युद्ध के बाद हमास अब भी गाज़ा में हैं, हिज्बुल्लाह लेबनान में जमा हुआ है और ईरान में भी सत्ता परिवर्तन नहीं हुआ है। इस डील से इज़रायल का एक भी लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है।
- हालांकि, अमेरिका व इज़रायल ने संयुक्त रूप से ईरान पर हमला किया था, पर शांति समझौते की वार्ता से इज़रायल को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। ईरान संघर्ष का शांतिपूर्ण अंत एक अंतरिम शांति समझौते के साथ हुआ, जिस पर डॉनल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन ईरान अभी भी मौजूद है और दुनिया की दो सबसे बड़ी सैन्य शक्तियों के एक महीने लंबे हमले को झेलने के बाद भी टिके रहने में सफल रहा है।

पिछले आकलन के अनुसार, इस युद्ध में कोई स्पष्ट विजेता नहीं रहा। लेकिन इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए यह संघर्ष एक राजनीतिक असफलता और बड़ा झटका साबित हुआ है। अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या 'बीबी' (नेतन्याहू का निकनेम) इस पूरे घटनाक्रम के सबसे बड़े ''लूज़र'' हैं?

नेतन्याहू के लिए यह वास्तविकता स्वीकार करना कठिन हो सकता है, खासकर इस स्थिति में, जब उन्हें अक्टूबर में होने वाले महत्वपूर्ण चुनाव का सामना करना है। पिछले तीन वर्षों में नेतन्याहू ने ईरान, गाज़ा में हमास और लेबनान में हिज़्बुल्लाह के साथ संघर्षों में प्रवेश किया। उन्होंने एक ''नया मिडिल ईस्ट'' बनाने का वादा किया था। तीन साल बाद स्थिति यह है कि कुछ सैन्य सफलताओं के बावजूद, ये संघर्ष इज़रायल को कोई स्थायी जीत नहीं दिला सके।

इसके बजाय ''नया मिडिल ईस्ट'' कुछ इस प्रकार दिखाई दे रहा है- हमास अभी भी गाज़ा के एक हिस्से पर नियंत्रण बनाए हुए है, हिज़्बुल्लाह लेबनान में अभी भी सक्रिय है, और ईरान की कमजोर होती सरकार अभी भी यथावत कायम है, नए सर्वोच्च नेता और अधिक शक्तिशाली इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स (आईआरजीसी) के साथ। इसके अलावा, जहाँ अमेरिका और इज़रायल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र सरकार ने शिवसेना यूबीटी के 6 बागी सांसदों को वाई प्लस सुरक्षा दी

मुंबई, 18 जून। महाराष्ट्र सरकार के गृह मंत्रालय ने गुरुवार को शिवसेना यूबीटी के छह बागी सांसदों को वाय प्लस सुरक्षा दिए जाने की घोषणा की है। साथ ही इन सभी सांसदों के घर पर 24 घंटे पुलिस रखने की भी व्यवस्था की गई है। हालांकि आज सूबे के कई जिलों में इन सभी छह सांसदों के खिलाफ शिवसेना यूबीटी के कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया। शिवसेना यूबीटी की ओर से इन सभी छह सांसदों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।

- राज्य के कई जिलों में इन 6 सांसदों के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान की मांग ने ट्रंप के दावों को खोखला साबित किया

ईरान ने कहा है कि होर्मुज़ से गुजरने वाले जहाजों से ''टोल टैक्स'' वसूली वाजिब मांग है

- 108 दिन चली लड़ाई के बाद राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शांति समझौते के 14 सूत्रीय एमओयू पर साइन तो कर दिए, लेकिन 108 दिन चले इस युद्ध से ट्रंप को कोई बड़ी उपलब्धि नहीं मिली।
- युद्ध शुरु होते समय अमेरिका ने ईरान की परमाणु हथियार विकसित करने की क्षमता को नष्ट करने, बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को कमज़ोर करने, तेहरान में सत्ता परिवर्तन करने और ईरान को कमज़ोर करने के कई लक्ष्य तय किए गए थे, लेकिन उसे किसी भी लक्ष्य को पाने में पूर्ण सफलता नहीं मिली।
- शांति वार्ता में परमाणु कार्यक्रम पर कोई वार्ता नहीं हुई है। भविष्य में वार्ता करने की सहमति अवश्य बनी है। इस जंग के बाद होर्मुज़ पर नियंत्रण करने का ईरान का लक्ष्य अवश्य पूरा होता लग रहा है।
- होर्मुज़ स्ट्रेट के इस्तेमाल पर टोल वसूली की बात कर ईरान ने इस मार्ग पर अपने अधिकार को मान्यता दिलवाने की कोशिश शुरु कर दी है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ एक ऐतिहासिक शांति समझौते की घोषणा किए जाने के कुछ ही घंटों बाद, तेहरान ने यह सख़्त संकेत दिया कि संघर्ष से जुड़ी राजनीतिक लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

ट्रंप द्वारा बार-बार दिए गए इस आश्वासन के विपरीत कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य बिना किसी शुल्क के फिर से खोला जाएगा, ईरान ने घोषणा की कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग का उपयोग करने वाले जहाजों को 60 दिन की वार्ता अवधि के बाद शुल्क देना होगा। इस घोषणा ने न केवल दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक के भविष्य को लेकर नई अनिश्चितता पैदा कर दी है, बल्कि यह सवाल भी और गहरा कर दिया है कि ट्रंप का समझौता वास्तव में कूटनीतिक सफलता है या शांति के नाम पर किया गया रणनीतिक समझौता।

विवाद का केन्द्र होर्मुज़ जलडमरूमध्य है, जो एक संकरा समुद्री मार्ग है और जिसके माध्यम से, संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस गुजरती थी। 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल द्वारा संयुक्त रूप से ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध ने होर्मुज़ को एक रणनीतिक ''चोक पॉइंट'' (अहम लेकिन सँकरे रास्ते) में बदलकर वैश्विक आर्थिक दबाव का केन्द्र बना दिया था।

ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन के बीच 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने के बाद बोलते हुए ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने स्पष्ट कर दिया कि तेहरान, वॉशिंगटन से युद्ध के बाद की व्यवस्था को बिल्कुल अलग नज़रिए से देखता है।

गालिबाफ ने ईरानी सरकारी मीडिया से कहा, ''होर्मुज़ जलडमरूमध्य युद्ध-पूर्व की स्थिति में वापस नहीं जाएगा। होर्मुज़ पर ईरान का संप्रभु अधिकार है और निश्चित रूप से हम अपनी सेवाओं के लिए फीस लेंगे।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान में सिख दम्पत्ति की हत्या की भाजपा ने निंदा की

नई दिल्ली, 18 जून। पाकिस्तान सरकार की अल्पसंख्यकों और उनके मानवाधिकारों की सुरक्षा में विफलता की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ी निंदा की है। मरदान के एक गुरुद्वारे में सिख दंपति, 70 साल के जगन्नाथ और उनकी पत्नी की हत्या की निंदा करते हुए भाजपा महासचिव तरुण चुग ने कहा कि यह घटना पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के प्रति सरकार के उदासीन रवैये को दर्शाती है।

- भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या अल्पसंख्यकों को निशाना बनाना राज्य प्रायोजित आंतकवाद का हिस्सा है।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दानी कभी दुःख नहीं पाता, उसे कभी पाप नहीं घेरता। –ऋग्वेद

भामाशाह का अभूतपूर्व त्याग जिसे भुलाया नहीं जा सकता

भारतीय इतिहास त्याग, बलिदान और राष्ट्रभक्ति की असंख्य गाथाओं से भरा हुआ है। इनमें कुछ ऐसे व्यक्तित्व हैं जिन्होंने स्वयं को नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज को सर्वोपरि माना। मेवाड़ की गौरवशाली धरती पर जन्मे दानवीर भामाशाह ऐसे ही महान विभूति थे, जिनका त्याग और समर्पण आज भी प्रेरणा का स्त्रोत है। यदि महाराणा प्रताप स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक हैं, तो भामाशाह उस स्वाभिमान को जीवित रखने वाले आर्थिक आधार स्तंभ थे। उनका त्याग केवल धन दान करने तक सीमित नहीं था, बल्कि मातृभूमि के लिए सर्वस्व अर्पित करने की अनुपम मिसाल था।

राजस्थान में दानवीर भामाशाह की जयंती सामान्यत: 28 जून को मनाई जाती है। इतिहासकारों के अनुसार भामाशाह का जन्म 28 जून 1547 ई. को मेवाड़ के एक समृद्ध ओसवाल जैन परिवार में हुआ था। इस अवसर पर राजस्थान, विशेषकर मेवाड़ क्षेत्र में, विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा सामाजिक संस्थाओं द्वारा भामाशाह के त्याग, राष्ट्रभक्ति और दानवीरता को स्मरण करते हुए संगोष्ठियों, व्याख्यानों एवं सम्मान समारोहों का आयोजन किया जाता है। यह दिन नई पीढ़ी को राष्ट्रहित में त्याग, समर्पण और लोककल्याण की प्रेरणा देने का अवसर भी बन गया है।

सन् 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ। यद्यपि इस युद्ध में महाराणा प्रताप की वीरता ने मुगलों को कड़ी चुनौती दी, फिर भी मेवाड़ को भारी आर्थिक और सैन्य क्षित उठानी पड़ी। युद्ध के बाद महाराणा प्रताप को अपने परिवार सहित अरावली की दुर्गम पहाड़ियों और जंगलों में रहकर संघर्ष करना पड़ा। राज्य का खजाना खाली हो चुका था, सैनिकों के वेतन और रसद की व्यवस्था असंभव हो गई थी तथा स्वतंत्रता संग्राम का भविष्य संकट में दिखाई देने लगा था।

ऐसे कठिन समय में भामाशाह ने वह कार्य किया जिसने उन्हें इतिहास में अमर बना दिया। जब उन्हें ज्ञात हुआ कि महाराणा प्रताप संसाधनों के अभाव में मेवाड़ छोड़ने का विचार कर रहे हैं, तब वे अपने भाई ताराचंद के साथ चूलिया ग्राम पहुँचे। वहाँ उन्होंने महाराणा प्रताप के समक्ष अपनी और अपने पूर्वजों की संचित सम्पूर्ण संपत्ति समर्पित कर दी। कहा जाता है कि इस दान में लाखों स्वर्ण मुद्राएँ, करोड़ों रुपये मूल्य की संपत्ति तथा बहुमूल्य रत्न और आभूषण सम्मिलित थे। यह धन इतना विशाल था कि उससे लगभग 25,000 सैनिकों की सेना का बारह वर्षों तक निर्वाह किया जा सकता था।

भामाशाह का यह दान केवल आर्थिक सहायता नहीं था, बल्कि राष्ट्रभक्ति और स्वामिभक्ति की सर्वोच्च अभिव्यक्ति थी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह धन उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि मेवाड़ की धरती का है और यदि यह मातृभूमि की रक्षा के काम नहीं आया तो इसका कोई महत्व नहीं। इस निस्वार्थ समर्पण ने महाराणा प्रताप को भावुक कर दिया। उनके संघर्ष को नया बल मिला और मेवाड़ की स्वतंत्रता की लौ फिर प्रज्ज्वलित हो उठी।

भामाशाह की महानता केवल दानवीरता तक सीमित नहीं थी। वे एक साहसी सेनानायक भी थे। हल्दीघाटी के युद्ध में उन्होंने वीरतापूर्वक भाग लिया तथा बाद के वर्षों में मालवा और गुजरात क्षेत्र में मुगल छावनियों पर सफल छापामार अभियान चलाए। इन अभियानों से प्राप्त संसाधनों ने भी मेवाड़ की शक्ति को सुदृढ़ किया। मुगल सम्राट अकबर ने उन्हें अपने पक्ष में करने के लिए उच्च पद और सम्मान का प्रलोभन दिया, किंतु भामाशाह ने इसे ठुकरा दिया।

भामाशाह के इस योगदान का प्रभाव अत्यंत दूरगामी सिद्ध हुआ। उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों से महाराणा प्रताप ने सेना का पुनर्गठन किया, नए सैनिकों की भर्ती की, हथियारों और रसद की व्यवस्था की तथा छापामार युद्ध को और प्रभावी बनाया। परिणामस्वरूप 1582 में दिवेर के युद्ध में मेवाड़ को ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई। इसके बाद मुगलों की अनेक चौकियाँ नष्ट कर दी गईं और चित्तौड़गढ़ व मांडलगढ़ को छोड़कर मेवाड़ का अधिकांश क्षेत्र पुन: स्वतंत्र हो गया। यदि भामाशाह का सहयोग न मिला होता, तो संभवत: मेवाड का स्वतंत्रता संघर्ष इतनी सफलता प्राप्त नहीं कर पाता।

भामाशाह की महानता केवल दानवीरता तक सीमित नहीं थी। वे एक साहसी सेनानायक भी थे। हल्दीघाटी के युद्ध में उन्होंने वीरतापूर्वक भाग लिया तथा बाद के वर्षों में मालवा और गुजरात क्षेत्र में मुगल छावनियों पर सफल छापामार अभियान चलाए। इन अभियानों से प्राप्त संसाधनों ने भी मेवाड़ की शक्ति को सुदृढ़ किया। मुगल सम्राट अकबर ने उन्हें अपने पक्ष में करने के लिए उच्च पद और सम्मान का प्रलोभन दिया, किंतु भामाशाह ने इसे ठुकरा दिया। उनके लिए राष्ट्र और स्वाभिमान किसी भी पद या वैभव से अधिक महत्वपूर्ण थे।

भामाशाह के जीवन का एक अन्य प्रेरणादायक पक्ष उनकी दूरदर्शिता थी। उन्होंने केवल अपने जीवनकाल में ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मेवाड़ की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की। उनके पुत्र जीवाशाह और पौत्र अक्षयराज ने भी मेवाड़ के प्रधान के रूप में राज्य की सेवा की। इस प्रकार भामाशाह का परिवार कई पीढ़ियों तक मेवाड़ की रीढ़ बना रहा।

भामाशाह की महानता केवल उनके अभूतपूर्व दान तक सीमित नहीं थी, बल्कि उनकी विरासत भी उतनी ही प्रेरणादायक है। आज भी भारत में जब कोई व्यक्ति समाज कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा अथवा किसी राष्ट्रीय संकट के समय उदारतापूर्वक बड़ा योगदान देता है, तो उसे सम्मानपूर्वक 'भामाशाह' की उपाधि दी जाती है। यह उनके नाम की अमर प्रतिष्ठा और भारतीय जनमानस में उनके प्रति श्रद्धा का प्रमाण है। राजस्थान सरकार ने भी उनके सम्मान में 'भामाशाह योजना' प्रारम्भ कर उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास किया। भामाशाह के वंशज आज भी उदयपुर में निवास करते हैं और समाज में सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं। इतिहास इस बात का साक्षी है कि भामाशाह ने केवल अपनी संपत्ति ही मेवाड़ को समर्पित नहीं की, बल्कि राष्ट्रसेवा, निष्ठा और त्याग के ऐसे संस्कार स्थापित किए जिनके कारण उनकी आने वाली पीढ़ियाँ भी सदियों तक मेवाड़ राज्य की प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था की रीढ़ बनी रहीं। इस दृष्टि से भामाशाह केवल एक दानवीर नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की एक जीवंत परंपरा के प्रवर्तक थे।

वर्तमान समय में जब समाज में स्वार्थ और भौतिकता का प्रभाव बढ़ता दिखाई देता है, तब भामाशाह का जीवन हमें यह संदेश देता है कि सच्चा वैभव संग्रह में नहीं, बल्कि समर्पण में है। राष्ट्र की रक्षा केवल तलवार से नहीं होती, बल्कि त्याग, सहयोग, निष्ठा और आर्थिक योगदान से भी होती है। भामाशाह ने अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि धन तभी सार्थक है जब वह समाज और मातृभूमि के काम आए।

दानवीर भामाशाह का त्याग भारतीय इतिहास का ऐसा स्वर्णिम अध्याय है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम, उदारता और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता रहेगा। वास्तव में, भामाशाह केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि त्याग और समर्पण की अमर परंपरा का नाम हैं।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डॉ.) पी. सी. कंठालिया,
विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञानं) एवं मुख्य वैज्ञानिक,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

राशिफल शुक्रवार 19 जून, 2026

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, आश्लेषा नक्षत्र दिन 10:07 तक, हर्षण योग दिन 2:53 तक, बव करण प्रात: 5:59 तक, चन्द्रमा आज दिन 10:07 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मिथुन, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–मेष, बुध–मिथुन, गुरू–कर्क, शुक्र–कर्क, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज कुमार योग दिन 10:07 से सूर्योदय तक है। रवियोग दिन 10:07 से आरम्भ होगा। आज श्रुति पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:20 तक, लाभ अमृत 7:20 से 10:45 तक, शुभ 12:28 से 2:11 तक, शुभ 5:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष

परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

सिंह

मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज व्यावसायिक/आर्थिक मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

कन्या

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। धन हानि का भय है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
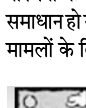

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
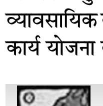

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मीन
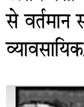

विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त–व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सेवा शिविर : राजस्थान में गुड गवर्नेंस का नया अध्याय

आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान ही सुशासन की असली पहचान

अरुण चतुर्वेदी

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की सफलता योजनाएँ बनाने के साथ ही उन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध, पारदर्शी और सहज तरीके से पहुँचाने से मापी जाती है। जब नागरिक को अपनी छोटी–छोटी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें, बल्कि सरकार स्वयं उसके द्वार तक पहुँचकर समाधान उपलब्ध कराए, तब उसे वास्तविक अर्थों में गुड गवर्नेंस (सुशासन) कहा जा सकता है। राजस्थान में आयोजित सेवा शिविर इसी सोच का सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं। आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण के मूल मंत्र के साथ आयोजित ये शिविर प्रशासन को जनोन्मुखी, जवाबदेह और संवेदनशील बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल हैं।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर राज्य सरकार ने 12 जून से 15 जुलाई, 2026 तक आयोजित ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुँचाने का प्रयास किया है। इन शिविरों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन शिविरों में केवल शिकायतें सुनने की औपचारिकता नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में तत्काल समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है। यही कारण है कि ये शिविर प्रशासनिक सुधार और सुशासन की अवधारणा को व्यवहारिक रूप देते दिखाई देते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित सेवा शिविरों का दायरा अत्यंत व्यापक रखा गया है। राजस्व अभिलेखों एवं खातों का शुद्धिकरण, खातों का विभाजन, रास्तों से अतिक्रमण हटाना, नामांतरण, सरकारी एवं चारागाह भूमि से अवैध कब्जे हटाना, भूमिहीन किसानों को भूमि आवंटन, खातेदारी अधिकार प्रदान करना तथा सीमांकन जैसी वर्षों से लंबित समस्याओं का मौके पर समाधान किया जा रहा है। ग्रामीण परिवारों के लिए जाति, मूल निवास, आय सहित विभिन्न प्रकार के प्रमाण–पत्र जारी करने जैसी सेवाएँ भी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे नागरिकों का समय, श्रम और आर्थिक व्यय तीनों की बचत हो रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के पात्र परिवारों का चयन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभार्थियों का सत्यापन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण भी इन शिविरों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विशेष रूप से दिव्यांगजन, वृद्धजन, विधवा महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सरकारी सहायता योजनाओं से जोड़ने का प्रयास सामाजिक समावेशन की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

राजस्थान जैसे कृषि प्रधान राज्य में किसानों और पशुपालकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सेवा शिविरों में कृषि एवं पशुपालन विभाग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पशु स्वास्थ्य शिविर, टीकाकरण, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत बीमा पात्रता की जांच, किसान लाभार्थियों का सत्यापन तथा सिंचाई और जल प्रबंधन से जुड़े मामलों का निस्तारण किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ–साथ किसानों का सरकारी व्यवस्था पर विश्वास भी बढ़ता है।

बिजली, पेयजल और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े मामलों का समाधान भी इन शिविरों की प्रमुख उपलब्धि है। विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफार्मर, विद्युत कनेक्शन, जल गुणवत्ता, पाइपलाइन लीकेज तथा हैंडपंप मरम्मत जैसे विषयों पर संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर ही कार्रवाई कर रहे हैं। ग्रामीण सड़कों और सरकारी भवनों की मरम्मत के प्रस्ताव भी तैयार किए जा रहे हैं। इससे विकास कार्यों में गति आने की संभावना बढ़ती है।

स्वास्थ्य सेवाओं को भी इन शिविरों का अभिन्न अंग बनाया गया है। नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक दवाओं का वितरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जांच, कैंसर एवं सिकल सेल स्क्रीनिंग, टीबी जांच, टीकाकरण तथा आयुष्मान भारत कार्ड वितरण जैसी सेवाएँ नागरिकों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं का यह विकेन्द्रीकरण ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

शिक्षा और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों को भी सेवा शिविरों में पर्याप्त महत्व दिया गया है। पालनहार योजना, छात्रवृत्ति संबंधी समस्याओं का समाधान, विद्यालय भूमि से अतिक्रमण हटाना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह अनुदान योजना, वन स्टॉप सेंटर, इंदिरा रसोई, शिक्षा सेतु तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुँचाने का प्रयास प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

शहरी सेवा शिविरों में नगर निकायों से जुड़ी नागरिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। फ्री होल्ड और लीज होल्ड पट्टों का निस्तारण, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइटों की दुरुस्ती, नालियों और सीवरेज लाइन की मरम्मत, जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, साइनेज लाइसेंस, भवन नक्शा अनुमोदन और अन्य शहरी सेवाओं का त्वरित निस्तारण नगरवासियों के लिए बड़ी राहत है। वर्षों से लंबित अनेक प्रकरणों के समाधान के लिए शिविरों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

शहरी क्षेत्रों में विभिन्न फ्लैटों एवं भूखंडों से जुडे लीज मामलों में ब्याज एवं शास्ति में छूट जैसी व्यवस्थाएँ नागरिकों को राहत प्रदान करती हैं। मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना, कुसुम योजना तथा अन्य सरकारी योजनाओं के आवेदन भी शिविरों में स्वीकार किए जा रहे हैं। इससे नागरिकों को अलग–अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं रहती।

इन सेवा शिविरों का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष प्रशासनिक समन्वय है। सामान्यत: नागरिक की समस्या एक विभाग तक सीमित नहीं होती। कई बार एक ही प्रकरण में राजस्व, पंचायत, बिजली, जलदाय, चिकित्सा, सामाजिक न्याय और स्थानीय निकाय जैसे अनेक विभाग जुड़े होते हैं। सेवा शिविरों में सभी विभागों की संयुक्त उपस्थिति के कारण समस्याओं का समाधान अपेक्षाकृत तेज़ी से संभव हो पाता है। यह व्यवस्था सिंगल विंडो गवर्नेंस की अवधारणा को मजबूत करती है।

सुशासन के अंतरराष्ट्रीय मानकों में पारदर्शिता, जवाबदेही, सहभागिता, दक्षता और समयबद्ध सेवा वितरण को महत्वपूर्ण माना जाता है। राजस्थान के सेवा शिविर इन सभी तत्वों को व्यवहार में उतारने का प्रयास करते दिखाई देते हैं। नागरिकों को उनके अधिकारों और योजनाओं की जानकारी देना, पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से जोड़ना तथा शिकायतों का मौके पर समाधान करना प्रशासनिक जवाबदेही का परिचायक है।

हालांकि, इन शिविरों की दीर्घकालिक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि शिविरों में किए गए निर्णयों का क्रियान्वयन कितनी गंभीरता से किया जाता है। केवल आवेदन स्वीकार कर लेना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि प्रत्येक प्रकरण की डिजिटल मॉनिटरिंग, समयबद्ध अनुपालन और जनसंतुष्टि का स्वतंत्र मूल्यांकन भी आवश्यक होगा। यदि शिविरों के दौरान प्राप्त शिकायतों और उनके समाधान का डेटा सार्वजनिक किया जाए तथा नियमित समीक्षा हो, तो यह पहल और अधिक प्रभावी बन सकती है।

भविष्य में इन सेवा शिविरों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिकायत प्रबंधन, ऑनलाइन ट्रैकिंग, मोबाइल एप, डिजिटल दस्तावेज़ सत्यापन और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी तथा नागरिकों का विश्वास और मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने यह स्पष्ट किया है कि उनके शासन की सफलता का वास्तविक पैमाना योजनाओं की घोषणा नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक उनका प्रभावी क्रियान्वयन है। यही सोच सेवा शिविरों के संचालन में भी दिखाई देती है। स्वयं शिविरों में पहुँचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करना, अधिकारियों को मौके पर निर्देश देना तथा नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित करना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण पक्ष रहा है। इससे प्रशासनिक मशीनरी को यह संदेश मिला है कि सरकार परिणामोन्मुखी कार्य संस्कृति और जवाबदेह प्रशासन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यही कारण है कि सेवा शिविर राजस्थान में "संवेदनशील प्रशासन, जवाबदेह शासन और प्रभावी गुड गवर्नेंस" के मॉडल के रूप में स्थापित होते दिखाई दे रहे हैं।

राजस्थान के सेवा शिविर केवल प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनकेंद्रित शासन दर्शन का सशक्त उदाहरण हैं। जब सरकार स्वयं नागरिकों तक पहुँचकर उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करती है, तब लोकतंत्र की वास्तविक भावना साकार होती है। यह पहल निरंतरता, प्रभावी निगरानी और जवाबदेही के साथ आगे बढ़कर न केवल राजस्थान बल्कि देश के अन्य राज्यों के लिए भी गुड गवर्नेंस का एक अनुकरणीय मॉडल बन सकती है। वास्तव में, सुशासन का उद्देश्य यही है कि शासन नागरिक के जीवन को सरल, सहज और सम्मानजनक बनाये और सेवा शिविर इस दिशा में एक महत्वपूर्ण और सार्थक कदम सिद्ध हो रहे हैं।

–अरुण चतुर्वेदी,
अध्यक्ष, राज्य वित्त आयोग

आगमग्रंथ उद्भव दिवस : श्रुत पंचमी

तीर्थंकर महावीर की दिव्यदेशना को लिपिबद्ध कर जन-जन तक पहुंचाने का महान दिवस

धर्म की सच्ची सेवा है ज्ञान की रक्षा और उसका प्रसार

भागचंद जैन मित्रपुरा

आज से लगभग 1870 वर्ष पूर्व ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी के दिन तीर्थंकर महावीर की दिव्य वाणी को श्रुत परंपरा के आधार पर षट्खण्डागम ठांथ के रूप में लिपिबद्ध कर भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित किया गया था। इसी कारण यह दिवस श्रुत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। यह ग्रंथ प्राकृत भाषा में रचित है, इसलिए इस दिन को प्राकृत भाषा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। यह दिवस आगम ज्ञान को जन–जन तक पहुँचाने का प्रेरणादायी अवसर है।

जैन परंपरा के अनुसार तीर्थंकरों को केवलज्ञान प्राप्त होने के पश्चात उनकी दिव्यध्वनि प्रतिदिन पूर्वाह्न, मध्याह्न, अपराह्न एवं अर्धरात्रि में चार बार, छह–छह घड़ी तक अठारह महाभाषाओं और सात सौ लघुभाषाओं में प्रवाहित होती है। समवशरण में उपस्थित सभी प्रकार के जीव इसे अपनी–अपनी भाषा में समझ लेते हैं।

चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर की वाणी श्रुत रूप में संरक्षित रही, जिसका प्रवाह गौतम स्वामी, सुधर्म स्वामी, जम्बू स्वामी से लेकर अंतिम श्रुतकेवली आचार्य भद्रबाहु स्वामी तक निरंतर चलता रहा। वर्षों तक उनकी दिव्यदेशना आचार्यों, मुनियों और विद्वानों द्वारा स्मरण शक्ति के आधार पर जनमानस में प्रचलित रही। कालांतर में क्षयोपशमिक ज्ञान की मंदता बढ़ने लगी, आचार्यों की स्मरणशक्ति क्षीण होने लगी तथा अंग एवं पूर्व ज्ञान का क्रमश: ह्रास होने लगा।

भगवान महावीर के निर्वाण के लगभग 683 वर्ष पश्चात जब अंगों और पूर्वों का शेष ज्ञान भी लुप्त होने की स्थिति में पहुँच गया, तब आचार्य धरसेन ने इस गंभीर परिस्थिति को समझा। उन्होंने अनुभव किया कि बुद्धि एवं स्मरणशक्ति के निरंतर ह्रास के कारण श्रुत परंपरा केवल मौखिक रूप में सुरक्षित नहीं रह सकती।

नंदीसंघ की प्राकृत पट्टावली के अनुसार श्रुत का प्रवाह इस प्रकार रहा है :–

केवली काल	62 वर्ष
श्रुत केवली काल	100 वर्ष
10 पूर्वधारी काल।	183 वर्ष
11 अंगधारी काल	123 वर्ष
10/9/8 अंगधारी काल	97 वर्ष
कुल	**565 वर्ष**
1 अंगधारी काल	
अर्हतबलि	28 वर्ष
माधनंदी	21 वर्ष
कुल	**614 वर्ष**
धरसेन	19 वर्ष
पुष्पदंत	30 वर्ष
भूतबलि	20 वर्ष
कुल	**683 वर्ष**

तीर्थंकर महावीर निर्वाण के 683 वर्ष पश्चात् श्रुत के आधार पर दिगम्बर जैन धर्म का आधारभूत ग्रंथ षट्खण्डागम ताड़पत्रों में लिपिबद्ध हुआ।

आचार्य धरसेन, जो 'क्षीणांग' के धारक थे, ने अपनी अल्पायु का सदुपयोग करते हुए शेष ज्ञान को लिपिबद्ध कराने का निर्णय लिया। उन्होंने महिमा नगरी में आयोजित मुनि सम्मेलन से दो योग्य मुनियों–आचार्य पुष्पदंत एवं आचार्य भूतबलि–को उनकी विद्वत्ता के आधार पर अपने निवास स्थल गिरनार पर्वत (गुजरात) स्थित चंद्रगुफा में बुलाया और अपनी स्मृति में सुरक्षित संपूर्ण श्रुतज्ञान उन्हें प्रदान किया।

इसके फलस्वरूप आचार्य पुष्पदंत ने प्रथम खंड की रचना की तथा उनके शरीरांत के पश्चात शेष पाँच खंडों की रचना आचार्य भूतबलि ने पूर्ण की। इस प्रकार छह खंडों से युक्त षट्खण्डागम ग्रंथ का सृजन हुआ। यह ग्रंथ आचार्य धरसेन के मौखिक उपदेशों पर आधारित है, जिसे ताड़पत्रों पर लिपिबद्ध किया गया। मूल षट्खण्डागम ग्रन्थ आज भी मूढबद्री में सुरक्षित है।

ईस्वी सन् 156 में ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी के दिन चतुर्विध संघ एवं देवों द्वारा इस महान ग्रंथ की पूजा–अर्चना की गई तथा इसे भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा गया। तभी से यह तिथि श्रुत पंचमी के नाम से विख्यात हुई।

आज षट्खण्डागम दिगम्बर जैन परंपरा का सर्वाधिक प्राचीन एवं महत्वपूर्ण आगम ग्रंथ माना जाता है। यह छ: खण्डों में लिपिबद्ध हुआ है।

षट्खण्डागम के छह खंड

जीवस्थान (जीवट्ठाण), क्षुद्रकबन्ध (खुद्दाबंध), बन्धस्वामित्व (बंधसामित्तिवचय), वेदना (वेयणा), वर्गणा (वग्गणा), महाबन्ध।

षट्खण्डागम के प्रथम तीन खंड आत्मा के दृष्टिकोण से कर्मबन्ध का विवेचन करते हैं, जबकि अंतिम तीन खंड कर्मों की प्रकृति, स्वरूप और सीमाओं का विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं।

पंचपरमेष्ठी की आराधना का आधार णमोकार महामंत्र, जिसे विश्वशांति मंत्र भी कहा जाता है, इस महान ग्रंथ का मंगलाचरण है।

इस ग्रेंथ पर आचार्य कुंदकुंद एवं आचार्य समंतभद्र जैसे महान आचार्यों ने टीकाएँ लिखीं, जो वर्तमान में उपलब्ध नहीं हैं। वर्तमान में आचार्य वीरसेन स्वामी (आठवीं शताब्दी) द्वारा रचित धवला टीका उपलब्ध है, जो षट्खण्डागम की महत्वपूर्ण व्याख्या मानी जाती है।

हम प्राय: पूजा–पाठ को ही धर्म मान लेते हैं, जबकि जिनवाणी हमें सिखाती है कि ज्ञानपूर्वक की गई क्रिया ही फलदायी होती है। यदि हम पूजापाठ में निहित अध्यात्म तत्व को समझने और आत्मसात करने का प्रयास करें, तभी हम सच्चे अर्थों में जिनवाणी की सेवा कर सकेंगे।

आज आवश्यकता है कि मंदिरों की अलमारियों में बंद आगम ग्रंथों को अध्ययन, स्वाध्याय, शास्त्रचर्चा, वार्तिक एवं वचनिकाओं के माध्यम से जन–जन तक पहुँचाया जाए। आधुनिक तकनीकी युग में "आधुनिकता के साथ अध्यात्म का संगम" की भावना को अपनाते हुए जिनवाणी को अधिकृत डिजिटल मंचों पर उपलब्ध कराना समय की मांग है।

जैन धर्म में देव, शास्त्र और गुरु की आराधना का विशेष महत्व है। जिनवाणी की पूजा–अर्चना के साथ–साथ शास्त्र भंडारों का संरक्षण, रखरखाव एवं सुरक्षा भी आवश्यक है। इतिहास साक्षी है कि अनेक धर्मग्रंथ विभिन्न कारणों से नष्ट या विलुप्त हो गए। अत: प्रत्येक धर्मानुयायी को स्वाध्याय का नियम लेकर शास्त्रों का सदुपयोग एवं संरक्षण करना चाहिए।

समग्र जैन समाज आचार्य धरसेन, आचार्य पुष्पदंत एवं आचार्य भूतबलि की दूरदृष्टि, त्याग, तपस्या और पुरुषार्थ का चिरऋणी है। वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों को इन त्रि–आचार्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए तीर्थंकर महावीर की वाणी को स्वाध्याय, चिंतन और मनन के माध्यम से सुरक्षित एवं संरक्षित रखने का संकल्प लेना चाहिए।

जिनवाणी ही हमारे जीवन–नौका की सच्ची खेवैया है।

श्रुत पंचमी का उद्देश्य–श्रुत पंचमी का मुख्य उद्देश्य तीर्थंकर महावीर की वाणी को सुरक्षित रखना तथा आगम ज्ञान को जन–जन तक पहुँचाना है।

श्रुत पंचमी का संदेश–श्रुत पंचमी हमें यह संदेश देती है कि ज्ञान की रक्षा और उसका प्रसार प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। यह दिन आचार्य धरसेन, आचार्य पुष्पदंत और आचार्य भूतबलि की दूरदृष्टि एवं त्याग का स्मरण कराता है, जिन्होंने भगवान महावीर की वाणी को लिपिबद्ध कर अमर बना दिया।

श्रुत पंचमी के अवसर पर शास्त्रों की साफ–सफाई की जाती है, उनकी पूजा–अर्चना की जाती है तथा जिनवाणी की रथयात्राएँ निकाली जाती हैं। साथ ही महावीर की वाणी को जन–जन तक पहुँचाने का संकल्प लेकर अपनी आध्यात्मिक विरासत के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है।

संकलन- भागचंद जैन मित्रपुरा,
अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर

हल्दीघाटी विजय दिवस पर स्थापित ध्वज गुरुवार को जयकारों के साथ उतारा

उदयपुर (का.स.)। हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुरू शती समारोह के वर्ष भर के आयोजन सम्पन्न होने के साथ ही प्रताप गौरव केन्द्र श्राष्ट्रीय तीर्थश् में पिछले वर्ष हल्दीघाटी विजय दिवस पर स्थापित किया गया ध्वज गुरुवार को जयकारों के साथ उतारा गया।

प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के हल्दीघाटी युद्ध विजय के 450वें वर्ष के तहत पिछले वर्ष 18 जून को हल्दीघाटी विजय दिवस पर हल्दीघाटी से उदयपुर तक हल्दीघाटी विजय संदेश यात्रा निकाली गई थी। इससे पूर्व खेड़ा देवी मंदिर परिसर में राष्ट्र चेतना यज्ञ हुआ था। हल्दीघाटी विजय संदेश यात्रा के प्रताप गौरव केन्द्र पहुंचने के बाद हल्दीघाटी की माटी के कलश और ध्वज को प्रताप गौरव केन्द्र परिसर में स्थापित किया गया था।

सक्सेना ने बताया कि हल्दीघाटी विजय के संदेश को वर्ष भर विश्व में गुंजाने के संकल्प के तहत पूरे वर्ष विभिन्न आयोजन हुए। सौभाग्य से इस वर्ष 18 जून से ठीक एक दिन पहले ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया पर महाराणा प्रताप जयंती भी आई और विशाल राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत का उद्बोधन प्राप्त हुआ। वर्ष भर के आयोजनों के समापन के तहत गुरुवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अध्यक्ष प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा, महामंत्री दीपक कुमार शुक्ल, महावीर चपलोत सहित अन्य पदाधिकारियोंए सदस्यों की उपस्थिति में महाराणा प्रताप के जयकारों के साथ ध्वजावतरण किया गया।

योग कर्टेन रेजर कार्यक्रम में महिलाओं ने योग करने का संकल्प लिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग को मिली वैश्विक पहचान : राखी राठौड़

अंतराष्ट्रीय योग दिवस के प्रति जनचेतना और जनजागरण के उद्देश्य से भाजपा महिला मोर्चा ने कर्टेन रेजर योग कार्यक्रम आयोजित किया।

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा राजस्थान की ओर से 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रति जनचेतना एवं जनजागरण के उद्देश्य से गुरुवार को एक विशेष कर्टेन रेज़र योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़

- **कार्यक्रम में राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, विधायक गोपाल शर्मा,भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता रीता भार्गव की उपस्थिति रही**

ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं योग साधकों ने भाग लेकर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता रीता भार्गव तथा महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री डॉ. मूर्ति मीणा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति की इस अमूल्य धरोहर को अपना रही है। योग स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक जीवनशैली का आधार बन गया। राठौड़ ने सभी नागरिकों से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आव्हान किया।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यख राखी राठौड़ ने कहा कि कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नियमित योग करने का संकल्प लिया। योग कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व समाज के विभिन्न वर्गों को योग के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

स्कूल व्याख्याता भर्ती में डमी कैंडिडेट से परीक्षा दिलाने वाला अभ्यर्थी व दलाल गिरफ्तार

प्राध्यापक हिंदी प्रतियोगी परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर चयन हासिल करने के मामले में कार्रवाई

एसओजी ने दलपत लाल व रुकमकेश मीणा को गिरफ्तार किया।

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित प्राध्यापक हिंदी (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर चयन हासिल करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए मूल अभ्यर्थी और सौदा कराने वाले दलाल को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में दलपत लाल मीणा (40) निवासी बौंली जिला सवाई माधोपुर तथा रुकमकेश मीणा (38) निवासी सपोटरा जिला करौली शामिल हैं। रुकमकेश मीणा वर्तमान में एम्स ऋषिकेश (उत्तराखंड) में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत है। एसओजी जांच में सामने आया कि दलपत लाल मीणा ने बिना परीक्षा दिए चयनित होने के लिए रुकमकेश मीणा के माध्यम से 15 लाख रुपए में सौदा तय किया था। इस राशि का भुगतान जयपुर सहित विभिन्न स्थानों पर नकद किया गया था।

जांच के अनुसार आरपीएससी द्वारा 15 अक्टूबर 2022 को आयोजित परीक्षा की दोनों पारियों-सामान्य ज्ञान और हिंदी विषय-में दलपत लाल की जगह डमी परीक्षार्थियों को बैठाया गया। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र में अपलोड मूल फोटो के स्थान पर दूसरे व्यक्ति की फोटो का उपयोग किया गया। इस संबंध में एसओजी थाना जयपुर में

- **डमी परीक्षार्थियों को बैठाने के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र में अपलोड मूल फोटो के स्थान पर दूसरे व्यक्ति की फोटो का उपयोग किया गया**

30 मई 2024 को मामला दर्ज किया गया था।

एसओजी अधिकारियों के अनुसार मुख्य आरोपी दलपत लाल मीणा लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ न्यायालय से स्थायी गिरफ्तारी वारंट भी जारी था। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

ट्रैफिक सिग्नल पर आमजन तक पहुंच रही विधिक जागरूकता

जयपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं और विधिक जागरूकता अभियानों को आमजन तक पहुंचाने के लिए न्याय छाया नाम से अभिनव पहल की गई है। इसके तहत टोंक रोड पर गांधी नगर मोड तिराहे पर विशेष शेड लगाकर नागरिकों को धूप से राहत देने के साथ-साथ उनके विधिक अधिकारों एवं विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

टेंट पर प्रदर्शित फ्लैक्स के माध्यम से मध्यस्थता, न्याय आपके द्वारा, समाधान समारोह, न्याय रो सारथी और सृजन की सुरक्षा सहित अन्य अभियानों का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्री ने बताया कि रोजाना हजारों की संख्या में नागरिक इस तिराहे पर रुकते हैं। न्याय छाया से एक ओर उन्हें भीषण गर्मी में राहत मिल रही है।

राहुल गांधी नहीं करते गंभीर राजनीति, बिना सोचे समझे करते है बयानबाजी : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी कभी गंभीर राजनीति नहीं करते और बिना सोचे-समझे बयानबाजी करते हैं। राहुल गांधी विद्यार्थियों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन देश और प्रदेश के विद्यार्थी समझदार हैं तथा उनके बहकावे में आने वाले नहीं हैं। राठौड़ ने कहा कि विद्यार्थी भली-भांति जानते हैं कि जो स्वयं विवेकपूर्ण और जिम्मेदार आचरण नहीं करता, वह दूसरों क्या विवेक सिखाएंगा। राहुल गांधी केवल राजनीतिक लाभ के लिए युवाओं और विद्यार्थियों के मुद्दों को उठाने का प्रयास कर रहे हैं। सांसद मदन राठौड़ ने दिल्ली प्रवास के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए यह वक्तव्य दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि नीट पेपर लीक की घटना केरल से जुड़ी हुई है और उसका

- **गहलोत के कार्यकाल में पेपर लीक की हुई कई घटनाएं, तब राहुल गांधी ने क्यों नहीं उठाई युवाओं की आवाज : मदन राठौड़**

राजस्थान से कोई संबंध नहीं है। इसके बावजूद राहुल गांधी राजस्थान आकर राजनीतिक नौटंकी कर रहे हैं। लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन इस प्रकार की राजनीति से राहुल गांधी की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में राजस्थान में अनेक पेपर लीक की घटनाएं हुईं, तब राहुल गांधी ने कोई आवाज नहीं उठाई। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि किसी युवा की नौकरी लगने के बाद भर्ती को रद्द कर दिया गया, उस युवा के सपनों को चकनाचूर करने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया। इसके विपरीत वर्तमान सरकार ने नीट परीक्षा में अनियमितता सामने आने के तुरंत बाद परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया तथा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं।

पत्रकारों के सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कुछ लोग नीतिगत आधार पर नहीं बल्कि परिस्थितिवश अन्य दलों के साथ जुड़े हुए हैं। जैसे-जैसे उन्हें वास्तविक स्थिति और राष्ट्रीय दृष्टिकोण का महत्व समझ आएगा, वे स्वयं सही निर्णय लेते है। उन्होंने कहा कि जिन राजनीतिक दलों के पास कोई स्पष्ट राष्ट्रीय एजेंडा नहीं है, उनसे जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता धीरे-धीरे दूरी बनाएंगे।

योग दिवस पर योग एवं राजयोग ध्यान कार्यक्रम कल

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, वैशाली नगर, जयपुर द्वारा 20 जून (शनिवार) को प्रातः 6 बजे चित्रकूट स्टेडियम, वैशाली नगर, जयपुर में भव्य योग एवं राजयोग ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य विषय आध्यात्मिक जागृति द्वारा विश्व नवसृजन रहेगा।

सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके चंद्रकला दीदी ने जानकारी देते हुए बताया कि

- **विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां होंगे मुख्य अतिथि**

वर्तमान समय में योग केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ, तनावमुक्त, सकारात्मक एवं मूल्यनिष्ठ जीवन जीने की एक संपूर्ण जीवनशैली बन चुका है। कार्यक्रम में सामूहिक योगाभ्यास, राजयोग मेडिटेशन तथा सकारात्मक जीवनशैली से संबंधित प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि योग के नियमित अभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत एवं आत्मा शक्तिशाली बनती है। कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के नागरिकों को योग एवं ध्यान का व्यावहारिक अनुभव कराया जाएगा, जिससे वे अपने जीवन में संतुलन, मानसिक शांति एवं सकारात्मकता का अनुभव कर सकें।

कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी तथा राज्यसभा सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

साथ ही ब्रह्माकुमारीज राजस्थान की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी बीके सुषमा दीदी की विशेष उपस्थिति रहेगी तथा उनके प्रेरणादायी उद्बोधन का लाभ भी उपस्थित जनसमुदाय को प्राप्त होगा।

सब्सिडी योजना के तहत दी जाने वाली विशेष रियायत, अधिकार के रूप में नहीं मांगी जा सकती : आयोग

जयपुर। राज्य उपभोक्ता आयोग ने एक मामले में कहा है कि सब्सिडी सरकारी योजना के अंतर्गत दी जाने वाली विशेष रियायत होती है। इसे अधिकार के स्वरूप नहीं मांगा जा सकता। वहीं ऐसे मामले में व्यक्ति को उपभोक्ता की श्रेणी में भी नहीं माना जा सकता। इसके साथ ही आयोग ने प्रधानमंत्री आवास योजना की सब्सिडी के भुगतान से जुडे मामले में जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर द्वितीय की ओर से दिए आदेश को निरस्त कर दिया है। आयोग अध्यक्ष देवेन्द्र कच्छावा और सदस्य करुणा जैन की पीठ ने यह आदेश नेशनल हाउसिंग बैंक व अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता आरके शर्मा ने आयोग को बताया कि परिवादी को फ्लैट खरीदने के लिए लोन स्वीकृत किया गया था। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना की ईडब्ल्यूएस श्रेणी में तीन लाख या उससे कम आय वाले व्यक्ति तीस वर्ग

- **आयोग ने ऐसे मामले में व्यक्ति को उपभोक्ता की श्रेणी में भी नहीं माना जा सकता। इसके साथ ही आयोग ने प्रधानमंत्री आवास योजना की सब्सिडी के भुगतान से जुडे मामले में जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर द्वितीय की ओर से दिए आदेश को निरस्त कर दिया**
- **'सब्सिडी सेवा नहीं होने और इसके बदले सेवा शुल्क नहीं लेने के कारण व्यक्ति उपभोक्ता की श्रेणी में भी नहीं आता'**

मीटर तक के आवास खरीदने के अधिकारी है। इस संबंध में परिवादी को जानकारी दी गई थी। परिवादी ने 70 वर्ग मीटर की संपत्ति खरीदी थी। इसलिए वह इस स्कीम के तहत सब्सिडी प्राप्त करने की अधिकारी नहीं थी। परिवादी से स्कीम की गाइडलाइन के अनुसार मांगे गए दस्तावेज भी नहीं दिए गए थे। अपील में यह भी कहा गया कि सब्सिडी सेवा नहीं होने और इसके बदले सेवा शुल्क नहीं लेने के कारण व्यक्ति उपभोक्ता की श्रेणी में भी नहीं आता। ऐसे में जिला आयोग ने सब्सिडी राशि और क्षितपूर्ति के तौर पर एक लाख रुपए का हर्जाना गलत लगाया है। जिसे रद्द किया जाए।

गौरतलब है कि पूजा डाबला ने साल 2019 में फ्लैट खरीदने के लिए 18.93 लाख रुपये का होम लोन लिया था। उसने जिला आयोग में परिवाद पेश कर दावा किया की इस दौरान उसे कंपनी ने पीएमएवाई सब्सिडी के 2.67 लाख रुपए देने का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में सब्सिडी खाते में जमा नहीं की गई।

जयपुर में दहशत फैलाने वाले पंजाब के दो शातिर स्नैचर गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में लगातार हो रही चेन स्नेचिंग की वारदातों पर अंकुश लगाते हुए जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) और सोडाला थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर पंजाब के दो शातिर चेन स्नैचरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने जयपुर में पिछले 10 दिनों के दौरान छह महिलाओं को निशाना बनाते हुए चेन स्नैचिंग और लूट की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

पुलिस ने आरोपी परमजीत सिंह व काका शर्मा को गिरफ्तार किया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान परमजीत सिंह उर्फ प्रिंस (40) निवासी सिविल लाइंस, पटियाला (पंजाब) तथा काका शर्मा (25) निवासी कोतवाली क्षेत्र, पटियाला (पंजाब) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ पंजाब में एनडीपीएस, चोरी, मारपीट और स्नैचिंग के एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन के अनुसार 9 जून को सोडाला क्षेत्र में ममता देवी शर्मा के गले से बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चेन तोड़ ली थी। वारदात के दौरान महिला घायल भी हो गई थी। इस संबंध में सोडाला थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इसके बाद आरोपियों ने 10 जून को विधायकपुरी क्षेत्र के पांचबत्ती इलाके तथा 11 जून को चांदपोल स्थित हनुमान मंदिर के बाहर भी चेन स्नेचिंग की वारदात की। वहीं 16 जून को एमआई रोड पर भी एक महिला की चेन छीनने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहने पर फरार हो गए।

जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी पंजाब से अजमेर पहुंचे थे, लेकिन मौका नहीं मिलने पर जयपुर आ गए। यहां वे पहले बाइक चोरी करते और फिर उसी बाइक से सोडाला, मालपुरा गेट, विधायकपुरी, कोतवाली और बजाज नगर थाना क्षेत्रों में महिलाओं को निशाना बनाकर चेन स्नेचिंग करते थे। वारदातों के दौरान दोनों शहर के विभिन्न होटलों में ठहरते थे।

वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सोडाला थानाधिकारी बलवीर कस्वां के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। सीएसटी और सोडाला थाना पुलिस ने तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर आरोपियों का पीछा करते हुए पंजाब तक दबिश दी। बाद में उनके जयपुर लौटने की सूचना मिलने पर मोबाइल लोकेशन के आधार पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने जयपुर शहर में छह वारदातें करना स्वीकार किया है। पुलिस अब उनसे चोरी की गई चेन और मोटरसाइकलों की बरामदगी के साथ-साथ अन्य वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

सार-समाचार

सिटी पैलेस में सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का समापन

जयपुर। सिटी पैलेस जयपुर में एक महीने तक चले सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का हर्षोल्लास के साथ समापन समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर सिरमौर के महाराजा लक्ष्यराज प्रकाश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने समारोह में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न कलाओं को सराहा और चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान महाराजा लक्ष्यराज ने सभी प्रशिक्षकों का माला पहनाकर सम्मान किया। उन्होंने शिविर के शिक्षकों का धन्यवाद देते हुए कहा कि "इस शिविर के माध्यम से युवा पीढ़ी ने जो सीखा है, वही आगे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचेगा। यह केवल एक प्रशिक्षण शिविर नहीं, बल्कि हमारी कला, संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण माध्यम बना है।" समारोह में प्रतिभागियों ने शिविर के दौरान सीखी ध्रुपद, जयपुर घराने का कथक, राजस्थानी लोक नृत्य, बांसुरी, थियेटर जैसी विभिन्न कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी, रमा दत्त भी उपस्थित रहीं। इस प्रशिक्षण शिविर का समन्वय सिटी पैलेस के कला एवं संस्कृति, ओएसडी, चित्रकार रामू रामदेव द्वारा किया गया। शिविर का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों एवं कला प्रेमियों को राजस्थान की पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य, भाषा एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना था।

309 प्रकरणों का त्वरित निस्तारण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित शहरी सेवा शिविर सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा की प्रभावी मिसाल बनकर उभरे हैं। इन शिविरों के माध्यम से आमजन को मौके पर ही त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे नागरिकों का सरकार के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अंत्योदय की भावना को साकार करते हुए 12 जून से आयोजित इन शिविरों में आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविरों के माध्यम से मण्डल ने अब तक 16 प्रकार की सेवाओं से संबंधित कुल 309 प्रकरणों का त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण किया जा चुका है। साथ ही पात्र लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। आवासन आयुक्त अरविंद पोसवाल ने बताया कि राजस्थान आवासन मंडल द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविरों में नागरिकों की वर्षों से लंबित समस्याओं का भी प्रभावी समाधान किया जा रहा है। अब तक निस्तारित 309 प्रकरणों में अहस्तांतरित कॉलोनियों में सफाई, सड़क ,सीवर लाइन एवं रोड लाइट मरम्मत से संबंधित 4 प्रकरण, नाम हस्तांतरण के 18 प्रकरण, पूर्ण राशि जमा होने पर अदेयता प्रमाण पत्र के 4 प्रकरण, कब्जा पत्र जारी करने का 1 प्रकरण, भवन मानचित्र (पंजीयन हेतु) के 9 प्रकरण, आवास पंजीयन के 7 प्रकरण, बकाया/शेष राशि संबंधी 204 प्रकरण, एकमुश्त लीज पत्र के 38 प्रकरण, फ्री होल्ड प्रमाण पत्र के 23 प्रकरण तथा अतिरिक्त भू-पट्टी आवंटन का 1 प्रकरण शामिल है।

बैठक आयोजित

जयपुर। आगामी1-2जुलाई को जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित होने वाले29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन (एनसीईजी) की तैयारियों की समीक्षा बैठक गुरुवार को मुख्य सचिव कार्यालय में आयोजित हुई। वीसी के माध्यम से आयोजित हुई इस बैठक में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास और केंद्रीय प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग(डीएआरपीजी) की सचिव श्रीमती निवेदिता शुक्ला वर्मा ने आयोजन को ऐतिहासिक एवं भव्य बनाने के संबंध में अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश दिए। व सम्मेलन की आउटरीच पर विशेष ध्यान दिया जाए। ई-गवर्नेंस के नवाचारों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए इसके संबंध में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है।

पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर की वर्चुअल जनसुनवाई में 60 परिवादों की सुनवाई

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित पंचायती राज विभाग के सभागार से प्रदेश की पांच ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों से वर्चुअल संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान

- **मंत्री दिलावर ने खेल मैदान को समतल कराने और विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए**

पंचायती राज विभाग के सभागार से प्रदेश की पांच ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों से वर्चुअल संवाद कर उनकी समस्याएं सुनकर मौके पर ही समाधान कराया।

कराया। मंत्री ने कहा कि तकनीक के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर तक सीधा संवाद स्थापित कर ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

कोटा जिले की अरनिया कला ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने विद्यालय में इंटरलॉकिंग और खेल मैदान की समस्या रखी। इस पर मंत्री दिलावर ने विधायक कोष से 5 लाख रुपये देने की घोषणा की। साथ ही खेल मैदान को समतल कराने और विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कराने के निर्देश भी दिए। परिवादी ने मंत्री का सभी ग्रामीणों की और से आभार व्यक्त किया।

सिरोही जिले की कृष्णगंज ग्राम पंचायत के कान्तिलाल और नेनु देवी ने वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलने की शिकायत की।

जांच में जनाधार अपडेट नहीं होने का मामला सामने आया। मंत्री के निर्देश पर तत्काल जनाधार अपडेट कर वार्षिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कराई गई। उन्होंने बताया कि अब दोनों लाभार्थियों को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार के निर्णयानुसार 1450 रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलेगी। दोनों ही परिवादियों ने मंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी कई महीनों से पेंशन नहीं आ रही थी, लेकिन दिलावर ने दूर बैठे ही हमारी समस्या का समाधान कर दिया।

बांसवाड़ा जिले की आसन ग्राम पंचायत के जीवा पाटिल ने पट्टा आवेदन लंबित होने की समस्या बताई। इस पर मंत्री ने संबंधित ग्राम विकास अधिकारी को पात्रता के अनुसार 20 जून तक पट्टा जारी करने के निर्देश दिए।

जैसलमेर जिले की रामदेवरा ग्राम पंचायत के नरपत राम मेघवाल एवं लक्ष्मणराम ने जल जीवन मिशन के तहत पेयजल सुविधा नहीं मिलने की शिकायत दर्ज कराई।

लापता महिला का शव कुएं में मिला: चांदी के कड़ों के लिए हत्या की आशंका

जयपुर। राजधानी जयपुर के शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक कुएं में महिला का पुराना शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका पिछले आठ दिनों से लापता थी और परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करा रखी थी। प्रारंभिक जांच में महिला के पैरों में पहने चांदी के कड़े गायब मिले हैं, जिससे लूट के उद्देश्य से हत्या कर शव को कुएं में फेंकने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

शिवदासपुरा थानाधिकारी राजेन्द्र मीणा ने बताया कि गुरुवार सुबह हनुमानपुरा पावर ग्रिड के पीछे ढूंढ नदी के पास स्थित एक कुएं से दुर्गंध आने की सूचना मिली थी। स्थानीय लोगों ने कुएं में झांककर देखा तो अंदर महिला का शव दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद सिविल डिफेंस और एफएसएल टीम को भी बुलाया गया।

पुलिस ने सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों की सहायता से शव को कुएं से बाहर निकलवाया। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। शव मिलने की खबर से मौके पर बड़ी संख्या

- **हत्या के विरोध में थाने पर प्रदर्शन**
- **50 लाख मुआवजा व सरकारी नौकरी की मांग**

में ग्रामीण और स्थानीय लोग एकत्र हो गए। पुलिस जांच में मृतका की पहचान बल्लूपुरा निवासी बीना देवी (53) के रूप में हुई है। बीना देवी मजदूरी का कार्य करती थीं। परिजनों के अनुसार वह 11 जून को दोपहर करीब 12 बजे दवाई लेने की बात कहकर घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। काफी तलाश के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने शिवदासपुरा थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी।

पुलिस के अनुसार जिस स्थान पर शव मिला है, वह मृतका के घर से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित है। शव कई दिन पुराना होने के कारण उसमें सड़न आ चुकी थी। प्रारंभिक जांच के दौरान यह भी सामने आया कि महिला के पैरों में पहने हुए चांदी के कड़े गायब थे। ऐसे में आशंका है कि बदमाशों ने चांदी के कड़े लूटने के लिए महिला की हत्या की।

शैक्षणिक उन्नयन के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने पर महिमा कुमारी चुण्डावत सम्मानित

महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर 31 वां प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

उदयपुर। प्रातः स्मरणीय वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर स्थापित महाराणा प्रताप की अश्वारूढ प्रतिमा पर विद्यापीठ के कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत के मुख्य आतिथ्य में पुष्पांजलि एवं 31वां सर्व-समाज प्रतिभा सम्मान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम निदेशक एवं संयोजक भरतभानु सिंह देवड़ा ने बताया कि इस वर्ष का कैलाश कुमारी पिंकुराजे सम्मान शैक्षणिक उन्नयन के क्षेत्र में महिमा कुमारी चुण्डावत को, डॉ. चमनसिंह देवड़ा सम्मान जगदीश मेनारिया को, राणा पूँजा सम्मान चुन्नीलाल गमेती को. पन्नाधाय सम्मान श्रवण रेबारी को, गुरु रविदास सम्मान घनश्याम मेघवाल को, कुँवर ललितभानु सिंह सम्मान किशनसिंह देवड़ा को, कुँवर भूरसिंह सम्मान मनोहरसिंह चुण्डावत को, शैक्षणिक उन्नयन के क्षेत्र में, सांस्कृतिक पुनरूत्थान के लिये डॉ. डूंगरसिंह डबोक सम्मान, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण क्षेत्र में में ठा. उम्मेदसिंह डबोक सम्मान, स्व. भँवरसिंह मेड़ता (मरणोपरान्त) को, युवा कौशल के लिये गुरुशिखर सम्मान फतहनगर के पार्षद मुकेश खटीक को एवं शैक्षणिक उन्नयन हेतु द्रोणाचार्य सम्मान डबोक के आयुष तेली को प्रदान किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. ने कहा कि इतिहास में सबसे पहला नाम महाराणा प्रताप का आता है प्रताप ने जिस तरह से स्वाधीनता का बिगुल बजाया था , उनका एक ही ध्येय था कि हमारी स्वाधीनता अक्षुण रहनी चाहिए। हल्दीघाटी का युद्ध स्वतंत्रता बनाम साम्राज्यवाद का था। हर वर्ग ने प्रताप का साथ दिया। मेवाड़ में महाराणा प्रताप ने वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की रक्षा व सर्व धर्म समभाव, विश्व शांति का जो पाठ पढ़ाया था, उसे वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाना है, ताकि अपराध मुक्त समाज का निर्माण किया जा सके। स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रताप ने अपना पूरा राजपाट छोड दिया था। महाराणा प्रताप को देश व व्यक्ति के आत्म सम्मान एवं देश प्रेम, स्वतंत्रता एवं वीरता के लिए जाना जाता है। प्रताप का व्यक्तित्व एवं कृतित्व हमारे लिए सदा प्रेरणास्पद रहा है। देश के युवाओं को इनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है इस अवसर पर बिछड़ी सरपंच लोकेश पालीवाल, युवा उद्यमी अशोक कोठारी, मुकेश सिंघवी, मांगीलाल गमेती, खेमसिंह देवड़ा मेड़ता, लोकेश पाटीदार नरेन्द्र सिंह राठोड़ सहित कार्यकर्ताओं ने प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित कर नमन किया।

उदयपुर में डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर स्थापित महाराणा प्रताप की अश्वारूढ प्रतिमा पर विद्यापीठ के कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत के मुख्य आतिथ्य में पुष्पांजलि का आयोजन किया गया।

वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती पर प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

- प्रताप का व्यक्तित्व हमारे लिए सदा प्रेरणास्पद रहा है
- इतिहास में सबसे पहला नाम महाराणा प्रताप का आता है प्रताप ने जिस तरह से स्वाधीनता का बिगुल बजाया था, उनका एक ही ध्येय था कि हमारी स्वाधीनता अक्षुण रहनी चाहिए

आरटीओ इंस्पेक्टर पर मनमानी वसूली का आरोप, ड्राइवरों का हंगामा

उदयपुर आरटीओ ज्ञानदेव विश्वकर्मा ने सभी आरोपों को झूठा बताया है

उदयपुर (का.स.)। उदयपुर में आरटीओ इंस्पेक्टर पर मनमानी वसूली का आरोप लगाते हुए ड्राइवरों ने गुरुवार को हंगामा किया। ड्राइवरों ने नेशनल हाईवे.48 पर टोल नाका से काया के बीच जाम लगा दिया तथाआरटीओ इंस्पेक्टर के खिलाफ नारेबाजी की।

हंगामे के दौरान आरटीओ इंस्पेक्टर चंचल माथुर हाईवे किनारे गाड़ी के अंदर बैठे रहे। करीब 40 मिनट तक हंगामा चलाए जिसके बाद आरटीओ ने गोवर्धन विलास थाना पुलिस को सूचना दी । गोवर्धन विलास और सवीना थाना पुलिस का जाब्ता मौके पर पहुंचा और ड्राइवरों को खदेड़कर वहां से हटाया । साथ ही आरटीओ ने हंगामा करने वाले ड्राइवरों के खिलाफ गोवर्धन विलास थाने में शिकायत दर्ज करवा दी।

ड्राइवरों ने कहा कि हाईवे से गुजरने वाली हर एक गाड़ी को रुकवाकर 50 से 100 रुपए लिए जा रहे हैं। इसके कारण हाईवे पर लंबा जाम लग जाता है और ड्राइवर परेशान होते हैं।

इधर ड्राइवरों से वसूली के आरोप पर उदयपुर आरटीओ ज्ञानदेव विश्वकर्मा ने सभी आरोपों को झूठा बताया है।आरटीओ ने कहा कि ये चालान नहीं कटवाने के चक्कर में हंगामा कर रहे हैं । पैसे मांगने जैसी कोई बात नहीं है और अगर ऐसा कुछ है तो उसकी जांच की जाएगी। हमने हंगामा करने वाले ड्राइवरों के खिलाफ थाने में राजकार्य में बाधा की शिकायत दर्ज करा दी है।

- गोवर्धन विलास और सवीना थाना पुलिस का जाब्ता मौके पर पहुंचा व ड्राइवरों को खदेड़ा

प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त कल उदयपुर आएंगे

उदयपुर। राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त शनिवार को उदयपुर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शासन सचिव 11:25 बजे वायुयान द्वारा जयपुर से महाराणा प्रताप एयरपोर्ट, डबोक पहुंचेंगे। शासन सचिव शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों के क्रम में जिले आयोजित हो रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का अवलोकन एवं समीक्षा करेंगे। वे अगले दिन रविवार 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तर पर आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके पश्चात शासन सचिव शाम को महाराणा प्रताप एयरपोर्ट, डबोक पहुंचकर जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

रणथंभौर एक्सप्रेस के जनरल कोच में अचानक से उठा धुंआ

कोटा, (निसं)। मंडल के लूनीरिछा स्टेशन के पास उस समय थोड़ी देर के लिये अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब इंदौर से जोधपुर जा रही रणथंभौर इंटरसिटी एक्सप्रेस के जनरल कोच में अचानक से धुंआ उठने लगा। जानकारी के अनुसार रणथंभौर इंटरसिटी एक्सप्रेस जब कोटा मंडल के लूनीरिछा स्टेशन के पास पहुंची तो ट्रेन के आगे वाले जनरल कोच के पहियों के पास से धुंआ उठता दिखा, जिस पर सर्तकता बरतते हुए ट्रेन को रोक दिया गया।

धुंए में आग की आशंका के चलते यात्रियो मे अफरा-तफरी का माहौल बन गया, यात्री कोच में उठते धुंए को देखकर सामान लेकर सुरक्षित स्थानों की तरफ जाने लगे, वहीं सूचना पर रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। कोटा मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि तकनिकी खराबी के चलते कोच का ब्रेक ब्लॉक जाम होकर चिपक गया, लगातार घर्षण होने से पहियों के पास से धुंआ निकलने लगा।

सीनियर डीसीएम ने बताया कि टीम ने मौके पर पहुंचकर ब्रेक सिस्टम को आइसोलेट किया।

- यात्रियों में मची अफरा-तफरी

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बालोतरा, (निसं) । जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक सडक हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा बालोतरा के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग-25 पर भीमरलाई गांव के पास हुआ।

मृतक की पहचान केसराम पुत्र माताराम मेघवाल (40) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि केसराम अपनी पत्नी अनीता के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दंपती सडक पर गिर गए। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड जमा हो गई। लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को राजकीय नाहटा अस्पताल, बालोतरा पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने केसराम को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल अनीता का उपचार जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

अवैध मादक पदार्थ 44.280 किलोग्राम डोडा पोस्त जब्त

बालोतरा, (निसं)। पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा नशाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण एवं उन्मूलन के लिए पुलिस मुख्यालय की मंशा अनुसार जिले में मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम एवं मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध प्रभावी कानूनी कार्यवाही के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान "ऑपरेशन विषभंजन" के तहत जारी दिशा-निर्देशानुसार हरफूल सिंह आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा एवं गिरधरसिंह आरपीएस, वृताधिकारी सिवाना के निकट सुपर विजन में नरपतदान थानाधिकारी समदडी के नेतृत्व में डीएसटी बालोतरा की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ 44.280 किलोग्राम डोडा पोस्त, 39० ग्राम अफीम का दूध व 1.040 किलोग्राम निर्मित अफीम जब्त कर आरोपी तस्कर जयकिशन को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस के अनुसार थानाधिकारी समदडी को दौराने गश्त डीएसटी बालोतरा से सूचना प्राप्त हुई कि जयकिशन पुत्र खेराजराम, जाति विश्नोई, निवासी विश्नोई की ढाणी, देवडा ने अपने रिहायशी मकान में अवैध डोडा पोस्त एवं अफीम छिपाकर रखी हुई है। तत्काल दबिश दी जाए तो उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त एवं अफीम बरामद हो सकती है। सूचना पर पुलिस टीम जयकिशन पुत्र खेराजराम, जाति विश्नोई, निवासी विश्नोई की ढाणी, देवडा के रिहायशी मकान पर पहुंची। तलाशी के दौरान आरोपी के घर में बने कमरे से 44.280 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त, 0.390 किलोग्राम अफीम का दूध तथा 1.040 किलोग्राम निर्मित अफीम बरामद हुआ, जिसे नियमानुसार जब्त किया गया।

तत्पश्चात आरोपी जयकिशन पुत्र खेराजराम, जाति विश्नोई, निवासी विश्नोई की ढाणी, देवडा, थाना समदडी को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना समदडी में प्रकरण पंजीबद्ध कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया।

रास्ता पूछने के बहाने बुजुर्ग को लूटने के दो आरोपी पकड़े

अजमेर, (का.सं.)। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने बुजुर्ग लोगों को निशाना बनाकर लूटपाट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों ने चित्तौडग़ढ़ जिले के बड़ी सादड़ी निवासी 80 वर्षीय सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को रास्ता पूछने के बहाने अपने झांसे में लेकर नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज लूट लिए थे।

पुलिस अब दोनों आरोपियों को पीसी रिमांड पर लेकर लूटी गई राशि एवं अन्य सामान की बरामदगी करेगी। सिविल लाइन पुलिस थाना प्रभारी शंभू सिंह ने बताया कि बड़ी सादड़ी निवासी सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक सोहनलाल जैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 16 जून की सुबह करीब 10 बजे वे राजस्व मंडल कार्यालय से एसबीआई मुख्य शाखा की ओर पैदल जा रहे थे। इसी दौरान स्कूटी पर सवार दो युवक उनके पास पहुंचे।

40 घंटे बाद हुआ पोस्टमार्टम, न्यायिक मजिस्ट्रेट करेंगे जांच

जोधपुर, (कासं) । बासनी थाने में पूछताछ के दौरान आत्महत्या के प्रयास के बाद एम्स में दम तोड़ने वाले अमृत वैष्णव के परिजनों ने मर्ग दर्ज करवा दिया है, फिलहाल किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया है। इस मर्ग की जांच न्यायिक अधिकारी करेंगे। मौत के करीब 40 घंटे बाद गुरुवार को पोस्टमार्टम पूरा किया गया। इससे पहले बुधवार देर रात लंबे गतिरोध के बाद परिजनों और प्रशासन के बीच सहमति बन गई थी, जिसके बाद धरना समाप्त हो गया। वार्ता में न्यायिक अधिकारी की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराने, गुमशुदगी मामले के जांच अधिकारी हैड कांस्टेबल को लाइन हाजिर करने और सरकार से उचित मुआवजे की कार्यवाही पर सहमति बनी। थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि परिजनों द्वारा दिए गए मर्ग को दर्ज कर लिया गया है। इसकी जांच विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट हितेश जोशी करेंगे। न्यायिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस जाब्ते के साथ गुरुवार दोपहर एम्स से परिजन अमृत का शव लेकर लूणी थाना क्षेत्र के सर गांव के लिए रवाना हो गए। थानाधिकारी ने बताया कि बासनी थाने में चार जून को एक युवती के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी। युवती की कॉल डिटेल्स में अमृत वैष्णव से लगातार बातचीत सामने आई थी। घर से निकलने से पहले अंतिम फोन भी उसी को किया था। इस आधार पर पुलिस अमृत को बुलाकर पूछताछ कर रही थी। मंगलवार को उसे दूसरी बार थाने बुलाया गया। इस दौरान युवती के परिजन भी वहां मौजूद थे। पूछताछ के बाद अमृत ने थाने में आत्महत्या का प्रयास किया, जिसके बाद उसे एम्स में इलाज के लिए भर्ती कराया गया, जहां न्यायिक अधिकारी के समक्ष भी उसने युवती के परिजनों द्वारा प्रताडि़त किए जाने का अंतिम बयान दिया।

- बासनी थाने में आत्महत्या का मामला, मृतक के परिजनों ने मर्ग दर्ज कराया
- वार्ता में गुमशुदगी मामले के जांच अधिकारी हैड कांस्टेबल को लाइन हाजिर करने और सरकार से उचित मुआवजे की कार्यवाही पर सहमति बनी।

स्वास्थ्य मंत्री ने प्रमुख शासन सचिव से दोषियों पर कार्रवाई के प्रस्ताव 5 दिन में मांगे

पूरे मामले में फर्जीवाड़ा देखते हुए स्पेशल ऑडिट कराने की तैयारी

बीकानेर । संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल में मैनपावर, सफाई और सुरक्षा टेंडरों में हुए 13.15 करोड़ घोटाले के बाद सरकार पूरी तरह एक्शन में आ गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने इस बड़े वित्तीय घोटाले का कड़ा संज्ञान लेते हुए विभाग के आला अधिकारियों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मंत्री खींवसर ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव को एक सख्त पत्र जारी कर पूरे प्रकरण की जांच रिपोर्ट और दोषियों के विरुद्ध की जाने वाली कार्रवाई का पूरा प्रस्ताव आगामी 5 दिवस में अनिवार्य रूप से उनके समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि निदेशालय चिकित्सा शिक्षा की विशेष जांच समिति ने पीबीएम अस्पताल में नियमों को ताक पर रखकर चहेती निजी फर्मों को करोड़ों रुपए का अवैध भुगतान करने और बिना प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के टेंडर जारी करने जैसी गंभीर अनियमितताओं की पोल खोली थी। हालांकि इस मामले में पीबीएम प्रशासन ने सीएमओ रिपोर्ट भेजकर अपनी सफाई दी थी। उसके बाद खुद मंत्री को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा।

2020 से अब तक तैनात रहे अस्पताल अधीक्षक, लेखाधिकारी, बिलों का सत्यापन करने वाले कार्मिक, तकनीकी समिति के सदस्य और भुगतान को फाइनल अप्रूवल देने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू होगी। चहेती तीनों फर्मों से 13.15 करोड़ रुपए की तत्काल रिकवरी और उनके लंबित भुगतानों पर रोक लगाने की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

पूरे मामले में फर्जीवाड़े के स्तर को देखते हुए जयपुर के विशेष ऑडिट निरीक्षण विभाग या प्रधान महालेखाकार (एजी) राजस्थान से एक विस्तृत स्पेशल ऑडिट कराने की तैयारी भी की जा रही है।

93 ग्राम गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

झुंझुनूं। जिले में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को 93 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा शहर वृत्ताधिकारी गोपाल सिंह ढ़ाका के सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी श्रवण कुमार मील के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 18 जून को थानाधिकारी श्रवण कुमार मील को मुखबिर से सूचना मिली कि बाईपास रोड स्थित सिगड़ी होटल के पास एक युवक अवैध मादक पदार्थ लेकर बैठा है और उसे बेचने की तैयारी कर रहा है।

पाली के हेमावास बांध में डूबने से स्टूडेंट की मौत

पाली, (नि.सं.)।पाली शहर के निकट हेमावास बांध में डूबने से गुरुवार को सर्वोदय नगर निवासी सुभाष राव की डूबने से मौत हो गई, उसके साथ गया चिरंजीवी भी पानी में आने से अचेत हो गया लेकिन बच गया रौनक बांध में नहीं उतरा था। मृतक के पिता का आरोप है कि जो दोनों लड़के साथ थे उनसे कुछ दिन पूर्व सुभाष का रुपयो के लेनदेन को लेकर झगड़ा हुआ था।

उनका आरोप है कि साजिश के तहत उनके लडके को वहां लेकर गए और उसके साथ साजिश की गई उन्होंने कहा यह हादसा नहीं साजिश है, जिसकी जांच होनी चाहिए पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सभी लड़के शहर के सर्वोदय नगर के निवासी हैं। मृतक के पिता ने चेतावनी दी है जब तक मामले की निष्पक्ष जांच नहीं होगी बॉडी नहीं उठाएंगे।

बीकानेर के पीबीएम की ओटी में संक्रमण और अस्पताल में गंदगी ने फेल की प्रसूताओं की किडनी

बीकानेर। कोटा के सरकारी अस्पताल में प्रसूताओं की मौत के बाद बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में प्रसव के बाद प्रसूताओं की किडनी फेल होने के मामले में हैरान करने वाले तथ्य सामने आए हैं। अस्पताल में गंदगी, ओटी में संक्रमण और गायनी विभाग के पास अलग से आईसीयू नहीं होने को इसका जिम्मेदार माना गया है। इस मामले में किडनी खराब होने के साथ ही दो प्रसूताओं की आंखों की रोशनी भी चली गई थी।

चिकित्सा विभाग ने मामले की जांच के लिए जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज से 6 विशेषज्ञों की कमेटी गठित की थी। इस कमेटी ने बीकानेर जाकर जांच की। कमेटी में शामिल डॉक्टर रिपोर्ट के बारे में कुछ नहीं बता रहे, लेकिन भास्कर के पास इसके तथ्य मौजूद हैं। इनमें कमेटी ने 2 प्रसूताओं की किडनी फेल होने के पीछे ये ही कारण बताए हैं, जबकि 2 के लिए अधिक रक्तस्त्राव और एक के लिए बीपी बढ़ ने व मिर्गी को कारण बताया गया है। रिपोर्ट चिकित्सा मंत्री और उच्चाधिकारियों को सौंप दी गई है। कमेटी की ओर से चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के बीकानेर आने पर प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर भी रिपोर्ट के बारे में बताया है।

जोधपुर की जांच कमेटी ने करीब 80 साल पुराने इस भवन की मरम्मत कराने की बात भी कही है। रिपोर्ट में ओटी के आसपास गंदगी व कबाड़ फैले होने, ऑपरेशन थियेटर (ओटी) को संक्रमण मुक्त रखने के लिए जरूरी प्रोटोकॉल की पालना नहीं होने, ओटी में फ्यूमिगेशन नहीं होने की बात भी कही गई है। जिन दो प्रसूताओं में संक्रमण माना गया। उनमें से एक की सामान्य तथा दूसरी की सिजेरियन डिलीवरी हुई। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि इन्हें एंटी बॉयोटिक देने से संक्रमण पूरी तरह नहीं पाया गया। कमेटी के सामने आया कि गायनी विभाग का अस्पताल में मेडिसिन विभाग के पास एक ही आईसीयू है। इसी में एक साथ कई मरीजों को रखने से भी संक्रमण अधिक होने की आशंका जताई गई है।

जोधपुर मेडिकल कॉलेज से गठित एक्सपर्ट कमेटी के बीकानेर पीबीएम अस्पताल पहुंचने से पहले ही ड्रग कंट्रोलर की टीम आईसीयू और ओटी आदि में काम आने वाली दवाओं, आईवी फ्लूड आदि के सैंपल ले चुकी थी। इनकी जांच रिपोर्ट अभी आना बाकी है। यह आने के बाद जोधपुर कमेटी की रिपोर्ट में इसे भी शामिल किया जाएगा।

- इलाज के दौरान अस्पताल में आश्रित को सरकारी नौकरी, मुआवजे की मांग की
- एक साथ कई मरीजों को रखने से भी संक्रमण अधिक होने की आशंका जताई गई है

गाड़ी में मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

झुंझुनूं। जिले के धनूरी थाना क्षेत्र के चुड़ैला गांव में एक 24 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। युवक का शव गांव में खड़ी एक कार की फ्रंट सीट पर मिला।

परिजनों ने इसे हत्या का मामला बताते हुए गांव के ही एक युवक और उसके साथियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक की पहचान चुड़ैला निवासी 25 वर्षीय चंदन पुत्र सतीश मेघवाल के रूप में हुई है। चंदन पिछले दो-तीन वर्षों से चेन्नई में रहकर स्टील विंडो बनाने के ठेके का काम करता था और परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था।

मृतक के पिता सतीश मेघवाल ने बताया कि उनका बेटा पिछले कई वर्षों से चेन्नई में मजदूरी का काम करता था। 15 जून की रात वह अचानक घर पहुंचा था और काफी तनाव में दिखाई दे रहा था। इसके बाद 16 जून की सुबह गांव का ही रोनित पुत्र सुरेंद्र जाट उसे अपने साथ ले गया। पिता के अनुसार जब उन्होंने बेटे से संपर्क करने का प्रयास किया तो उसने फोन नहीं उठाया।

प्रकृति की गोद में योगाभ्यास

जोगी तालाब की मनोरम पाल पर हुआ ब्लॉक स्तरीय योग पूर्वाभ्यास

उदयपुर । हरे-भरे वृक्षों, शीतल समीर और पक्षियों के मधुर कलरव से सजे प्राकृतिक वातावरण में गुरुवार प्रातः जोगी तालाब की पाल, तितरड़ी (गिर्वा-उदयपुर) योगमय हो उठी। प्रकृति की अनुपम छटा के बीच आयुष विभाग एवं उपखंड प्रशासन गिर्वा के संयुक्त तत्वावधान में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में गुरूवार को ब्लॉक स्तरीय योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। तालाब के शांत जल, हरियाली और स्वच्छ वातावरण ने योग साधना को और अधिक प्रभावशाली एवं ऊर्जा से भरपूर बना दिया।

आयुर्वेद विभाग, गिर्वा के ब्लॉक योग नोडल अधिकारी डॉ. दिलीप सामलिया ने बताया कि 'योग भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है, जो शरीर, मन एवं आत्मा के समग्र विकास का माध्यम है। प्राकृतिक वातावरण में किया गया योग व्यक्ति को प्रकृति से जोड़ते हुए आंतरिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।' कार्यक्रम में उपस्थित विकास अधिकारी (बीडीओ) अजीत कुमार मीणा ने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि मानसिक शांति, सकारात्मक सोच एवं संतुलित जीवनशैली को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आ ान किया। योग सत्र का संचालन अनुभवी योग प्रशिक्षकों प्रीतम सिंह चुंडावत, अंकिता वसीटा, नीलू गोस्वामी एवं रोशन रटाड़िया द्वारा किया गया।

हरे-भरे वृक्षों, शीतल समीर और पक्षियों के मधुर कलरव से सजे प्राकृतिक वातावरण में गुरुवार प्रातः जोगी तालाब की पाल, तितरड़ी (गिर्वा-उदयपुर) योगमय हो उठी।

अंतरराष्ट्रीय नशा तस्कर गिरफ्तार : 50 ग्राम स्मैक और 11.40 लाख नकदी बरामद

आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के दर्जनों मामले दर्ज है

■ आरोपी कोटा पुलिस की नजरों से बचने के लिए जयपुर आ गया था। वह खोह नागोरियान क्षेत्र में जेएनयू अस्पताल के पीछे किरायेदार बनकर यहां से वह शहर में स्मैक तस्करी का नेटवर्क संचालित कर रहा था

आरोपी मोहम्मद इरफान अंसारी

जयपुर। खोह नागोरियान थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 50 ग्राम अवैध स्मैक तथा नशीले पदार्थों की बिक्री से अर्जित 11 लाख 40 हजार रुपए की नकदी बरामद की है। फिलहाल आरोपित तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद इरफान अंसारी (45) मूल रूप से कोटा जिले के रामपुरा कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित कर्बला लाडपुरा इलाके का निवासी है। आरोपी लंबे समय से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त था और उसके खिलाफ कोटा में धोखाधड़ी के दर्जनों मामले दर्ज बताए जा रहे हैं।

खोह नागोरियान थानाधिकारी प्रकाशराम के अनुसार आरोपी कोटा पुलिस की नजरों से बचने के लिए जयपुर आ गया था। वह खोह नागोरियान क्षेत्र में जेएनयू अस्पताल के पीछे स्थित आयशा नगर कॉलोनी में मकान संख्या 10 में किरायेदार बनकर रह रहा था। यहां उसने अपनी वास्तविक पहचान छिपा रखी थी और इसी ठिकाने से शहर में स्मैक तस्करी का नेटवर्क संचालित कर रहा था।

जिस पर पुलिस को मुखबिर और तकनीकी शाखा से सूचना मिली थी कि जेएनयू अस्पताल के पीछे एक तस्कर सक्रिय रूप से नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहा है।

सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से आयशा नगर स्थित ठिकाने पर दबिश दी और आरोपी मोहम्मद इरफान अंसारी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 50 ग्राम स्मैक और 11.40 लाख रुपए नकद बरामद किए गए।

पुलिस आरोपी से स्मैक की खरीद-फरोख्त के नेटवर्क, मुख्य सप्लायर तथा अन्य सहयोगियों के संबंध में पूछताछ कर रही है। साथ ही उसके आपराधिक रिकॉर्ड का भी सत्यापन किया जा रहा है।

पुलिस पूछताछ में कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है, जिससे नशा तस्करी के बड़े नेटवर्क तक पहुंचने में मदद मिल सकती है।

इस कार्रवाई में खोह नागोरियान थाना टीम के थानाधिकारी प्रकाशराम, उप निरीक्षक मुकेश कुमार, कांस्टेबल बजरंगलाल, धीरज और सुमनेश शामिल रहे। वहीं जिला स्पेशल टीम के प्रभारी सुखवीर, उपनिरीक्षक बन्नालाल, सहायक उपनिरीक्षक छीतरमल, हेड कांस्टेबल तुलसीराम तथा कांस्टेबल धर्मेन्द्र, देवेन्द्र, राजेश, हेमंत, नीरज और जितेन्द्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा तकनीकी शाखा के कांस्टेबल दयाराम ने आरोपी की लोकेशन ट्रैक करने और कार्रवाई को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया।

एसएमएस अस्पताल में महंगी दवाइयों की चोरी का भंडाफोड़

संविदा फार्मासिस्ट व बाहरी दलाल रंगे हाथों पकड़े गए

■ 10 हजार रुपए की दवाइयां बरामद

जयपुर। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में सरकारी दवाइयों की चोरी और अवैध बिक्री का मामला सामने आया है। जहां अस्पताल के ड्रग डिस्ट्रीब्यूशन काउंटर (डीडीसी) पर तैनात एक संविदा फार्मासिस्ट ने अस्पताल के स्टोर से महंगी दवाइयां, इंजेक्शन, सीरिंज और नॉर्मल सलाइन (एनएस) की बोतलें चोरी कर एक बाहरी युवक को बेच दीं। हालांकि सुरक्षा गार्डों की सतर्कता के चलते पूरे मामले का खुलासा हो गया और दोनों आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

पुलिस और अस्पताल प्रशासन के अनुसार चरक भवन स्थित वेयरहाउस में तैनात संविदा फार्मासिस्ट बबन ने बाहरी युवक मनोज कुमार यादव के साथ मिलकर सरकारी दवाइयों को अस्पताल से बाहर बेचने की योजना बनाई थी। आरोप है कि बबन ने करीब 10 हजार रुपए मूल्य की दवाइयां मात्र 1500 रुपए में मनोज कुमार यादव को बेच दीं। भुगतान फोन-पे के माध्यम से किया गया।

जांच में सामने आया कि बबन ने पहले चरक भवन स्थित स्टोर से कुछ दवाइयां निकालीं और बाद में डीडीसी काउंटर नंबर-14 से अन्य दवाइयां लीं। इसके बाद सभी दवाइयों को एक बड़े डिब्बे में पैक कर मनोज के बैग में रखवा दिया, ताकि उन्हें अस्पताल परिसर से बाहर ले जाया जा सके।

अस्पताल परिसर में तैनात सुरक्षा एजेंसी 'रेस्को' के गार्डों को दवाइयों की चोरी को लेकर गोपनीय सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मी सतर्क हो गए और दोनों संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखने लगे। कुछ देर बाद जब फार्मासिस्ट बबन और मनोज कुमार यादव दवाइयों से भरा बैग लेकर बांगड़ परिसर स्थित मुख्य द्वार की ओर पहुंचे, तब सुरक्षा गार्डों ने उन्हें रोक लिया। तलाशी के दौरान मनोज के बैग से बड़ी मात्रा में एंटीबायोटिक श्रेणी के 'ओज-डॉक्सी' इंजेक्शन, सीरिंज तथा नॉर्मल सलाइन की बोतलें बरामद हुईं।

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों के काटे चालान

■ गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर कई वाहनों को सीज किया

जयपुर। शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस एवं परिवहन विभाग की ओर से गुरुवार को विशेष मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) अभियान चलाया गया। अभियान के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। शहर के प्रमुख चौराहों, व्यस्त मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में नाकाबंदी कर वाहनों की सघन जांच की गई।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने बताया कि इस अभियान के दौरान बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चलाने, सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने, ओवरस्पीडिंग, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने, स्टंटबाजी करने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने, आवश्यक दस्तावेज साथ नहीं रखने, ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा नो-पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर भी सख्ती बरती गई और कई वाहनों को क्रेन की सहायता से हटा कर जुर्माना लगाया गया।

पुलिस और परिवहन विभाग की टीमों ने दिनभर चले अभियान में एमवी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत बड़ी संख्या में चालान जारी किए। गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर कई वाहनों को जब्त (सीज) भी किया गया। अधिकारियों के अनुसार अभियान के दौरान मौके पर तथा ऑनलाइन माध्यम से शमन शुल्क (जुर्माना) भी वसूला गया।पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग दुर्घटना की स्थिति में जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए वाहन चालक इन नियमों का पालन अवश्य करें।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वाहन चलाते समय सभी वैध दस्तावेज साथ रखे।

14 दिन में 1.16 लाख से ज्यादा चालान

जयपुर। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान पुलिस द्वारा चलाया जा रहा विशेष अभियान लगातार प्रभावी साबित हो रहा है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश तथा पुलिस महानिदेशक (यातायात) अनिल पालीवाल और अतिरिक्त महानिदेशक (यातायात) डॉ. बी.एल. मीणा के पर्यवेक्षण में चल रहे अभियान के तहत 4 जून से 17 जून 2026 तक प्रदेशभर में 1 लाख 16 हजार 937 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान सबसे अधिक कार्रवाई वाहनों पर लगी अवैध काली फिल्म के मामलों में हुई, जिनमें 44,381 चालान बनाए गए। इसके अलावा नियम विरुद्ध नंबर प्लेट एवं पंजीयन चिन्ह के 30,148, अनाधिकृत शब्द, चिन्ह एवं लेखन के 16,036, वाहनों में अवैध मॉडिफिकेशन के 11,383, अनधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट एवं हूटर के 8,668 तथा प्रेशर हॉर्न/एयर हॉर्न के 6,321 मामलों में कार्रवाई की गई।

राजस्थान से सौर पैनल उत्पादकों का मोहभंग होना चिंताजनक : जूली

■ कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग के बिना जॉबलेस इंडस्ट्री बनकर रह जाएगा सोलर सेक्टर, नीतियों को रोजगारोन्मुख बनाए सरकार : नेता प्रतिपक्ष

जयपुर । नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य में सौर ऊर्जा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। जूली ने कहा कि देश में सौर ऊर्जा की सर्वाधिक संभावनाओं वाले राजस्थान से सौर पैनल उत्पादकों का मोहभंग होना राज्य के आर्थिक और औद्योगिक विकास के लिए एक बड़ा झटका है।

उन्होंने सरकार को सचेत करते हुए कहा कि यदि समय रहते सौर पैनल उत्पादकों को उचित प्रोत्साहन और अनुकूल माहौल नहीं दिया गया, तो राजस्थान बड़े निवेश और रोजगार के अवसर से हाथ धो बैठेगा।

नेता प्रतिपक्ष ने मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि सौर पैनल निर्माता अब राजस्थान के बजाय अन्य राज्यों को प्राथमिकता दे रहे हैं। उद्योग जगत के दिग्गजों का मानना है कि सोलर मैन्युफैक्चरिंग को लेकर राज्य सरकार की परिभाषा केंद्र सरकार के मानकों से मेल नहीं खाती है, जिससे उद्योग जगत और निवेशकों के बीच असमंजस और भ्रम का माहौल पैदा हो रहा है।

इसी अस्पष्टता से तंग आकर कई बड़ी कंपनियों ने नए प्रोजेक्ट्स के लिए राजस्थान को बायपास कर दिया है।

जो कंपनियां पहले राजस्थान में निवेश करने के लिए उत्सुक थीं, वे अब गुजरात, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना और ओडिशा जैसे राज्यों का रुख कर रही हैं और अपनी यूनिट्स वहां स्थापित कर रही हैं।

जूली ने उद्योग विशेषज्ञों की चिंताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि केवल सोलर प्लांट लगा देना काफी नहीं है। जब तक राज्य में सौर ऊर्जा से जुड़े कलपुर्जों का विनिर्माण पूरे जोर शोर से शुरू नहीं होगा, तब तक यह सेक्टर राजस्थान के युवाओं के लिए एक "जॉबलेस इंडस्ट्री" बनकर रह जाएगा। उन्होंने मांग की कि सरकार को अपनी नीतियों को केवल बिजली उत्पादन तक सीमित न रखकर इसे पूरी तरह रोजगारोन्मुख बनाना होगा, ताकि हमारे स्थानीय युवाओं को नौकरियों के लिए भटकना न पड़े। राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बड़े-बड़े निवेश सम्मेलन आयोजित करना और एमओयू साइन करना एक अच्छी बात हो सकती है, लेकिन सिर्फ कागजी दावों से निवेश धरातल पर नहीं उतरता।

सरकार को इवेंटबाजी से बाहर निकलकर उद्योग जगत की वास्तविक समस्याओं और उनके सुझावों को सुनना होगा।

टीकाराम जूली ने सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि राजस्थान के पास प्रचुर मात्रा में धूप और अनुकूल भूमि के रूप में प्रकृति का वरदान है।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

लालसोट। देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "12 साल बेमिसाल" प्रदर्शनी का शुभारंभ गुरुवार को पंचायत समिति लालसोट परिसर में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला एवं लालसोट विधायक द्वारा किया गया।

यह प्रदर्शनी 18, 19 एवं 20 जून तक आमजन के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी में पिछले 12 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे के विस्तार, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हितैषी योजनाओं तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान सहित विभिन्न उपलब्धियों को चित्रों एवं जानकारी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

57 युवाओं को मिला आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

■ सात दिन तक सीखे आपदा प्रबंधन व बचाव के गुर

■ आपदा में फर्स्ट रेस्पॉन्डर की भूमिका निभाएंगे कैडेट

समारोह में प्रशिक्षित कैडेट्स को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

जयपुर। आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में अब राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), जिला प्रशासन और पुलिस के साथ एनसीसी कैडेट भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। राजस्थान पुलिस की ओर से 'युवा आपदा मित्र योजना' के तहत जेएलएन मार्ग स्थित एनसीसी परिसर में सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 57 एनसीसी कैडेट्स को आपदा बचाव एवं राहत कार्यों में सहयोग से संबंधित विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर गुरुवार को राजस्थान पुलिस मुख्यालय में समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षित कैडेट्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) संजय अग्रवाल ने कहा कि आपदा प्रबंधन में जनसहभागिता बढ़ाने की दिशा में युवा आपदा मित्र योजना एक महत्वपूर्ण पहल है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (आर्म्ड बटालियन एवं एसडीआरएफ) रूपिंदर सिंघ ने बताया कि युवा आपदा मित्र योजना के तहत चरणबद्ध तरीके से युवाओं को आपदा प्रबंधन एवं बचाव कार्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मानसून अलर्ट : नगर निगम ने स्थापित किये बाढ़ नियंत्रण केन्द्र

जयपुर। नगर निगम द्वारा आपदा प्रबंधन संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। 15 जून से मानसून समाप्ति तक बाढ़ नियत्रंण केन्द्र स्थापित किये गये है। आयुक्त श्री ओम कसेरा ने सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड़ पर रहने के निर्देष दिये है।

आयुक्त ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में पांच बाढ़ नियत्रंण केन्द्र बनाये गये है जिनके अन्तर्गत मानसरोवर बाढ़ नियत्रंण केन्द्र के क्षेत्राधिकार में सांगानेर एवं मानसरोवर जोन, मालवीय नगर बाढ़ नियत्रंण केन्द्र के अन्तर्गत मालवीय नगर, झालाना जोन एवं जगतपुरा जोन, विष्वकर्मा बाढ़ नियत्रंण केन्द्र के अन्तर्गत मुरलीपुरा एवं विद्याधर नगर जोन रहेगे।

खिरणी फाटक फ्लाईओवर के नीचे के पास झोटवाड़ा जोन एवं वैषाली नगर जोन के आस-पास के क्षेत्रों के लिये बाढ़ नियत्रंण कक्ष बनाया गया है। बनीपार्क बाढ़ नियत्रंण केन्द्र के क्षेत्राधिकार में सिविल लाईन जोन रहेगा। घाटगेट बाढ़ नियत्रंण केन्द्र के क्षेत्राधिकार में किषनपोल जोन एवं आदर्ष नगर जोन रहेगा। आमेर बाढ़ नियत्रंण केन्द्र के क्षेत्राधिकार में हवामहल-आमेर जोन रहेगा। उन्होंने कहा कि बाढ़ नियत्रंण केन्द्रों के अतिरिक्त प्रत्येक जोन कार्यालयों पर भी नियमित रूप से बाढ़ नियत्रंण केन्द्र कार्य करेंगा जिसके प्रभारी अधिकारी संबंधित जोन उपायुक्त होगे।

आयुक्त ने बताया कि बारिष के समय पानी से भरे हुए स्थानों में पानी की निकासी के लिये मडपंप, पंपसेट, मिट्टी के कट्टे आदि की व्यवस्था सुनिष्चित की जाये। उन्होंने कहा कि बाढ़ नियत्रंण केन्द्र पर प्राप्त होने वाली षिकायतों को रजिस्टर में इन्द्राज किया जाये और शिकायतों का निस्तारण तत्काल किया जाये तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के आस-पास सांकेतिक चिह्न, चेतावनी बोर्ड लगाये जाये।

94 मामलों में जब्त 800 से अधिक कार्टन अवैध शराब नष्ट

■ यह शराब अवैध तस्करी, अवैध परिवहन तथा आबकारी नियमों के उल्लंघन के मामलों में जब्त की गई

पुलिस और आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए वर्षों से जब्त पड़ी भारी मात्रा में अंग्रेजी और देसी शराब को नष्ट किया।

जयपुर। अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हरमाड़ा थाना पुलिस और आबकारी विभाग ने गुरुवार को संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए वर्षों से जब्त पड़ी भारी मात्रा में अंग्रेजी और देसी शराब को नष्ट कर दिया। न्यायालय के आदेश की पालना में दौलतपुरा थाना क्षेत्र के निकट विशेष रूप से गहरा खड्डा खुदवाकर 800 से अधिक कार्टन अवैध शराब का निस्तारण किया गया। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अमले की गतिविधियां क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रहीं।

कार्यवाहक थाना प्रभारी राम अवतार ने बताया कि यह कार्रवाई जिला आबकारी अधिकारी जयपुर शहर महिपाल सिंह के निर्देशन में संपन्न हुई। अभियान में सहायक आबकारी अधिकारी शिवकुमार चौधरी, सहायक आबकारी अधिकारी सीमा कांवत तथा हरमाड़ा थाना कार्यवाहक थाना प्रभारी राम अवतार की निगरानी में पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। कार्रवाई से पूर्व निर्धारित स्थल पर व्यापक तैयारियां की गईं और बड़ा खड्डा खोदा गया, जहां अधिकारियों एवं मजदूरों की मौजूदगी में एक-एक कर शराब के कार्टनों को खाली कर नष्ट किया गया।

कार्यवाहक थाना प्रभारी ने बताया कि आबकारी अधिनियम एवं अवैध शराब तस्करी से जुड़े कुल 94 प्रकरणों में जब्त शराब कई वर्षों से न्यायालय में विचाराधीन मामलों के चलते मालखानों में सुरक्षित रखी गई थी। हाल ही में न्यायालय से निस्तारण के आदेश प्राप्त होने के बाद सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए शराब को नष्ट करने की कार्रवाई की गई।

अधिकारियों के अनुसार नष्ट की गई शराब में बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब, देसी शराब तथा विभिन्न ब्रांडों की शराब शामिल थी। यह शराब अवैध तस्करी, अवैध परिवहन तथा आबकारी नियमों के उल्लंघन के मामलों में जब्त की गई थी। निस्तारण की पूरी प्रक्रिया आबकारी विभाग और पुलिस अधिकारियों की कड़ी निगरानी में संपन्न कराई गई, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना न रहे।

भारी मात्रा में शराब के निस्तारण को देखते हुए मौके पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए। पुलिस और आबकारी विभाग की टीम पूरे अभियान के दौरान सतर्क रही। खड्डे में शराब उड़ेलने और कार्टनों को नष्ट करने की प्रक्रिया विधिवत पूरी की गई। अधिकारियों ने पूरे अभियान की वीडियोग्राफी और दस्तावेजीकरण भी कराया।

अधिकारियों ने कहा कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जर्जर हवेली का छज्जा गिरने से महिला की मौत

जयपुर। परकोटा क्षेत्र में जर्जर भवनों की अनदेखी एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। सुभाष चौक थाना क्षेत्र स्थित चौकड़ी गंगापोल के लवाण का घेर में गुरुवार दोपहर जर्जर हवेली का हिस्सा गिरने से एक महिला की मौत हो गई। चौंकाने वाली बात यह है कि इसी हवेली में आठ दिन पहले छत का प्लास्टर गिरने से पांच माह के एक मासूम की भी जान चली गई थी। लगातार दूसरे हादसे के बाद प्रशासन और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे जर्जर हवेली के एक हिस्से में तोड़फोड़ का कार्य चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मकान मालिक समीर अपने किराएदार के साथ गुमटी का छज्जा तोड़ रहा था। इसी दौरान मकान के पास स्थित करीब तीन फुट चौड़ी गली से पड़ोस में रहने वाली शाकीरा (60) गुजर रही थीं। तभी छज्जे का मलबा अचानक उनके ऊपर आ गिरा।

सार-समाचार

जगतपुरा में सड़क चौड़ीकरण का विरोध तेज

जयपुर। जगतपुरा क्षेत्र में प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण योजना को लेकर स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने प्राचीन धार्मिक स्थलों के संरक्षण की मांग उठाई है। इस संबंध में जगतपुरा बालाजी मंदिर परिसर में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रबंध समिति, टीबा वाले हनुमान मंदिर, जगतपुरा मैन मार्केट व्यापार मंडल तथा विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) से मांग की कि सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे लगभग 250 वर्ष पुराने श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एवं प्राचीन ठाकुरजी मंदिर को यथावत रखा जाए तथा इनके संरक्षण के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। जैन मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कमल कुमार बैद और महामंत्री प्रमोद कुमार जैन ने बताया कि जगतपुरा एक पुराना आबादी क्षेत्र है, जहां निवासियों के पास वर्ष 1950 और 1960 के दशक के पंचायती राज पट्टे एवं कब्जे हैं। क्षेत्र की मुख्य आबादी पिछले सात पीढ़ियों से यहां निवास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण से न केवल दोनों प्राचीन धार्मिक स्थल प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि अनेक दुकानें और आवासीय भवन भी इसकी जद में आ रहे हैं।

श्रीमद् भागवत कथा भक्ति ज्ञान यज्ञ का आयोजन

जयपुर । श्री गणेश मंदिर खिरनी फाटक तारानगर झोटवाड़ा में श्रीमद् भागवत कथा भक्ति ज्ञान यज्ञ का आयोजन हो रहा है कथा व्यास पर महाराज श्री आशीष जी व्यास शास्त्री अपनी मधुर वाणी में कथा वाचन कर रहे हैं श्री राम जन्म एवं श्री कृष्ण जन्म व नंद उत्सव का आयोजन हुआ लोगोंने कथा का बहुत मन से श्रवण किया बधाइयां बंटी गई कथा स्थल पर खचाखच भरा हुआ था इस कथा के आयोजक श्री कृष्ण नाटाणी एवं उर्मिला नाटाणी एवं उनका परिवार था।

राजस्थान आईडीए कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

जयपुर। इंडियन डेंटल एसोसिएशन राजस्थान राज्य शाखा की कार्यकारिणी बैठक जयपुर के एक निजी होटल में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश में मुख स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने एवं दंत चिकित्सकों को आधुनिक तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षित करने के लिए विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा कर उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई।बैठक में राजस्थान आईडीए अध्यक्ष डॉ. भगवान दास राय, सचिव डॉ. जे. एस. वालिया, पूर्व अध्यक्ष डॉ. हरीश भारद्वाज, डॉ. प्रदीप जैन, कोषाध्यक्ष डॉ. निशांत गुप्ता तथा कार्यकारिणी सदस्य डॉ. लोकेश, डॉ. अभिलाषा, डॉ. सुनील राघव, डॉ. प्रशांत भारद्वाज, डॉ. असीत, डॉ. नितेश सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।बैठक में 5 जुलाई को कोटा में कंटीन्यूइंग डेंटल एजुकेशन कार्यक्रम आयोजित करने तथा प्रदेश के सभी जिलों में ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही सितंबर माह में उदयपुर में राज्य स्तरीय डेंटल कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।मीटिंग में निर्णय लिया गया कि राजस्थान आईडीए के पदाधिकारी डॉ प्रदीप जैन ,डॉ हरीश भारद्वाज व डॉ जे एस वालिया 21 जून को मुंबई में आयोजित आईडीए की सेंट्रल काउंसिल की बैठक में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे तथा प्रदेश की जनता एवं दंत चिकित्सकों के हितों से जुड़े विषयों को प्रभावी रूप से रखेंगे।

भजन-कीर्तन में मोबाइल चुराने वाला शातिर नशेड़ी गिरफ्तार

जयपुर। विधायकपुरी थाना पुलिस ने एक शातिर नशेड़ी चोर को गिरफ्तार कर किया है। है। आरोपी भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होकर लोगों की गतिविधियों पर नजर रखता था और मौका मिलते ही मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए वीवो और इनफिनिक्स कंपनी के दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि विधायकपुरी थाना पुलिस ने एक शातिर नशेड़ी चोर राहुल माहूर (33) निवासी हथरोई बावड़ी अजमेर रोड विधायकपुरी जयपुर को गिरफ्तार है। उसके कब्जे से चोरी के दोनों मोबाइल फोन बरामद कर लिए गए। जो एक शातिर चोर है और नशे का आदी भी है। आरोपी धार्मिक आयोजनों, भजन-कीर्तन और भीड़भाड़ वाले कार्यक्रमों में शामिल होकर लोगों की गतिविधियों पर नजर रखता था। मौका मिलने पर वह मोबाइल और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाता था। प्रारंभिक जांच में उसके द्वारा पूर्व में भी मोबाइल चोरी की वारदातों में शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस उससे सख्ती से पूछताछ कर रही है और उम्मीद है कि शहर में हुई अन्य मोबाइल चोरी की घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है। साथ ही उसके आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य संभावित वारदातों की भी जांच की जा रही है।

दो कैफे पर छापेमारी, मैनेजर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पूर्व जिला पुलिस ने अवैध रूप से संचालित हुक्का बारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जवाहर सर्किल और बजाज नगर थाना क्षेत्रों में दो अलग-अलग कैफे पर छापेमारी कर दो मैनेजरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से हुक्के, चिलम, तंबाकूयुक्त फ्लेवर और अन्य उपकरण जब्त किए हैं। वहीं हुक्का पी रहे युवक-युवतियों के खिलाफ कोटपा अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई भी की गई।पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) रंजिता शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल तथा सहायक पुलिस आयुक्त (मालवीय नगर) विनोद शर्मा के सुपरविजन में गठित टीमों ने यह कार्रवाई की।जहां जवाहर सर्किल थाना प्रभारी महेश चंद के नेतृत्व में गठित टीम को 17 जून को सूचना मिली कि जेएलएन मार्ग स्थित यूडीबी बिल्डिंग में संचालित 3डी रेस्टोरेंट एंड बार में ग्राहकों को अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा है। सूचना पर उपनिरीक्षक श्याम प्रकाश मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और दबिश दी।पुलिस ने पाया कि कैफे में ग्राहकों को तंबाकूयुक्त फ्लेवर वाला हुक्का परोसा जा रहा था। लाइसेंस संबंधी दस्तावेज मांगने पर प्रबंधक कोई वैध अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 7 हुक्के, 7 पाइप, 7 चिलम (जलते कोयले सहित) तथा 'एक्सट्रीम गोल्ड लाइन आइस मैंगो' फ्लेवर के तीन डिब्बे जब्त किए। पुलिस ने कैफे के मैनेजर जितेंद्र सिंह (39) निवासी जयसिंहपुरा, भांकरोटा को गिरफ्तार कर लिया।इसके अलावा हुक्का पी रहे छह युवकों के खिलाफ कोटपा अधिनियम की धारा 4 एवं 6 के तहत 200-200 रुपए का चालान काटा गया।

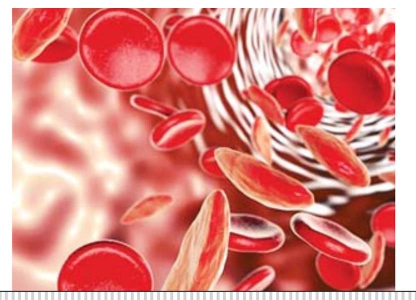

World Sickle Cell Day: Raising Awareness About a Silent Genetic Disorder

Observed on June 19, World Sickle Cell Day aims to increase awareness about sickle cell disease, a serious inherited blood disorder affecting millions worldwide. The condition causes red blood cells to become crescent-shaped, leading to severe pain, infections and organ complications. The day highlights the importance of early diagnosis, genetic counselling and access to quality healthcare and treatment. Governments, health organisations and communities organise campaigns to promote screening and support affected families. By spreading awareness and encouraging research, World Sickle Cell Day seeks to improve care, reduce stigma and give patients hope for healthier, longer lives.

#PAPYRUS TO PARCHMENT

The Cost of Knowledge

The library of the University of Paris, one of the intellectual hubs of medieval Europe, held only around 600 at certain points in its early history

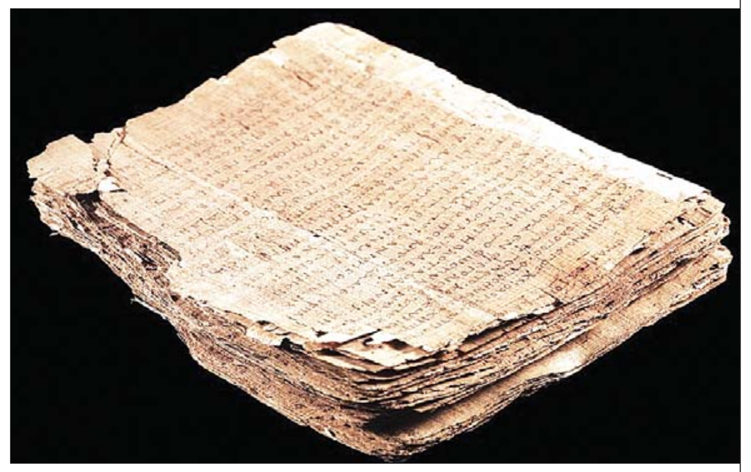

Imagine this: if papyrus had not existed, much of what we casually write today would have been inscribed on the skin of a dead animal. That contrast is not just poetic, it captures a real economic and material divide in the history of writing.

In the ancient world, especially in Ancient Egypt, writing flourished on papyrus, a relatively affordable and efficient material made from the papyrus plant. It was light, flexible, and far cheaper than alternatives. But outside regions where papyrus was easily available, societies turned to parchment, processed animal skin, often from sheep, goats, or calves.

To grasp the difference, think in everyday terms: the gap between papyrus and parchment was like the difference between buying a head of lettuce and a leather jacket. Papyrus was comparatively inexpensive and accessible; parchment was labour-intensive, durable, and costly. Producing a single sheet required skinning, cleaning, stretching, and treating animal hides. A full medieval manuscript could require dozens, even hundreds, of animals.

In medieval Europe, this had enormous consequences. Each page of a book, literally made from animal skin, carried significant value. It is often said that a single manuscript could cost as much as a house. Books were not just vessels of knowledge; they were luxury objects, symbols of wealth and power. Every line was written by hand, often by monks or scribes, adding further labour costs to already expensive materials. As a result, books were rare and precious. Even the greatest centers of learning had surprisingly small collections by modern standards. The library of the University of Paris, one of the intellectual hubs of medieval Europe, held only a few hundred volumes, around 600 at certain points in its early history. These were among the richest collections in Europe at the time.

By contrast, parts of the Middle East, benefiting from paper-making technologies transmitted from China, developed larger libraries. Collections of 1,000 to 5,000 books were not unheard of, reflecting both cheaper materials and a strong scholarly culture. The spread of paper dramatically reduced the cost of writing compared to parchment.

Meanwhile, in China, innovations in papermaking, often using materials like mulberry bark, hemp, and later rice-based fibers, created a far more economical writing surface. Paper allowed texts to be produced, copied, and circulated on a scale that parchment-based cultures struggled to match. This material advantage played a crucial role in the expansion of literacy, bureaucracy, and knowledge systems.

The history of writing materials reminds us that knowledge has always been shaped by economics. What we write on determines who gets to write, what gets preserved, and how widely ideas can spread. From papyrus scrolls to animal-skin manuscripts to paper, each shift was not just technological, it was social and political.

Greenland's Quiet Stand

After Denmark's fall, Greenland's colonial administration faced an unprecedented crisis. The island depended heavily on Denmark for political direction, trade, and administration. But now, there was no communication with Copenhagen, and the normal chain of command had effectively collapsed.

Eske Brun in the United States on USCGC Campbell in 1940.

Bank note with signature of Eske Brun.

● Verna Mohon

On April 9, 1940, during the early days of World War II, Nazi Germany launched a rapid invasion of Denmark as part of its broader expansion across Europe. The Danish capital, Copenhagen, surrendered quickly, bringing the country under German control.

But far across the Atlantic, Denmark's vast Arctic territory, Greenland, suddenly found itself completely cut off from its colonial government.

With communications severed and no instructions arriving from occupied Denmark, the responsibility for governing the isolated island fell largely on one man: Eske Brun, the Danish governor stationed in Greenland.

A Colony Without Orders

After Denmark's fall, Greenland's colonial administration faced an unprecedented crisis. The island depended heavily on Denmark for political direction, trade, and administration. But now, there was no communication with Copenhagen, and the normal chain of command had effectively collapsed.

Governor Eske Brun faced three difficult options:

1. Follow previous instructions strictly, even though the situation had dramatically changed.
2. Wait indefinitely for new orders from Denmark, which might never arrive.
3. Act independently, governing Greenland without formal authorization from the Danish government.

Choosing the third option required boldness and risk. Acting without official approval could have been seen as overstepping authority. Yet, waiting could leave the island vulnerable in the middle of a global war.

Brun ultimately made the decisive choice: Greenland would govern itself temporarily until Denmark was free again.

Building New Alliances

With the war spreading across Europe and the Atlantic, Greenland's strategic importance quickly became clear. The island sat in a crucial location between North America and Europe, a perfect site for weather stations, supply routes, and military operations.

Recognizing this, Brun opened negotiations with the United States.

Greenland's strategic value escalated due to its cryolite deposits at Ivittuut, the world's sole commercial source, essential for aluminum production in Allied war industries, and its geographic position enabling meteorological stations for North Atlantic weather forecasting and air routes bypassing Nazi-controlled areas. U.S. President Franklin D. Roosevelt proclaimed Greenland within America's defensive sphere in 1940, leading to the April 9, 1941, Defense of Greenland Agreement signed by Danish envoy Henrik Kauffmann, which authorized U.S. military protection, patrols, and base construction without initial approval from the occupied Danish government.

This facilitated installations like

#ESKE BRUN

The cryolite mine in Ivittuut, summer 1940.

Bluie West One (Narsarsuaq airfield), operational from summer 1941 and peaking at 6,000 U.S. personnel, alongside coastal defenses at Grønnedal, to safeguard the cryolite mine, whose exports funded Greenland's wartime economy.

Administrative reforms during this period were constrained by Greenland's isolation and dependence on Copenhagen but included initiatives to enhance economic resilience through diversification. Brun supported expansions in fox trapping, a key export via the Royal Greenland Trading Department (KGH), by encouraging licensed hunting quotas and cooperative models among Inuit trappers to offset declining pelt prices amid the global depression.

He also oversaw preliminary efforts to modernize fishing operations, introducing Danish techniques for cod and halibut processing to supplement subsistence economies, though implementation

was limited by lack of infrastructure. These measures aimed to reduce reliance on subsidized imports while maintaining the KGH monopoly, which faced operational strains but remained profitable on core trades like cryolite from Ivittuut (exporting 56,455 tons in 1939). Despite Greenland technically being a Danish colony, Brun allowed the United States to establish American bases and infrastructure on the island.

These installations supported Allied military operations during the war by providing weather data, navigation support, and a defensive presence in the North Atlantic.

This decision proved crucial for the Allied war effort. Greenland's location helped secure shipping routes and monitor the harsh Arctic region during the conflict.

Governing an Island Independently

Brun's leadership did more than just address military concerns. With Denmark occupied, Greenland also had to function politically and economically on its own.

To manage this, Brun helped establish the Greenland Council, which allowed local leaders and officials to participate more actively in governance. Under this structure, different sectors of Greenland's administration began to develop more independently.

During the war years:

- Economic activity expanded.
- Trade systems were developed directly with North America.
- Administrative institutions strengthened.
- Infrastructure and communications improved.

For the first time, Greenland was functioning with a level of practical autonomy that it had never experienced under Danish colonial rule.

Challenges were multifaceted, dominated by the Great Depression's ripple effects, which caused KGH deficits through 1938 due to crashed fur markets and reduced European demand, necessitating rationing of essentials like flour, tea, and fuel across districts. Enforcement of reforms encountered resistance from traditional Inuit practices, where communal sharing clashed with Danish licensing and taxation systems, leading to uneven compliance and administrative burdens on small colonial outposts. Public health crises, including rampant tuberculosis (affecting up to 20% of the population in some areas), compounded issues, as Brun coordinated scant medical resources amid slow supply ships and harsh Arctic conditions that isolated communities for months. Geopolitical tensions, such as Norway's 1931 occupation of East Greenland, resolved by the Permanent Court of International Justice in 1933 favoring Denmark, demanded vigilant border patrols and sovereignty assertions, diverting limited personnel from domestic priorities.

A Legacy of Self-Government

When World War II ended and Denmark regained its independence, Greenland returned to Danish administration. However, the wartime experience had changed the island permanently.

The years of self-management demonstrated that Greenland could govern many of its own affairs. Over time, this helped fuel political reforms and demands for greater autonomy.

A major milestone came in 1979, when Greenland achieved home rule, granting the island significant control over its internal government and policies. In the decades since, autonomy has continued to expand, giving Greenland increasing authority over its political and economic future.

The Legacy of Eske Brun

Eske Brun's decision in 1940 was made under extreme uncertainty. With no orders, no communication, and a global war unfolding, he chose to act in Greenland's best interests rather than wait for direction that might never come. His leadership not only helped protect Greenland during World War II but also laid the foundation for the island's long journey towards greater self-governance. Brun later continued his work in Greenland's administration and remained closely connected to the island's political development until his death.

Today, Greenland's growing autonomy stands as a reminder of how one leader's decisive actions during a crisis helped shape the future of an entire nation.

rajeshsharma1049@gmail.com

#PHILOSOPHIC MOTIVATION

Civilization in Giambattista Vico's Thought

Vico described a pattern called the "corsi e ricorsi," meaning courses and recourses, cycles that repeat through time

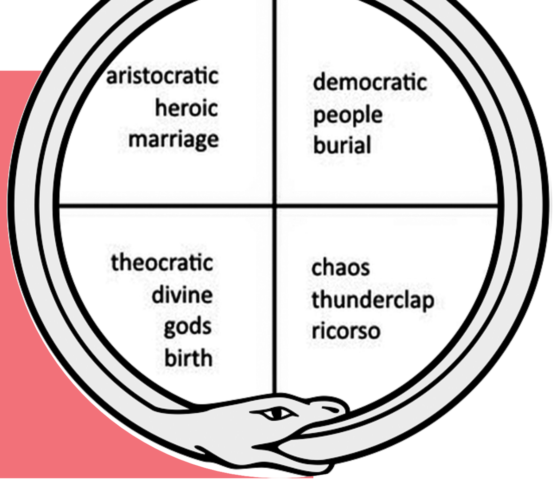

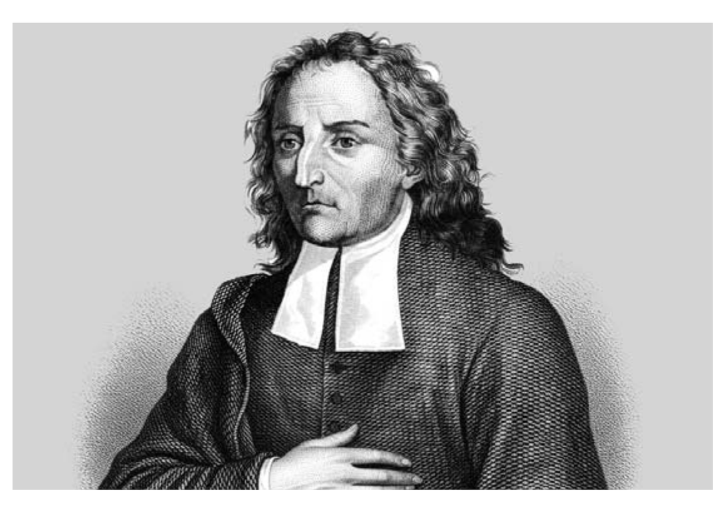

In a small study in early 18th-century Italy, a struggling scholar quietly developed one of the most unusual theories about the rise and fall of civilizations. That thinker was Giambattista Vico, a philosopher whose ideas about history were far ahead of his time. Long before modern historians began exploring patterns in the development of cultures, Vico proposed a bold theory: civilizations move through repeating cycles. His work suggested that societies are not simply progressing forward in a straight line. Instead, they rise, evolve, collapse, and eventually begin again.

A Scholar in Difficult Circumstances

Vico lived in Naples during the late 1600s and early 1700s. Despite his intellectual brilliance, he struggled financially for much of his life. Working mostly as a teacher and scholar, he spent years studying language, law, philosophy, and history. His most famous work, *The New Science*, attempted something few scholars had dared: to discover the underlying principles that guide the development of human societies. Instead of focusing only on political events, Vico tried to understand how culture, myth, language, and institutions evolve together.

The Cycle Theory of History

At the center of Vico's philosophy is the idea that civilizations move through recurring stages. He described a pattern called the "corsi e ricorsi," meaning courses and recourses, cycles that repeat through time. According to Vico, societies typically pass through three major ages.

1. The Age of Gods

In the earliest stage, societies are deeply religious and governed by fear of divine forces. Laws and customs are shaped by sacred authority, and mythological explanations dominate human understanding of the world.

2. The Age of Heroes

As societies grow more organized, power shifts to aristocratic elites or heroic figures. Social hierarchies become strong, and political authority is often held by noble families or warrior leaders.

3. The Age of Humans

Eventually, societies become more rational and egalitarian. Laws are based more on reason than myth, and institutions such as republics or democratic governments begin to appear. However, Vico believed that this final stage contains the seeds of decline. As societies become increasingly individualistic and rational, they may lose the cultural unity that once held them together. This can lead to disorder, fragmentation, and eventually collapse, after which the cycle begins again.

A Radical View of History

When Vico presented these ideas, they were revolutionary. Many thinkers of his time believed history followed a linear path of progress. Vico argued instead that history behaves more like a spiral, moving forward while repeating familiar patterns. His work also emphasized something that modern historians now recognize as essential: the importance of culture and language in shaping civilizations. Myths, symbols, and collective imagination, he believed, reveal how societies think and organize themselves.

Influence on Later Thinkers

Although Vico was largely overlooked during his lifetime, later scholars rediscovered his work and recognized its significance. His ideas influenced fields such as:

- Cultural History
- Anthropology
- Sociology
- Philosophy of History

Many later thinkers, who studied the rise and fall of civilizations, echoed themes similar to Vico's. His cyclical view of history foreshadowed later debates about cultural decline, societal renewal, and the long-term patterns of human development.

Why Vico's Ideas Still Matter

In times of social upheaval or political instability, Vico's theory often regains attention. His suggestion that civilizations naturally move through phases of growth, order, fragmentation, and renewal offers one possible framework for understanding historical change. While historians today do not universally accept his model as a strict rule, many acknowledge that Vico captured something important: societies evolve through complex cultural processes, and patterns from the past often reappear in new forms.

THE WALL

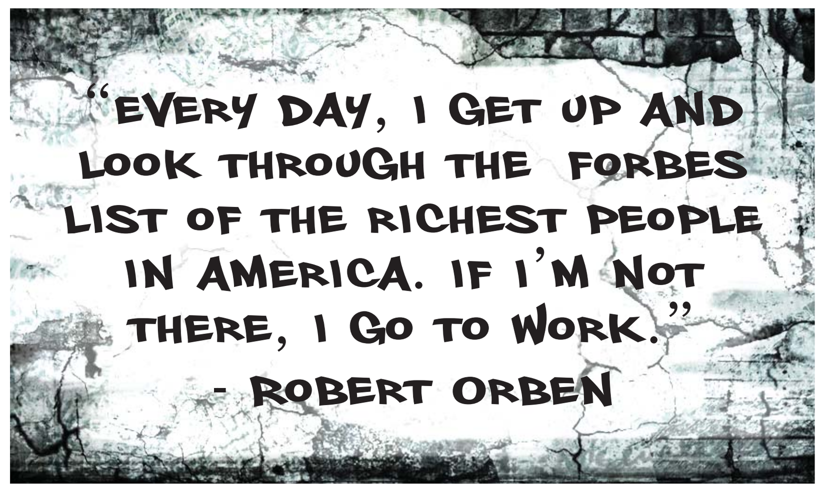

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

पांचना के पानी पर महापंचायत: समाधान का भरोसा देकर लौटे मंत्री

बोले - किसानों के बीच नहीं होने देंगे टकराव

हिण्डौन सिटी। पांचना बांध के पानी को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद और मांगों के बीच गुरुवार को महवा रोड पर देवलेन मोड के समीप आयोजित किसानों की विशाल महापंचायत में प्रदेश सरकार के प्रतिनिधियों ने संवाद और समाधान का भरोसा दिलाया। महापंचायत में पहुंचे जिला प्रभारी एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने स्पष्ट कहा कि

किसानों की महापंचायत के बीच पहुंचे मंत्री जवाहर सिंह बेढम।

महापंचायत में पहुंचे जिला प्रभारी एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि पांचना बांध के पानी पर सभी किसानों का अधिकार है

पांचना बांध के पानी पर किसी एक पक्ष का नहीं बल्कि सभी किसानों का अधिकार है और सरकार तीनों पक्षों कैचमेंट एरिया, गंभीर नदी क्षेत्र तथा कमांड एरिया के किसानों की बात सुनकर सर्वसम्मति से समाधान निकालेगी। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि कुछ लोग जातीय आधार पर किसानों को बांटकर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन सरकार ऐसा नहीं होने देगी।

देवलेन मोड पर गंभीर नदी बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित महापंचायत में हजारों किसान जुटे। पंचायत का मुख्य मुद्दा गंभीर नदी क्षेत्र के 360 गांवों को कमांड एरिया घोषित करने तथा बहुप्रतीक्षित जगर-पांचना लिफ्ट परियोजना को शीघ्र शुरू करने की मांग रहा। किसानों ने पांचना बांध से गंभीर नदी में नियमित रूप से पानी छोड़े जाने की भी मांग उठाई।

महापंचायत में पहुंचे गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पांचना बांध के कैचमेंट क्षेत्र के किसान भी पानी चाहते हैं, गंभीर नदी के बहाव क्षेत्र के किसानों की भी अपनी जरूरतें हैं और कमांड एरिया के किसानों की अपेक्षाएं भी जायज हैं। ऐसे में सरकार किसी एक पक्ष को नजरअंदाज नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि हर किसान की बात सुनी जाए और सभी पक्षों को साथ लेकर ऐसा रास्ता निकाला जाए जिससे भाईचारा बना रहे और किसी क्षेत्र के साथ अन्याय न हो।

बेढम ने कहा कि यह किसी जाति विशेष का आंदोलन नहीं बल्कि किसानों की मांगों से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने बिना नाम लिए विपक्षी दलों और कुछ तत्वों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग समाज और जातियों के बीच तनाव पैदा कर अपना राजनीतिक स्वार्थ साधना चाहते हैं, लेकिन किसानों के हितों से जुड़े इस विषय को राजनीतिक रंग नहीं लेने दिया जाएगा।

महापंचायत के दौरान मंत्री बेढम, करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर तथा आयोजन समिति एवं किसान प्रतिनिधियों के देर शाम वार्ता हुई। प्रतिनिधिमंडल ने नदी क्षेत्र के गांवों को सिंचाई सुविधाओं से जोड़ने, गंभीर नदी में पर्याप्त जल प्रवाह सुनिश्चित करने तथा जगर-पांचना लिफ्ट परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर शुरू करने की मांग रखी।

श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का कलश यात्रा से शुभारंभ

गंगापुर सिटी। सवाई माधोपुर रोड स्थित उड़ामल बालाजी महाराज परिसर में गुरुवार को सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा भक्ति ज्ञान यज्ञ महोत्सव का भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। यह आयोजन सीताराम एवं राधा-कृष्ण भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में किया जा रहा है।

बैंडबाजों के साथ निकाली गई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा के दौरान युवक-युवतियां भजनों की धुन पर नाचते-गाते हुए चल रहे थे, जबकि महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गा रही थीं।

कलश यात्रा में सबसे आगे कथा का ध्वज था, जिसके पीछे यजमान श्रद्धापूर्वक श्रीमद्भागवत की पोथी सिर पर धारण कर चल रहे थे। धार्मिक जयघोषों और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। कथा स्थल पर सर्वप्रथम विनायक स्थापना की गई और श्रीगणेश वंदना के बाद कथा का आरंभ हुआ। पहले दिन श्रद्धालुओं को भागवत कथा के महात्म्य के बारे में विस्तार से बताया गया। आचार्य ने कहा कि जीवन में अच्छे और पुण्य कार्य करने पर ही यह कथा सुनने का लाभ मिलता है, इसलिए हर व्यक्ति को सदमार्ग पर चलते हुए अच्छे और पुण्य कार्य करने चाहिए।

यह आयोजन बाल ब्रह्मचारी महंत 108 रामदास वैरागी महाराज के सान्निध्य में हो रहा है। कथा का वाचन पं. प्रेम प्रकाशाचार्य द्वारा किया जा रहा है। कथा प्रतिदिन प्रातः 11रू15 बजे से शाम 5रू15 बजे तक होगी, जिसमें श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा।

सीए परीक्षा में चिड़ावा के चार होनहार हुए सफल

रिया गोयल, वंशिका फतेहपुरिया, अर्पित केडिया और प्रियांशु केडिया बनी सीए

चिड़ावा। देशभर में चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की परीक्षा आयोजित करने वाली इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा गुरुवार को घोषित परिणाम में चिड़ावा के अग्रवाल समाज के चार होनहारों ने सफलता हासिल कर परिवार, समाज और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

परिणाम घोषित होते ही परिजनों और समाजजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। सीए परीक्षा उत्तीर्ण करने वालों में इलेक्ट्रॉनिक्स व्यवसायी अशोक गोयल की बेटी रिया गोयल, साउंड सिस्टम संचालक सुशील फतेहपुरिया की बेटी वंशिका फतेहपुरिया, वापी प्रवासी विमल केडिया के बेटे अर्पित केडिया, सूरत प्रवासी मिठाई व्यवसायी सुनिल केडिया खरातिका के बेटे प्रियांशु केडिया शामिल है।

युवाओं ने कठिन परिश्रम और लगन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। जो आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

इन प्रतिभाओं की सफलता पर अग्रवाल समाज में हर्ष का माहौल है। पूर्वी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के निवर्तमान कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंडीप्रसाद हिम्मतरामका, अग्रवाल जन कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष दामोदरप्रसाद हिम्मतरामका, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश मालानी, युवा वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री अनुज भगेरिया, वरिष्ठ व्यवसायी रमेश गाडिया, अग्रवाल जन कल्याण समिति के संस्थापक महामंत्री (पूर्व) प्रिंसिपल प्रदीप मोदी, श्रीकांत हलवाई, महेश सर्राफ, अग्रवाल जन कल्याण समिति के पूर्व महामंत्री कृष्ण कुमार बाछूका, राकेश बाछूका, अनिल रामभरोसा, युवा वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विष्णु चौधरी, लक्ष्मीकांत अड़ुकिया, राकेश वेद, पूर्व सहवृत सदस्य कपिल भगेरिया, कन्हैया लाठ, प्रकाश मोदी, राजेश वेद, मुरारी किठानिया, महेश मोदी, गणेश अग्रवाल, किशन गोयल, युवा अग्रवाल सम्मेलन के पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्र मोदी, दिनेश झुंझुनूंवाला, रजनीकांत ककरानिया पिंटू, अमित सुशील गोयल, विजेंद्र गोयल दिलखुश, सौरभ-राहुल सुलतानिया, पूर्व सहवृत सदस्य एवं बाल कल्याण समिति की पूर्व सदस्य मनीषा केडिया, सीए महेश मोदी, प्रशांत पिचानवेवाला, आशीष अग्रवाल गाडाखेड़ा, पुनित मोदी, वैभव बगड़िया, नितिन केडिया आदि ने बधाई दी है। समाजजनों ने कहा कि इन युवाओं ने कठिन परिश्रम और लगन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। जो आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। समाज के लोगों ने सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने पेशेवर जीवन में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

15 करोड़ के माहेश्वरी हॉस्टल का शुभारंभ आज

- **प्रख्यात धर्म गुरु स्वामी गोविन्द देव गिरी की मौजूद रहेंगे**
- **शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि होंगे भारतीय विधि आयोग के अध्यक्ष जस्टिस दिनेश माहेश्वरी**

भीलवाड़ा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास अयोध्या के कोषाध्यक्ष एवं श्री कृष्ण जन्मभूमि न्यास मथुरा के उपाध्यक्ष विख्यात धर्म गुरू स्वामी गोविन्द देव गिरी धर्मनगरी भीलवाड़ा के दो दिवसीय दौरे के तहत शुक्रवार 19 जून सुबह ए.वी.माहेश्वरी एजुकेशनल ट्रस्ट भीलवाड़ा द्वारा प्रतिभावान छात्रों के लिए 15 करोड़ की लागत से निर्मित श्री प्रभुलाल जगदीशप्रसाद सोमानी माहेश्वरी हॉस्टल का शुभारंभ करेंगे। इस आयोजन से जुड़ी तैयारियां पूरी की जा चुकी है। ट्रस्ट के नवनीत सोमानी ने बताया कि स्वामी गोविन्द देव गिरी सुबह 9 बजे भीलवाड़ा में द ग्रीन्स कॉलोनी के पास 200 फीट रिंग रोड पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के तत्वावधान में ए.वी.माहेश्वरी एजुकेशनल ट्रस्ट भीलवाड़ा द्वारा नवनिर्मित श्री प्रभुलाल जगदीश प्रसाद सोमानी माहेश्वरी छात्रावास का भव्य उद्घाटन करेंगे। मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं भारतीय विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी होंगे। विशिष्ट अतिथि प्रमुख उद्योगपति व समाजसेवी रामपाल सोनी एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभापति संदीप काबरा होंगे। उद्घाटन के बाद शुभारंभ समारोह सुबह 9.15 तेरापंथ नगर सभागार स्वामी गोविन्ददेव गिरी महाराज के सानिध्य में होगा। उन्होंने बताया कि 104 छात्रों की आवास की क्षमता वाले करीब 15 करोड़ की लागत से नवनिर्मित छह मंजिला छात्रावास में सर्वसुविधायुक्त ए.सी. कक्ष, भोजन कक्ष, कैफेटेरिया, कम्प्यूटर लैब, 100 छात्रों की क्षमता वाला हॉल, सीसीटीवी कैमरा, दो लिफ्ट आदि की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। इसे सामाजिक स्तर पर लागत मूल्य पर संचालित किया जाएगा। मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि छात्रावास संचालन का मुख्य उद्देश्य भीलवाड़ा में उच्च अध्ययन एवं प्रोफेशनल कोर्सेज की कोचिंग व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आने वाले माहेश्वरी समाज के छात्रों को कम लागत मूल्य पर बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ सर्वसुविधायुक्त आवास सुविधा उपलब्ध कराना है। छात्रावास केवल आवास सुविधा नहीं होकर छात्रों को शिक्षा, संस्कार एवं व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करेगा।

'सदुरु की शरण पाने पर जीवन का कल्याण सम्भव'

भीलवाड़ा। संत निरंकारी मिशन के तत्वाधान में भीलवाड़ा क्षेत्र का विशाल सन्त समागम बुधवार रात्रि को मालोला रोड चारभुजा मन्दिर के पास कम्युनिटी होल गायत्री नगर में उदयपुर मुखी श्री जीत सिंह की उपस्थिति में आयोजित किया गया सद्गुरु माता सुदीक्षा महाराज की प्रेरणा से हुए इस आयोजन में जिलेभर के विभिन्न गांवों से आए श्रद्धालुओं ने मानवता, प्रेम, एकता और संस्कारों का संदेश गीत, भजन, काव्यपाठ, विचारों का सहारा लेते हुए दिया।

सन्त समागम को सम्बोधित करते हुए मुखी जीत सिंह ने समूचे विश्व के लिए, मानवीय गुणों से युक्त जीवन जीने की प्रेरणा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रदान की। सिंह ने बताया कि जीवन के नैया को पार लगाने के लिए सच्चे सद्गुरु की आवश्यकता होती है जो हमे निरंकार प्रभु परमात्मा के दीदार करवाकर जीवन को भाग्यशाली बना देते है।

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ऐतिहासिक समझौता

सहयोग का मुख्य उद्देश्य शिक्षक विकास कार्यक्रमों का आयोजन, संयुक्त शोध गतिविधियों को प्रोत्साहन, शैक्षिणक एवं तकनीकी ज्ञान का आदान-प्रदान करना है

भीलवाड़ा। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, नवाचार एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में संगम विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के साथ एक प्रतिष्ठित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य शिक्षक विकास कार्यक्रमों का आयोजन, संयुक्त शोध गतिविधियों को प्रोत्साहन, शैक्षणिक एवं तकनीकी ज्ञान का आदान-प्रदान, अकादमिक गतिविधियों में सहभागिता तथा विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्रशिक्षण एवं विकास के अवसर उपलब्ध कराना है। यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता और संस्थागत विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। एमओयू पर हस्ताक्षर समारोह प्रो. सुरेश अठावाल, कुलपति, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर; प्रो. करुणेश सक्सेना, कुलपति, संगम विश्वविद्यालय; डॉ. आलोक कुमार, कुलसचिव, संगम विश्वविद्यालय; श्री कैलाश चंद्र शर्मा, कुलसचिव, एमडीएसयू, अजमेर तथा प्रो. शिव प्रसाद, डीन मैनेजमेंट एवं निदेशक, एमएमटीटीसी की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। गौरतलब है कि हाल ही में संगम विश्वविद्यालय में स्पोकन ट्यूटोरियल, एडुपिरामिड्स एवं साइन आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से राजस्थान की प्रथम स्पोकन ट्यूटोरियल स्किल एक्सेलेरेटर लैब स्थापित की गई है। इस अत्याधुनिक पहल के माध्यम से महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के विद्यार्थी भी शैक्षिणक एवं तकनीकी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले सकेंगे तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास के अवसर प्राप्त करेंगे।यह पहल भविष्य में उद्योगों, स्टार्टअप्स तथा दोनों शैक्षणिक संस्थानों के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करेगी और विद्यार्थियों को रोजगार, नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करेगी। यह समझौता गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा, शिक्षक सशक्तिकरण एवं कौशल आधारित शिक्षा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मंदिर में चोरी से श्रद्धालुओं में रोष

भीलवाड़ा। सुखाड़िया नगर, कोटा बाईपास रोड स्थित श्री कामधेनु बालाजी मंदिर में बीती रात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिए जाने का मामला सामने आया है।

श्री कामधेनु बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित काबरा ने बताया कि मंदिर के पुजारी जगन्नाथ शर्मा प्रतिदिन की भांति सुबह मंदिर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मंदिर परिसर में बने एक कमरे का ताला कटर से काटा हुआ था। जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर कमरे में रखी साउंड मशीन, पीतल एवं तांबे के कीमती सामान सहित लगभग 4,000 से 5,000 की नकद राशि चोरी कर ले गए। घटना की सूचना मिलते ही ट्रस्ट पदाधिकारी मंदिर पहुंचे तथा स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद संबंधित थाने में अज्ञात चोरों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है। मंदिर परिसर में हुई इस चोरी की घटना से श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों में रोष एवं चिंता का वातावरण व्याप्त है।

बंदूक की नोक पर कारोबारी का अपहरण कर जमीन हड़पने की साजिश नाकाम

परिवादी ने बताया कि वह आवासीय कॉलोनियां विकसित करने का कार्य करता है। 7 जून को झाझड़ क्षेत्र में एक जमीन के संबंध में बातचीत के दौरान भंवर सिंह धीवा और उसके साथियों ने उसे कथित रूप से बंदूक की नोक पर अगवा कर अपने फार्म हाउस ले गए

गोठड़ा / झुंझुनूं। गोठड़ा थाना पुलिस ने जमीन विवाद से जुड़े एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए अपहरण, बंधक बनाकर मारपीट और धमकाकर जमीन के इकरारनामे करवाने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर एक कॉलोनाइजर का कथित रूप से बंदूक की नोक पर अपहरण कर उसे फार्म हाउस में बंधक बनाने, मारपीट करने और करोड़ों रूपये की संपत्तियों से जुड़े एग्रीमेंट जबरन करवाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार सीकर जिले के मालाकाली निवासी दौलतराम बिजारणिया ने 9 जून को गोठडा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि वह आवासीय कॉलोनियां विकसित करने का कार्य करता है।

7 जून को झाझड़ क्षेत्र में एक जमीन के संबंध में बातचीत के दौरान भंवर सिंह धीवा और उसके साथियों ने उसे कथित रूप से बंदूक की नोक पर अगवा कर अपने फार्म हाउस ले गए। वहां उसे बंधक बनाकर मारपीट की गई, अपमानजनक व्यवहार किया गया तथा अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का प्रयास किया गया। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने दबाव बनाकर उसकी विभिन्न संपत्तियों से संबंधित तीन इकरारनामों पर हस्ताक्षर और अंगूठा निशानी करवाकर नोटरी कराई। साथ ही उससे 22 लाख रुपये भी छीन लिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत तथा वृताधिकारी नवलगढ़ सुगन सिंह के सुपरविजन में गोठडा थानाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में नामजद एवं अन्य संदिग्ध आरोपियों की तलाश शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने भंवर सिंह, कालूराम, होशियार सिंह उर्फ फौजी, योगेश कुमार और सुनील कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। अनुसंधान में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर पांचों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में भंवर सिंह (60) निवासी टोडपुरा, थाना गोठड़ा, कालूराम (43) निवासी भगवानपुरा, टोडपुरा, थाना गोठड़ा, होशियार सिंह उर्फ फौजी (35) निवासी धीवा की ढाणी, टोडपुरा, योगेश कुमार (29) निवासी नवलड़ी, थाना नवलगढ़ और सुनील कुमार (38) निवासी कालीरावणा की ढाणी, गोठड़ा शामिल हैं।

वहीं उपनिरीक्षक जयप्रकाश सिंह, मुख्य आरक्षक मुकेश एवं कांस्टेबल मुकेश ने कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच जारी है तथा अन्य संभावित तथ्यों और आरोपियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

राजस्थान बेडमिन्टन संघ के चुनाव सम्पन्न

भीलवाड़ा। राजस्थान बेडमिन्टन संघ के चुनाव 18 जून गुरुवार कोष्ठर स्थित निजी होटल में दोपहर 12.00 बजे सम्पन्न हुये जिसमें भारत सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत दुबारा निर्विरोध अध्यक्ष चुने गये। तथा इसी के साथ सचिव पद पर केके शर्मा और कोषाध्यक्ष पद पर जाकिर हुसैन निर्विरोध चुने गये। निर्वाचन अधिकारी लाजपत आचार्य ने बताया कि राजस्थान बेडमिन्टन संघ के चुनाव 18 जून गुरूवार कोष्ठर स्थित निजी होटल में दोपहर 12.00 बजे सभी पदों के लिये एक-एक आवेदन आने के कारण निर्विरोध सम्पन्न हुए।

जिसमें भारत सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत दुबारा निर्विरोध अध्यक्ष चुने गये। तथा इसी के साथ सचिव पद पर केके शर्मा और कोषाध्यक्ष पद पर जाकिर हुसैन निर्विरोध चुने गये। यह चुनाव भारतीय बेडमिन्टन संघ के संयुक्त सचिव एवं पूर्व नेषनल खिलाडी अनिल चोगले पर्यवेक्षक तथा जिला खेल अधिकारी हेमेन्द्रसिंह राणावत पर्यवेक्षक राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, राजस्थान ओलम्पिक संघ के पर्यवेक्षक रतनलाल शर्मा की मौजूदगी में सम्पन्न हुये। सहायक निर्वाचन अधिकारी जगदीश शर्मा ने बताया कि चार वर्षीय चुनाव जनरल आमसभा में आयोजित हुये।

रंग मल्हार 12 जुलाई को

भीलवाड़ा। स्थानीय आकृति कला संस्थान भीलवाड़ा द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कला, संस्कृति के अनूठे प्रयोग 'अन्तर्राष्ट्रीय रंग-मल्हार' उत्सव सेलिब्रेट करते है। इसके जरिये कलाकार चित्रांकन कर इन्द्रदेव को प्रदेश में सुखद बारिश एवं शांति की कामना करते है। जानकारी देते हुए संस्था सचिव कैलाश पालिया ने बताया कि वरिष्ठ चित्रकार विद्यासागर उपाध्याय की परिकल्पना पर आधारित रंग मल्हार 26 को केनवास की जगह 'सन्दूक' पर चित्रांकन करेंगें। हर वर्ष की तरह इस बार भी रंग मल्हार प्रकृति और कला के समन्वय के साथ एक बेहद भावुक और सांस्कृतिक विषय को लेकर आ रहा है। इस वर्ष उत्सव का मुख्य कलात्मक ऑब्जेक्ट (कैनवास) जो 'संदूक/बक्सा/पेटी या ब्रीफकेस' को चुना गया है। देश और विदेश के कलाकार इस बार पारंपरिक व आधुनिक संदूक को अपने रंगों से एक नया कलात्मक रूप देंगे।

आंतरी की बेटी सुमन मीणा का नीमखेड़ा पहुंचने पर भव्य स्वागत

बूंदी। बूंदी जिले के नीमखेड़ा (तलवास) क्षेत्र की बेटी सुमन मीणा का अपने पैतृक गांव आने पर ग्रामीणों ने भव्य स्वागत-सत्कार किया।

सुमन मीणा ने इंडियन मैरीटाइम यूनिवर्सिटी, कोलकाता कैंपस की कठिन प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर वर्तमान में://. का अध्ययन कर रही हैं। परीक्षा के बाद अवकाश होने पर वे पिता राम सागर मीणा के साथ अपने पैतृक गांव नीमखेड़ा पहुंचीं।

इस अवसर पर केमला गांव स्थित हनुमान जी महाराज के स्थान पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया। करवर भाजपा मंडल अध्यक्ष लाखन मीणा, जिला उपाध्यक्ष चौथमल सैनी, मंडल महामंत्री शिवप्रसाद सुमन, कृष्ण बिहारी शर्मा, राजेन्द्र मेरूठा, लेखराज, सीताराम सैनी, विनोद राठौर, महावीर मीणा, श्याम शर्मा, बजरंग लाल सैनी, शंकर लाल सैनी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में सुमन मीणा और उनके पिता राम सागर मीणा का अभिनंदन किया गया। छात्रा के पिता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर केमला गांव स्थित हनुमान जी महाराज के स्थान पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया।

समाजसेवी मूलचंद शर्मा, तलवास ने कहा कि प्रतिभाशाली और योग्य बच्चों का सम्मान करना आवश्यक है। इससे न केवल ऐसे बच्चों का हौसला बढ़ता है, बल्कि अन्य बच्चे भी प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं।

विधायक बैरवा ने सुनी जन समस्याएं

बारां। बारां-अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा की "आपका विधायक आपके द्वार" जन संवाद यात्रा बुधवार को बारां देहात मंडल के विभिन्न गांवों में पहुंची। यात्रा के दौरान विधायक बैरवा का सादगीपूर्ण अंदाज ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय रहा। ग्राम कोटड़ा में उन्होंने बिना किसी विशेष व्यवस्था, मंच, फर्श या कुर्सी के ग्रामीणों के साथ पेड़ की छांव में जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

यात्रा के दौरान बरानी, बराना, करनाहेड़ा, बामनहेड़ा और कोटड़ा एवं कोटड़ी गांवों में ग्रामीणों ने बिजली, पेयजल, सड़क, प्रधानमंत्री आवास, पेंशन, नाली निर्माण एवं अन्य स्थानीय समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। विधायक ने कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

ग्रामीणों ने कहा कि विधायक का यह सहज और आत्मीय व्यवहार उन्हें अपनेपन का एहसास कराता है। आमजन के बीच जमीन पर बैठकर संवाद करने से लोगों ने खुलकर अपनी बात रखी। विधायक बैरवा ने कहा कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच दूरी नहीं, संवाद होना चाहिए। इसी उद्देश्य से वे गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं।

150 अग्निवीरों का भव्य सम्मान, कायमखानी समाज ने बढ़ाया देशसेवा का मान

झुंझुनूं। कायमखानी सेवा समिति, झुंझुनूं की ओर से श्री डाट्स चिल्ड्रन एकेडमी में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में भारतीय सेना के अग्निवीर के रूप में चयनित कायमखानी समाज के 150 युवाओं का माल्यार्पण कर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। समारोह में देशसेवा के लिए चयनित युवाओं की उपलब्धि पर पूरे समाज ने गर्व व्यक्त करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने कहा कि सेना में चयनित युवा देश की सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि अग्निवीर के रूप में चयनित युवाओं की यह सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है तथा इससे अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। समारोह की अध्यक्षता कर्नल अब्दुल रशीद खान गांगियासर ने की।

विशिष्ट अतिथियों में कर्नल शौकत अली, पूर्व कलेक्टर जाकिर हुसैन तथा सेना के कई सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने युवाओं को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करने का संदेश दिया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। जिले में उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए राजस्थान वक्फ बोर्ड के जिला अध्यक्ष इकबाल खान गांगियासर को जिला कलेक्टर अरुण गर्ग द्वारा माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उनके योगदान की मंच से सराहना की गई। नागरिकों, अभिभावकों, युवाओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

सार-समाचार

सार्वजनिक स्थान पर जुआं खेलते तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक(निसं)। जिला पुलिस कप्तान रोशन मीना के निर्देशन में अवैध जुआ-सट्टा के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए वृताधिकारी निवाई रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में निवाई थानाधिकारी घासीराम द्वारा गठित पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए निवाई क्षेत्र के सब्जी मण्डी निवाई के पास सार्वजनिक जगह पर रुपयों-पैसो का दांव लगाकर ताश पत्ती खेलते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जाकर उनके कब्जे से जुआ राशि 7 हजार 100 रूपये जप्त की गई। इस कार्यवाही में आरोपी पप्पू पुत्र बजरंगा गाडिया लुहार, चन्दन प्रकाश सैनी पुत्र जगदीश नारायण, एवं लाल चन्द माली पुत्र बजरंग लाल को गिरफ्तार कर आरोपियों के खिलाफ आरपीजीओ एक्ट मे प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

नाले की सफाई नहीं होने से ग्रामीणों में रोष

मनोहरपुर (निसं)। खोरा लाड़खानी ग्राम पंचायत एक बार फिर साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर विवादों में घिर गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत द्वारा साफ-सफाई के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति बदहाल बनी हुई है। इस दौरान बजरंग सिंह ने बताया कि हाल ही में ग्राम पंचायत खोरा लाड़खानी में लगे शिविर में उपखंड अधिकारी को भी इस समस्या को लेकर अवगत कराया गया था। ग्रामीणों के अनुसार मस्जिद के पीछे मंगरा की ढाणी क्षेत्र में करीब 700 मीटर लंबा और लगभग 4 फीट चौड़ा नाला बनाया गया था, जिससे पूरे गांव के पानी की निकासी होती है। लेकिन वर्षों से नाले की सफाई नहीं होने के कारण उसमें गंदगी और झाड़ियां भर गई हैं, जिससे जल निकासी प्रभावित हो रही है। ग्रामीण बजरंग सिंह ने बताया कि पिछले लगभग 15 वर्षों से इस नाले की समुचित सफाई नहीं करवाई गई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में 7 जुलाई को भी ग्राम पंचायत को अवगत कराया गया था, लेकिन सरपंच ईश्वरचंद जाट द्वारा दिए गए आश्वासन के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत के रिकॉर्ड में साफ-सफाई के कार्य दर्शाए जा रहे हैं, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। बरसात के मौसम में नाले की सफाई नहीं होने से जलभराव और गंदगी की समस्या बढ़ने लगी है, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा नाले की तत्काल सफाई कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो पंचायत के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

धरपकड अभियान के तहत दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे विशेष अभियान अपराधियों की धरपकड के तहत पीपलू थानाधिकारी राजकुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए लड़ाकू अपराधियों को अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर पीपलू थाने में दर्ज चोरी के प्रकरण में 6 साल से फरार स्थाई वारंट्री राकेश खन्ना पुत्र रामा बावरी उम्र 35 साल निवासी झूले वाली बस्ती सवाईमाधोपुर को जिला सवाईमाधोपुर से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया। इसी क्रम में अन्य टीम ने अवैध बजरी खनन व परिवहन में संलिप्त दो माह से फरार थाना स्तरीय टॉप 10 अभियुक्त भोजराज गुर्जर पुत्र रामनिवास उम्र 26 साल निवासी किशनपुरा थाना पीपलू को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार झिराना पुलिस टीम ने बुधवार रात्रि को पांसरोटिया मोड से अवैध चैजा पत्थर भरकर परिवहन करते हुये एक डम्पर जब्त किया गया।

हाई वोल्टेज ड्रामे पर प्रशासन का ब्रेक, टंकी पर चढ़े तो सीधे मुकदमा

लालसोट (निसं)। पानी की टंकियों को विरोध प्रदर्शन का मंच बनाने वालों पर अब प्रशासन का डंडा चलेगा। हाल ही में क्षेत्र में सामने आए मामलों के बाद एसडीएम विजेंद्र मीणा ने सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि टंकी पर चढ़कर दबाव बनाने या हंगामा करने वालों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाएगी। इतना ही नहीं, ऐसे घटनाक्रमों के दौरान पुलिस बल और प्रशासनिक अमले की तैनाती पर होने वाले खर्च की वसूली भी संबंधित प्रदर्शनकारियों से की जाएगी। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत, पारिवारिक या अन्य विवादों को लेकर टंकी पर चढ़ना कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे मामलों में प्रशासन का पूरा अमला अन्य जरूरी कार्य छोड़कर मौके पर लगाना पड़ता है। इसे देखते हुए जलदाय विभाग को टंकियों की सुरक्षा मजबूत करने और किसी भी व्यक्ति के चढ़ने पर तुरंत रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

रामलाल शर्मा के जन्मदिवस पर उमड़ा सेवा का सैलाब

चौमूं/कालाडेरा (निसं)। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के जन्मदिवस के पावन अवसर पर शुरू हुआ "गौ सेवा सप्ताह" निरंतर अपने सेवा पथ पर अग्रसर है। इस अनूठी और सेवाभावी पहल के अंतर्गत गुरुवार को गौ माता के ग्रास के लिए अलग अलग कार्यक्रमों के माध्यम से 8 चारे की पिकअप गाड़ियां विभिन्न गोशालाओं के लिए भेंट की गईं। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने क्षेत्र में आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों में उपस्थित होकर चारे से भरी इन गाड़ियों को हरी झंडी दिखाई और गोशालाओं के लिए रवाना किया। उल्लेखनीय है कि गौ माता की सेवार्थ इस ऐतिहासिक गौ सेवा सप्ताह का शुभारंभ प्राचीन श्री गढ़ गणेश जी मंदिर, चौमूं से किया गया था। इस सात दिवसीय सेवा संकल्प के तहत प्रतिदिन भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न गोशालाओं में गौ सेवा के अनेकों कार्य पूरी श्रद्धा के साथ किए जा रहे हैं। गुरुवार को इस अभियान के तहत शिव चारा मंडी गोविंदगढ़, शिव चारा मंडी हाड़ौता, थाना मोड़ चौमूं, कानरपुरा गौशाला, भूतेडा गौशाला, स्याऊ गौशाला और श्री वीर तेजाजी गौशाला, सान्दरसर में कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने इन सभी स्थानों पर पहुँचकर गौ माता की सेवा की। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देते हुए गोशाला परिसरों में पेड़ भी लगाए और उपस्थित कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों को इन पौधों की देखभाल करने का संकल्प दिलाया।

कलेक्टर ने जिले के सरकारी व निजी जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों का जायजा लिया

- 10 करोड़ रूपये राशि से तीन सौ से अधिक भवनों की हुई मरम्मत, स्वीकृत शेष कार्यों को यथाशीघ्र करावे पूर्ण
- मरम्मत के उपरान्त सुरक्षित पाए जाने पर ही करें भवनों का उपयोग - जिला कलक्टर

अलवर(निसं)। जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला शहर के विकास और जन समस्याओं को लेकर चिंतित रहती है लेकिन उन्हें नही पता कि पुराने शहर के वाशिंदे किस प्रकार डर कर रोड पर चल रहे है यहां कोर्ट रोड, सर्राफा बाजार, बाजाजा बजार, गायत्री मंदिर रोड, पुलिस लाईन रोड और गली मौहल्ले सीवर डालने के नाम पर खुदे पडे है जो बारिश के दिनों में जान लेवा साबित होने वाले है इन गड्ढो को बंद करने और टूटी सडको को दुरस्त कराने के लिए कोई संज्ञान प्रशासन क्यों नही ले रहा यह एक सोचनीय प्रशन बना हुआ है।

जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला ने समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने जिले में असुरक्षित, जर्जर एवं क्षितग्रस्त भवनों के संबंध में समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को असुरक्षित भवनों को जर्मीदोज एवं क्षितग्रस्त भवनों की आवश्यकतानुरूप मरम्मत करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने जिले के सरकारी व निजी जर्जर एवं क्षितग्रस्त भवनों के संबंध में बिन्दुवार समीक्षा कर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि आगामी 5 दिवस में जिले के सभी सरकारी स्कूलों व चिकित्सा विभाग के भवनों के साथ अन्य विभागों के भवनों की नवीन सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सर्वे रिपोर्ट में सार्वजनिक निर्माण विभाग व संबंधित विभाग संबंधित भवन के स्थाई व वैकल्पिक समाधान का भी स्पष्ट उल्लेख करें।

उन्होंने कहा कि जिले में 10 करोड़ रूपये की राशि से तीन सौ से अधिक भवनों की मरम्मत कराई गई है। इसी प्रकार जिन भवनों व कक्षों की राशि स्वीकृत हो चुकी है, उनके मरम्मत के कार्य को गुणवत्ता के साथ यथाशीघ्र पूर्ण करावे। नवीनतम सर्वे के उपरान्त क्षितग्रस्त भवनों की मरम्मत के प्रस्ताव तैयार कर यथाशीघ्र भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि इसी प्रकार नगरीय निकाय क्षेत्रों में संबंधित नगरीय निकाय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज विभाग से समन्वय कर सरकारी व निजी जर्जर व क्षितग्रस्त भवनों की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इन क्षेत्रों के सरकारी भवनों को संबंधित विभाग मरम्मत व जर्मीदोज आदि की कार्यवाही करे। साथ ही असुरक्षित, जर्जर व क्षितग्रस्त निजी भवनों के भवन मालिकों से रिपोर्ट के अनुरूप मरम्मत व जर्मीदोज आदि की कार्यवाही नोटिस जारी कर करावे। नोटिस जारी करने के उपरान्त जिन निजी भवन मालिकों के द्वारा निर्धारित समय-सीमा में जर्जर एवं गिराऊ भवन को जर्मीदोज नहीं करने पर संबंधित विभाग द्वारा जर्जर व गिराऊ भवन को नागरिक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जर्मीदोज की कार्रवाई की जावे तथा इसमें आने वाले समस्त खर्च को शास्ति के साथ भवन मालिक से वसूला जावे। जिला कलक्टर ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं सीएमएचओ को निर्देशित किया कि अंतिम सर्वे रिपोर्ट के उपरान्त जर्जर व असुरक्षित पाए गए भवनों में विद्यालय व कार्यालयों का संचालन नहीं किया जावे। इसी प्रकार जिस विद्यालय एवं चिकित्सालय व अन्य भवन का कोई कक्ष या कोई हिस्सा असुरक्षित व जर्जर है तो उस पर असुरक्षित होने का कागज चस्पा कर बन्द किया जावे। इनका उपयोग नहीं लिया जावे तथा इसके आसपास बैरिकेटिंग आदि भी की जावे। जिन भवनों व कक्षों की मरम्मत की जा चुकी है उनकी पुनः जांच कर उपयोग में लेवे। आंशिक रूप से क्षितग्रस्त भवनों की मरम्मत कराई जाकर सार्वजनिक निर्माण विभाग की जांच के उपरान्त उन भवनों व कक्षों का भी उपयोग करें। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी सरकारी भवनों की छतों की साफ-सफाई कराई जावे। साथ ही भवन व भवन के आसपास जलभराव नहीं होवे। जल भराव होने की स्थिति में उसकी निकासी तुरन्त सुनिश्चित कराई जावे। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि जिले में सडक व आम रास्ते क्रॉस करने वाली विद्युत लाइन पैरामीटर के अनुसार निर्धारित ऊंचाई पर सुनिश्चित करावे।

मण्डी प्रशासन ने सूचना मांगी

निवाई (निसं)। कृषि उपज मण्डी समिति, निवाई द्वारा आमजन व किसानों के लिए एक आवश्यक सूचना जारी की गई है। मण्डी सचिव डॉ. कमलकिशोर सोनी ने बताया कि किसान महापंचायत के युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वरप्रसाद चौधरी द्वारा आरोप लगाया गया है कि निवाई मण्डी परिसर में एक फर्जी पुलिस चौकी खोली गई है। इस फर्जी पुलिस चौकी के माध्यम से मण्डी में आने वाले सीधे-साधे किसानों को डराया-धमकाया जा रहा है। इसके साथ ही किसानों को औने-पौने एवं मनमाने दामों पर अपनी कृषि उपज बेचने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिससे किसानों का आर्थिक व मानसिक शोषण हो रहा है। इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए मण्डी समिति सचिव डॉ. कमलकिशोर सोनी ने आवश्यक सूचना जारी करते हुए सर्वसाधारण एवं विशेषकर किसानों को सूचित किया है कि मण्डी प्रांगण के भीतर कम्प्यूटर, जनरेटर कक्ष में पुलिस कर्मियों के बैठने के लिए एक कक्ष आरक्षित किया गया।

किशनगढ़ बास पंचायत में सहमति से जमीन का बंटवारा हुआ

जयपुर, (निसं)। खैरथल-तिजारा जिले की किशनगढ़ बास पंचायत समिति की ग्राम पंचायत ईस्माईलपुर में लगा ग्रामीण सेवा शिविर काश्तकार रोशन लाल पुत्र कुन्दन लाल एवं श्री भौरे लाल पुत्र मंगू लाल जाति जाटव निवासी ग्राम ईस्माईलपुर के लिए खुशियां लेकर आया।

इन दोनों ने खैरथल उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार के समक्ष अपने आराजी खसरा नम्बर 1635, 1638, 1642, 1679, 1686, 1687 ग्राम ईस्माईलपुर का सहमति से विभाजन का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया। दोनों ने बताया कि आपस में सहमति नहीं बनने के कारण विभाजन संभव नहीं था लेकिन शिविर से पहले पटवारी ने आकर हमें समझाया और रिश्तेदारों ने भी प्यार से बंटवारे की बात कही जिससे आगे कभी विवाद न हो तो हम विभाजन के लिए सहमत हो गये हैं। इस जमीन का बंटवारा कर दो।

जमीन बंटवारे पर खातेदारो ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

तहसीलदार, भू अभिलेख निरीक्षक व हलका पटवारी ने आवेदकों की सहखातेदारी भूमि का मौका निरीक्षण कर उनके बताये अनुसार विभाजन प्रस्ताव तैयार किया। मौके पर ही खैरथल तहसीलदार ने विभाजन के आदेश किये। इस पर उक्त दोनो खातेदारो काश्तकारों के चेहरे खिल उठे एवं खातेदारो ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

ग्राम पंचायत मीरका में कानूनी जागरूकता शिविर लगाया

किशनगढ़ बास (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल के निर्देश पर ग्राम पंचायत मीरका के टोहरी और मीरका गांव में नालसा योजना के तहत कानूनी जागरूकता शिविर लगाया गया। पीएलवी किरण कुमारी आर्य और मनीष कुमार ने महिलाओं-बच्चों को उनके अधिकारों व निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी। शिविर में 25 ग्रामीण लाभान्वित हुए।

निःशुल्क विधिक सहायता शिविर में 25 ग्रामीण लाभान्वित हुए।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल के अध्यक्ष जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास के आदेश एवं सचिव अजीत कुड़ी के निर्देशन में यह शिविर आयोजित हुआ। पीएलवी किरण कुमारी आर्य ने ग्राम टोहरी तथा पीएलवी मनीष कुमार ने ग्राम मीरका में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की मानव तस्करी और व्यावसायिक यौन शोषण के पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 के तहत शिविर लगाया। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी देना था। कार्यक्रम में महिला संरक्षण कानूनों, मानव तस्करी से संबंधित कानूनी प्रावधानों, पीड़ितों के अधिकारों तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्राकृतिक एवं जैविक खेती कार्यशाला

कोटपूतली, (निसं)। जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने तथा किसानों को कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, मृदा संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय एक दिवसीय प्राकृतिक एवं जैविक खेती कार्यशाला का आयोजन गुरूवार को यहां के राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विधालय के सभागार में किया गया। कार्यशाला में जिले भर से आये प्रगतिशील किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों, पद्धितयों एवं लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता है।

पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारियों ने मांगों को लेकर सद्बुद्धि यज्ञ किया

निवाई(निसं)। पंचायती राज संस्थाओं के मंत्रालयिक कर्मचारियों ने पंचायती राज विभाग द्वारा अपनाए जा रहे कथित पक्षपातपूर्ण रवैये के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया है। कर्मचारियों का आरोप है कि उनकी मौलिक अधिकारों से युक्त विभिन्न मांगों को लंबे समय से लंबित रखा गया है, जिससे मंत्रालयिक कर्मचारियों में भारी निराशा एवं असंतोष व्याप्त है। मांगों को लेकर कर्मचारियों ने पंचायत समिति परिसर में सद्बुद्धि यज्ञ का सामूहिक आयोजन किया, जिसके माध्यम से सरकार एवं प्रशासनिक अधिकारियों को सद्बुद्धि आने तथा कर्मचारियों की जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की प्रार्थना की गई। संगठन द्वारा विभाग को अंतिम चेतावनी नोटिस सौंपते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा नहीं किए जाने की स्थिति में आर-पार के उग्र आंदोलन की रूपरेखा से भी अवगत करवाया। संघ के अध्यक्ष प्रेमचन्द माली, संरक्षक शिवदयाल बैरवा, महामंत्री सुनिलकुमार गुर्जर व राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि संगठन की मांग है कि मंत्रालयिक कर्मचारियों का पंचायतों के लेखों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पंचायत स्तरीय कर्मचारियों की समकक्षता के अनुसार समान अधिकारों के साथ जॉब-चार्ट तय कर उसे नियमों में व्यवस्थित करना बेहद आवश्यक है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पंचायत लेखों में वर्तमान में संचालित सिंगल ओटीपी व्यवस्था को तत्काल समाप्त किया जाए और वित्त विभाग के परिपत्र के अनुसार लेखों में मेकर, चेकर एवं अप्रूवर की त्रिस्तरीय व्यवस्था को लागू किया जाए। जिस प्रकार उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड राज्यों में ग्राम सेवक का पदनाम बदला गया है, उसी तर्ज पर मंत्रालयिक संवर्ग के पदों के लिए भी नीतिगत निर्णय लेकर पूर्ण उत्तराखंड पैटर्न बहाल किया जाए। संवर्ग के लिए 56.01 प्रतिशत पदोन्नित के पदों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कनिष्ठ सहायक की न्यूनतम शैक्षिणक योग्यता को राजस्थान विधानसभा की तर्ज पर स्नातक किया जाए और स्टेट पेरिटी के आधार पर ग्रेड पे 3600 रुपए निर्धारित की जाए। समान संवर्ग की भांति कर्मचारियों के लिए भी हार्ड ड्यूटी अलाउसेन्स एवं अतिरिक्त प्रभार भत्ता स्वीकृत किया जाए। ग्राम पंचायतों में पदस्थापित कनिष्ठ सहायकों को अन्य पंचायतों का अतिरिक्त कार्यभार सौंपने की व्यवस्था को बंद किया जाए।

पंचायत समिति में मांगों को लेकर सद्बुद्धि यज्ञ करते हुए मंत्रालयिक कर्मचारी।

नम्बर मिलाइए
8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

चोरी के मामले को लेकर चल रही हड़ताल स्थगित

कोटपूतली, (निसं)। जिला अभिभाषक संघ, स्टाम्प वेण्डर, डीडराईटर्स संघ द्वारा विगत 01 अप्रैल को स्टाम्प वेण्डर कमल कुमार सैनी के घर हुई चोरी के मामले में पुलिस द्वारा समुचित कार्यवाही नहीं करने पर विगत 08 जून से चल रहे आंदोलन के तहत सोमवार को तहसील परिसर में क्रमिक अनशन जारी रहा।

जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष बजरंगलाल शर्मा के नेतृत्व में जिला न्यायालय परिसर में भी सभी न्यायालयों का पूर्ण रूप से कार्य बहिष्कार किया गया। इस दौरान किसी भी न्यायालय, रजिस्ट्रार कार्यालय व सभी कार्यालयों में कोई कार्य अधिवक्ताओं, स्टाम्प वेण्डरो व डीडराईटरों ने नहीं किया, जिसके चलते पूरी न्यायिक प्रक्रिया ठप रही। बाद में जिला अभिभाषक संघ की अध्यक्षता में जिला अभिभाषक संघ कोटपूतली के सभागार में अधिवक्ताओं, डीडराईटर, स्टाम्प वेण्डर व सहयोगी स्टॉफ की आम सभा की गई। जिसमें अध्यक्ष बजरंगलाल शर्मा ने 08 से 15 जून तक की आंदोलन की रिपोर्ट तथा इस दौरान स्टाम्प कमल कुमार सैनी के घर से हुई चोरी की मुकदमे की प्रगति के बारे में सभी सदस्यों को अवगत कराया। शर्मा ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि शर्मा की पहल पर जिला पुलिस अधीक्षक ने जिला अभिभाषक संघ कार्यकारिणी व स्टाम्प वेण्डर संघ के अध्यक्ष बलदेव मीणा एवं पीड़ित स्टाम्प वेण्डर कमल कुमार सैनी से 12 जून को मुलाकात कर मुकदमे की तफतीश व प्रगति के संबंध में कुछ बिन्दू तय किये गये थे। जिसके अन्तर्गत उच्चाधिकारियों के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी व पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर चोरों को पकड़ने का प्रयास करेगी। इस दौरान पीड़ित चाहे तो पुलिस के साथ कार्यवाही के दौरान रहेगा तथा मुकदमे की प्रगति रिपार्ट प्रत्येक दो दिन में जिला अभिभाषक संघ कार्यकारिणी को अवगत कराई जावेगी तथा पूरी प्रक्रिया जिला एवं सत्र न्यायाधीश के सुपरविजन में होगी। 12 जून को तय किये गये बिन्दुओं के अनुसार पुलिस ने अब तक काम किया है। इसकी अनुशंषा स्टाम्प वेण्डर संघ के अध्यक्ष बलदेव मीणा एवं पीड़ित कमल कुमार सैनी ने भी सदन को अवगत कराया।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक प्लाट नम्बर 45 जैन विहार, अजमेर रोड, जयपुर, राजस्थान में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 160 वर्गगज है। यह कि उक्त वर्णित सम्पूर्ण प्लाट नम्बर 45 मूलरूप से श्रीमती ज्योति शर्मा धर्मपत्नि श्री सुनील कुमार शर्मा को अपोलो नगर हाउसिंग को-ओपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, जयपुर रजिस्ट्रेशन नम्बर 2491/एल से आवंटित हुआ है। यह कि श्रीमती ज्योति शर्मा ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड से ऋण हेतु आवेदन भी किया है, यदि उक्त प्लाट नम्बर 45 के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/व्यक्तियों, संस्था, कम्पनी इत्यादि को किसी भी पकार की आपत्ति, आक्षेप इत्यादि हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिन (सात दिन) की अवधि में मय दस्तावेज एवं लिखित में मुझे सूचित करें, अन्यथा बाद मियाद आपत्ति अमान्य मानी जावेगी।
दिनांक-18/6/26 स्थान-जयपुर
शशांक टिक्कीवाल, एडवोकेट 48277/आर/751/2007 राजस्थान हाईकोर्ट, मो. 9166400777

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-14 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: 90A/JDA/2026-27/100674 **लोक सूचना** दिनांक: 16.06.2026
श्री RADHEY SHYAM MALI पुत्र श्री KALYAN MAL जाति MALI निवासी 163/50, Pratap Nagar, R.H.B., Sanganer, Jaipur, PO: Pratap Nagar Sector 11, Dist: Jaipur, RAJASTHAN - 302033 ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का वाणिज्य प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्धारण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हेक्टे.)	[illegible] (हे)
1	शिवदासपुरा, चाकसू (जयपुर)	1.) राधेश्याम पुत्र कल्याण हिस्सा 45/206 जाति माली सा. देह खातेदार हिस्सा 45/206 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा शिवदासपुरा 2.) लक्ष्मीनारायण पुत्र कल्याण हिस्सा 1/2 जाति माली सा. देह खातेदार 3.) हनुमान पुत्र कल्याण हिस्सा 29/103 जाति माली सा. देह खातेदार	1132	0.23	0.23
		कुल		0.23	

इसलिए, इसके द्वारा तत्समय संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 63 के अधीन प्रदत्त [illegible] ... JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर [illegible] ... यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 16-06-2026 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी जोन-14

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-1499 दिनांक-18.06.2026
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, योजना में आवास/प्लॉट संख्या 60/60 (MIG-B), का आवंटन श्री कैलाश चन्द्र पारीक पुत्र स्व. श्री उमा शंकर पारीक को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 917 दिनांक 30.06.1999 को जारी किया गया था। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 20.09.2002 को कर दिया गया। श्री कैलाश चन्द पारीक द्वारा उक्त आवास को दिनांक 26.05.2026 को श्री गौरव पारीक पुत्र श्री कैलाश चन्द्र पारीक को उपहार कर उनके पक्ष में उपहार पत्र उप पंजीयक (पंचम) जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। क्रेता श्री गौरव पारीक पुत्र श्री कैलाश चन्द्र पारीक द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तानान्तरण बावत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री गौरव पारीक पुत्र श्री कैलाश चन्द्र पारीक का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम से पूर्व में नगरपालिका सांभरलेक द्वारा 4 जुलाई 2001 को एक भूखण्ड (क्षेत्रफल 225.88 वर्गगज) वाके घनश्याम दास जी की बगीची सांभरलेक, जिला जयपुर का नाथूलाल के नाम से जारी हुआ था चूंकि मेरे सभी सरकारी दस्तावेजों में मेरा नाम राहुल कुमार शर्मा पुत्र राजेश कुमार शर्मा दर्ज है। इसलिए सरकारी दस्तावेजों में दर्ज नाम के अनुरूप पट्टा प्राप्त करने हेतु नगरपालिका द्वारा पूर्व में जारी पट्टे को सरेंडर कर अब मुझे फ्री होल्ड पट्टा लेना आवश्यक हुआ है।
राहुल कुमार शर्मा व नाथूलाल दोनों नाम मुझसे ही संबंधित है। सूचित रहे।
प्रार्थी/भवदीय
राहुल कुमार शर्मा पुत्र श्री राजेश कुमार शर्मा, घनश्याम दास जी की बगीची, सांभरलेक, जिला जयपुर

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित करते है कि हमारे पूजनीय पिताजी **श्री मालचन्द जी अग्रवाल** का स्वर्गवास दिनांक 17.06.2026 को हो गया। जिनकी तीये की बैठक शुक्रवार 19.06.2026 को सायं 4.00 से 5.00 बजे तक अग्रवाल समाज भवन सत्कार शॉपिंग सेंटर, शिवानंद मार्ग, मालवीय नगर पर होगी।
शोकाकुल- गौरीशंकर, हरिशंकर, सुरेश, श्याम सुंदर (भ्राता) राजेन्द्र प्रसाद, शिवशंकर (पुत्र) मनोज, कमल, प्रवीण, दीपक (भतीजे) एवं समस्त जोबनेरिया परिवार।

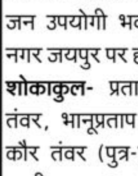

अत्यंत दुख के साथ सूचित करते है कि हमारे पूजनीय पिताजी **ठा.सा. श्री रघुवीर सिंह तंवर** (अनोखी) का स्वर्गवास दिनांक 17.06.2026 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक दिनांक 19.06.2026 को शाम 5.00 से 6.00 तक आनन्दम जन उपयोगी भवन संस्थान, शास्त्री नगर जयपुर पर होगी।
शोकाकुल- प्रताप सिंह तंवर-बीना तंवर, भानूप्रताप सिंह तंवर-जैस्मिन कौर तंवर (पुत्र-पुत्रवधु), रितु कंवर (भतीजा-बहू), रणवीर सिंह, राजवीर सिंह, खुशी तंवर, दीया तंवर (पौत्र, पौत्री) फर्म- आर.के. एन्टरप्राईजेज

आम सूचना सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्रीमती उर्मिला मीना एवं राम चरण बंजारा ने श्री चौंद चौंदना पुत्र श्री भूराजी, निवासी 69/393, हीरा पथ, वी.टी. सर्किल के पास, मानसरोवर, जयपुर राजस्थान 302020 से जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर की आवासीय योजना "पूनम विहार" स्थित जगतपुरा जिला जयपुर राजस्थान में प्लाट नं. 91 कॉर्नर को क्रय किया है किसी व्यक्ति संस्था, वारीसान या किसी अन्य को उक्त प्लाट के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में सूचित करें। 7 दिवस पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
जयपुर दिनांक-18/6/26
नरेन्द्र मोहन शर्मा, एडवोकेट मो.9414322197, 9351169623

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-1483 दिनांक-16.06.2026
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 81/127 (MIG-B), (एरिया 122.625 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री आशीष सूरी पुत्र श्री महेन्द्र कुमार सूरी को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2205 दिनांक 24.03.1994 को जारी किया गया। श्री आशीष सूरी के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 31.12.1994 को उप पंजीयक सांगानेर जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री आशीष सूरी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 26.02.2003 के द्वारा श्री हरीश कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री गोविन्द नारायण श्री वास्तव को विक्रय कर उप पंजीयक-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री हरीश कुमार श्रीवास्तव द्वारा श्री मनोज चौधरी पुत्र श्री रामचन्द्र चौधरी को दिनांक 15.07.2005 को मुख्तारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री मनोज चौधरी द्वारा मुख्तारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 23.02.2006 के द्वारा 1. श्री प्रेमचन्द पुत्र स्व. श्री गोपीचन्द जैन एवं 2. श्री ऋषभ कुमार जैन पुत्र श्री प्रेमचन्द जैन को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। 1. श्री प्रेमचन्द एवं 2. श्री ऋषभ कुमार जैन द्वारा उक्त आवास को दिनांक 09.01.2007 के द्वारा श्री अशोक पाल शर्मा पुत्र श्री राममेहर शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक-द्वितीय, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री अशोक पाल शर्मा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 19.10.2023 के द्वारा श्रीमती रेखा पत्नी श्री विकास खीची को विक्रय कर उप पंजीयक-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्रीमती रेखा पत्नी श्री विकास खीची द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तानान्तरण बावत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती रेखा पत्नी श्री विकास खीची का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

खोया पाया

मेरे भूखण्ड सं. सी-4/172 जे.डी.ए. की योजना चित्रकूट योजना जयपुर का पंजीकृत जे.डी.ए. मूल पट्टा, साईट प्लान एवं संलग्न स्टाम्प पेपर और मूल कब्जा पत्र कहीं गुम हो गये है जिसकी F.I.R. L.R. NO. 3000657/2025 दर्ज है। सूचित करें-विनय कुमार शर्मा मो. 9829126487, 8209616229

मेरे मकान नं. 6 GF जेडीए कॉलोनी झालाना डूंगरी, रॉयल्टी मार्ग का मूल आवंटन पत्र, झालाना डूंगरी में कहीं गिर गया है, मिलने पर सूचित करें-नीलम कौर 8741016737

मेरे प्लॉट संख्या बी/176 जेडीए स्कीम बक्सावाला जयपुर का मूल आवंटन पत्र, साइड प्लान खो गये है सूचित करें राकेश कुमार सैनी-9414047899

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम विदित पंकज चौधरी से बदलकर विदित चौधरी पुत्र श्री पंकज चौधरी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। पता-फ्लैट नं. 201 फर्स्ट फ्लोर, प्लॉट नंबर 176, सिंधी कॉलोनी, आदर्श नगर, जयपुर

मैं विशाल कुमार पुत्र कमलेश कुमार, मेरी समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरी माता का नाम मनीषा देवी दर्ज है जो गलत है उनका सही नाम मनसा देवी है भविष्य में इसी नाम का उपयोग करें 28 सुमेर नगर मानसरोवर जयपुर

मैंने अपना नाम जितेन्द्र कुमार आर्य से बदलकर जितेन्द्र आर्य रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावें। ए-7, सहयोग अपार्टमेंट टॉवर-2, सहयोग मार्ग विद्याधर नगर, जयपुर

मैंने मेरा नाम रंजन से बदलकर राम मुरत रख लिया है भविष्य में मुझे राम मुरत से ही जाना जावें। पता सर्वे नम्बर 52 संजय नगर भट्टा बस्ती, शास्त्रीनगर जयपुर

I have changed my name from RUKKAYA BEGUM TO RUKEYA BEGAM for all purposes R/o 4360 Topkhane ka rasta Ek minar ki masjid Kayam khani mohalla Jaipur.

एच.एम.ए.प्र.क्र. 1065/2023
पेशी दिनांक- 24.07.2026
समक्षः न्यायालय श्रीमान द्वितीय प्रधान न्यायाधीश महोदय कुटुम्ब न्यायालय, इन्दौर (श्री सुरेश कुमार चौबे साहब)
अनीता कनाडे पति हेमराज जैन आयु 33 वर्ष, निवासी फ्लेट नं. 102 दीपशिखा अपार्टमेंट 75, पदमालय कॉलोनी इंदौर ...प्रार्थी
विरूद्ध
हेमराज जैन पिता गुलाब चन्द जैन आयु 51 वर्ष पता सेक्टर 8 प्रताप नगर सांगानेर सेक्टर 11 सांगानेर जयपुर (राज.) व अन्य पता-10/2 कृष्णा अपार्टमेंट प्रताप नगर जयपुर (राज.) ...प्रतिप्रार्थी
प्रार्थी अनीता कनाडे द्वारा हेमराज जैन पिता गुलाब चन्द जैन के विरूद्ध एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 13(1)(A) हिन्दु विवाह अधिनियम 1955 के तहत प्रस्तुत किया है। जिस हेतु आपको दिनांक 24.07.2026 को दिन के 11 बजे दावे में अपना पक्ष रखने हेतु उपस्थित होने के लिए नोटिस दिया जाता है।
आप नियम दिनांक को इस न्यायालय में स्वयं हाजिर/उपसंजात रहे। आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप इस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सभी दस्तावेज जो कि आपके कब्जे या शक्ति में हो पेश करें, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो।
यदि किसी कारणवश उक्त दिनांक को पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो या न्यायालय का पद रिक्त होने की दशा में आगामी नियत दिनांक की जानकारी न्यायालय के रिडर/निष्पादक लिपिक से प्राप्त करें और किसी कारणवश उक्त नियत दिनांक को शासकीय अवकाश घोषित हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई अगले दिन की जावेगी।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई दिनांक 24.07.2026 को इस न्यायालय में हाजिर (उप-संजात) नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई तथा उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यह समंस/नोटिस आज दिनांक 14.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।
इन्दौर दिनांक-14.5.2026
मोहर अदालत
सुरेश कुमार चौबे द्वितीय अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, इन्दौर (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपूतली-बहरोड)
नवोदय स्कूल के पास पावटा-303106 राज.
Email.Id: Nagarpalikapaotapragpura@gmail.com
क्रमांक-न.पा.पाव.प्रा./2026-27/भूमि/457 दिनांक-18.06.2026
आपत्ती आमंत्रण सूचना
निम्न आवेदक ने नगरपालिका कार्यालय में 69-क/स्टेट ग्रांट/कृषि भूमि नियमन पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है, उक्त पत्रावली में किसी को कोई आपत्ती हो तो 07 कार्य दिवस में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा पत्रावली में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	खसरा संख्या	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1	श्री रामेश्वर प्रसाद यादव पुत्र श्री बालूराम यादव	236	कुनेड	246.12	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

पावटा में जिला प्रभारी सचिव वी. सरवण कुमार ने सेवा शिविरों का निरीक्षण किया

पावटा(निसं)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविर आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ उनके द्वार तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। गुरुवार को जिला प्रभारी सचिव एवं जयपुर संभागीय आयुक्त वी. सरवण कुमार ने पावटा में आयोजित सेवा शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

- **नगरपालिका पावटा परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश**

संभागीय आयुक्त ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चेक और प्रमाण पत्र वितरित किए।

इस दौरान पावटा पंचायत समिति के ग्राम प्रेमनगर निवासी कृष्णा देवी पत्नी पूरणमल रैगर का वर्षों पुराना पक्का घर बनाने का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के माध्यम से साकार हुआ।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहा था और बारिश के मौसम में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। योजना के तहत सहायता राशि मिलने के बाद उनका पक्का आवास तैयार हुआ, जिससे परिवार को सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन की नई राह मिली। ग्रामीण सेवा शिविर में जिला प्रभारी सचिव वी. सरवण कुमार एवं एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने लाभार्थी के पति पूरणमल को नए आवास की चाबी सौंपकर शुभकामनाएं दीं।

कृष्णा देवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका परिवार सुरक्षित पक्के मकान में बेहतर जीवन व्यतीत कर सकेगा। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने पावटा नगर पालिका एवं ग्राम प्रेमनगर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचे और शिविरों में प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता, पशुपालन, डेयरी, राजस्व एवं पंचायती राज विभागों को योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने तथा किसानों एवं पशुपालकों को अधिकाधिक लाभान्वित करने के निर्देश दिए। वहीं शहरी सेवा शिविरों में जन्म-मृत्यु पंजीयन, पट्टा वितरण, भवन निर्माण स्वीकृति, सीवर एवं नाली संबंधी समस्याओं सहित नागरिक सुविधाओं से जुड़े लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर वी. सरवण कुमार ने नगरपालिका पावटा परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चेक और प्रमाण पत्र वितरित किए।

उन्होंने अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम में भी सहभागिता निभाई। निरीक्षण के दौरान एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम पावटा डॉ. साधना शर्मा, एसीईओ जगदीश प्रसाद, तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, नगरपालिका अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

रामरतन बने शिक्षक संघ अंबेडकर के जिला अध्यक्ष

टोंक, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर टोंक के जिला स्तरीय चुनाव गुरुवार को पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोठीनातमाम मे टोंक मे आयोजित किया गया। जिसमें चुनाव अधिकारी सर्वेश मेहरा और शिवराज बैरवा ,चुनाव पर्यवेक्षक भगवान सहाय मीणा व सुदर्शन जोनवाल की देखरेख में संपन्न हुए। जिसमें सभाध्यक्ष जयंती प्रकाश नुवाल, जिला अध्यक्ष रामरतन खटीक, जिला महामंत्री जितेंद्र बैरवा, जिला कोषाध्यक्ष बृज मोहन कोली को सर्वसम्मति से निर्विरोध चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियो को प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण बरुपाल, प्रदेश महामंत्री सोहनलाल जोरम, प्रदेश कोषाध्यक्ष हरिराम बड़ीवाल ने माला और साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रामरतन खटीक ने संघठन को मजबूत बनाने और शिक्षकों की मांगो को सरकार के समक्ष समय समय पर उठाने का भरोसा दिया। वही प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण बारुपाल स्थानांतरण पॉलिसी लागू करने, पे प्रोटक्शन ,प्रधानाचार्य काउंसलिंग एवं संगठन के की वेबसाइट को अपडेट करने पर जोर दिया प्रदेश कोषाध्यक्ष हरिराम बड़ीवाल ने मूल्य सूचकांक के अनुसार छात्रवृत्ति, रोस्टर रजिस्टर तथा कार्य शिक्षकों के टेट करने के निर्णय को संशोधन कर रद्द करने की मांग की।

सार-समाचार

टोंक में सब्जी विक्रेताओं को थमाए 500 और 200 के नकली नोट

टोंक(निसं)। जिला मुख्यालय स्थित मुख्य सब्जी मंडी में सब्जी खरीदकर 500 और 200 के एक दर्जन से ज्यादा नकली नोट थमाने का मामला सामने आया है। सूचना पर पुरानी टोंक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और नकली नोट बरामद कर जांच शुरू कर दी। इस मौके पर वहां मौजूद सब्जी विक्रताओं ने बताया कि मंगलवार को अज्ञात बदमाशों ने 50 रुपए की सब्जी खरीदी और उसके बदले 500 का नकली नोट दे दिया, फिर उसे महिलाओं ने 450 रुपए वापस दे दिए। ठगी का खुलासा तब हुआ, गुरूवार सुबह सभी विक्रेता थोक व्यापारियों को बकाया भुगतान करने पहुंचे। व्यापारियों ने नोटों को नकली बताते हुए लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद सभी पीड़ित विक्रेता पुरानी टोंक थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज करवायी। जिसके बाद पुलिस ने नकली नोट जब्त कर जांच शुरू प्रारम्भ की है। सब्जी विक्रेताओं बताया कि अधिकांश विक्रेता महिलाएं हैं, जिन्हें असली-नकली नोट की पहचान नहीं है। इस कारण वे आसानी से ठगी का शिकार हो गईं। इस पर सामाजिक संगठनों ने सब्जी मंडी में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रशासन से मांग की है।

मातोर की बेटी ने किया कमाल रूचि चौधरी बनी सीए

खैरथल। गांव मातोर के थानेदार ज्ञानी राम की बेटी रूचि चौधरी ने फाइनल क्रैक कर कमाल कर दिया। घर में जश्न का माहौल है क्योंकि भाई बलजीत पहले ही बन चुके हैं और छोटी बहन टीना भी फाइनल की दहलीज पर है। मां के त्याग और बच्चों की मेहनत ने छोटे से गांव को बड़ी पहचान दिला दी। रूचि के पिता ज्ञानीराम चौधरी वर्तमान में विद्युत थाना अलवर में थानाधिकारी के रूप में पदस्थापित हैं और माता गृहिणी हैं। बच्चों की पढ़ाई के लिए माता नोएडा में बच्चों के साथ रहकर दिन-रात मेहनत करा रही हैं। रूचि चौधरी का भाई बलजीत चौधरी भी हाल ही में सी.ए. बना है। इनकी छोटी बहन टीना चौधरी भी सी.ए. फाइनल में पहुंच गई है। एक ही परिवार से तीनों भाई-बहनों का की ओर बढ़ना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। ई.पी. विद्यालय के निदेशक आजाद चौधरी व प्राचार्य आचार्य राजेश कुमार ने बिटिया को बधाई देते हुए कहा कि सी.ए. फाइनल में रूचि चौधरी ने सफलता प्राप्त कर अपने माता-पिता, विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। खैरथल के पास छोटे से गांव मातोर के लिए बहुत गर्व की बात है कि एक ही परिवार से दोनों भाई-बहन ने यह सफलता प्राप्त की है।

विराटनगर में 2.88 ग्राम स्मैक सहित महिला गिरफ्तार

पावटा(निसं)। जयपुर रेंज के विशेष अभियान के तहत विराटनगर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2.88 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल नंबर -14--7226 को भी जब्त कर लिया। पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बहरोड़ सतवीर सिंह (आईपीएस) के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली खान एवं वृत्ताधिकारी विराटनगर उमेश कुमार निठारवाल के सुपरविजन में थानाधिकारी बाबूलाल मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने कटले के पास संगियों के मोहल्ले में कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान गीता उर्फ नेडी पत्नी स्व. कैलाशचंद मीणा निवासी वार्ड नंबर 14, कीरो का मोहल्ला, विराटनगर के कब्जे से स्मैक बरामद कर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कार्रवाई में कांस्टेबल कंवर सिंह की विशेष भूमिका रही। कोटपूतली-बहरोड़ पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अवैध नशे के कारोबार की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

स्वयंसिद्धा आश्रम में सात दिवसीय संवाद कार्यक्रम आयोजित

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के डाबला रोड़ स्थित महात्मा बुद्ध संस्थान द्वारा संचालित स्वयंसिद्धा आश्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार चलाये जा रहे सात दिवसीय वृद्धजनों के साथ युवाओं का संवाद अभियान के तीसरे दिन गुरुवार को व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य आश्रम में रह रहे बुजुर्ग नागरिकों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना था। संस्थान के सचिव डॉ. एच. एन. धोलीवाल ने कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वृद्धजन हमारी सभ्यता व संस्कृति के रक्षक हैं और वे आने वाली पीढ़ी के सच्चे मार्गदर्शक हैं। इसलिए समाज और युवाओं की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे बुजुर्गों के मान-सम्मान और सेवा में कोई कमी ना आने दें। डॉ. धोलीवाल ने आश्रम के आवासियों को राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री वृद्धावस्था सम्मान पेंशन योजना, राजस्थान सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पालनहार योजना के लाभ, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी, ताकि सभी आवासी इन योजनाओं का पूरा लाभ उठा सके।

शहरी सेवा शिविर में लोगों को मिला मालिकाना हक

लालसोट(निसं)। नगर परिषद लालसोट में आयोजित शहरी सेवा शिविर में आमजन को बड़ी राहत मिली। शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र लोगों को उनके भूखंडों एवं संपत्तियों के मालिकाना हक से संबंधित दस्तावेज प्रदान किए गए। वर्षों से लंबित मामलों का मौके पर निस्तारण होने से नागरिकों में खुशी का माहौल रहा। शिविर में नगर परिषद अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं सुनीं तथा राजस्व, पट्टा, नामांतरण एवं अन्य शहरी सेवाओं से जुड़े मामलों का त्वरित समाधान किया। मालिकाना हक के दस्तावेज प्राप्त करने वाले लोगों ने राज्य सरकार की इस पहल को आमजन के लिए लाभकारी बताते हुए प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

सार-समाचार

अज्ञात चोरो ने खेतो से की छह मोटरें चोरी, लाखों का नुकसान

टोंक(निसं)। निवाई उपखण्ड के गांव खंणदेवत में बीती रात चोरों ने कई कुओं को निशाना बनाकर वहां लगी पानी की मोटरो को चोरी कर ले गये। इस घटना मे चोरो ने सात एचपी की छह मोटरें, बिजली सप्लाई केबल और फसल में पानी देने वाले पाइप काटकर ले गए, जिससे किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। जब किसान गुरुवार सुबह जब अपने खेतों पर पहुंचे, तो उन्होंने कुओं से मोटरें गायब पाईं। किसानों ने बताया कि केबल, पाइप और मोटरों सहित उन्हें लगभग 5 से 6 लाख रुपए का नुकसान हुआ है, चोरी की सूचना मिलते ही सैकड़ों किसान निवाई थाना कार्यालय पहुंचे तथा चोरी का प्रकरण थाने में दर्ज कराकर कार्यवाही की मांग की। जिस पर थानाधिकारी घासीराम ने तुरंत एक टीम गठित की और मौका स्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस ने किसानों को आश्वासन दिया कि चोरी का जल्द ही खुलासा किया जाएगा और चोरों को पकड़कर चोरी का सामान बरामद किया जाएगा।

पावटा में पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारियों का सद्बुद्धि यज्ञ

पावटा(निसं)। राजस्थान पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संघ की उपशाखा पंचायत समिति पावटा के तत्वावधान में गुरुवार को मंत्रालयिक कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया तथा ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के पूर्ण बहिष्कार की घोषणा की। ब्लॉक अध्यक्ष फूलाराम यादव ने बताया कि मंत्रालयिक कर्मचारियों की विभिन्न मांगों, जिनमें स्वतंत्र कार्य विभाजन, कैडर रिव्यू, नोशनल बेनिफिट, अंतर जिला स्थानांतरण, हार्ड ड्यूटी एलाउंस एवं अतिरिक्त पंचायत भत्ता शामिल हैं, को लेकर 1 जून 2026 से राज्यव्यापी आंदोलन जारी है। आंदोलन के चौथे चरण के तहत 18 जून को ब्लॉक स्तर पर सद्बुद्धि यज्ञ आयोजित किया गया, जबकि 19 जून को जिला परिषद कार्यालयों में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश संगठन के आ ान पर 12 जून से संचालित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 का मंत्रालयिक कर्मचारियों द्वारा पूर्ण बहिष्कार किया जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, आंदोलन जारी रहेगा।

इन्दिरा विस्तार कॉलोनी में सीसी रोड तोड़ने से आवागमन बाधित

निवाई(निसं)। क्षेत्र में विकास कार्यों के नाम पर बरती जा रही लापरवाही आमजन के लिए भारी परेशानी का सबब बनती जा रही है। शहर की इन्दिरा विस्तार कॉलोनी में करीब एक महीना पहले नाली निर्माण कार्य की शुरुआत करने के लिए ठेकेदार द्वारा एक नवनिर्मित सीसी रोड़ को बीच से तोड़ दिया गया था। विडंबना यह है कि जिस सडक़ को लोगों की सुविधा के लिए कुछ समय पहले ही नया बनाया गया था, उसे नाली निर्माण के नाम पर क्षितग्रस्त कर दिया गया और काम को अधूरा ही छोड़ दिया गया। इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण कॉलोनी का मुख्य रास्ता बाधित हो गया है, जिससे यहां रहने वाले नागरिकों को रोजाना भारी दिक्कतों और मानसिक संताप से गुजरना पड़ रहा है। कॉलोनी वासियों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा सडक़ तोड़े जाने के बाद एक महीना बीत चुका है, लेकिन आज तक इस समस्या की सुध लेने कोई नहीं आया। आधी-अधूरी टूटी सडक़ व अधूरे नाली निर्माण के कारण आए दिन राहगीरों व दुपहिया वाहन चालकों के चोटिल होने का अंदेशा बना रहता है। इस लंबी अवधि के बाद भी सडक़ को वापस दुरुस्त नहीं किए जाने से कॉलोनी वासियों में ठेकेदार के खिलाफ गहरा रोष व्याप्त है।

खैरथल में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का कलेक्टर ने शुभारंभ किया

खैरथल, (निसं)। सेटेलाइट हॉस्पिटल में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का गुरुवार को जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने विधिवत फीता काटकर शुभारंभ किया। अब लोगों को महंगी दवाएं नहीं खरीदनी पड़ेगी, यहां 1050 तरह की जेनेरिक दवाएं बाजार से 30 से 90 तक सस्ती मिलेंगी। इसके बाद जिला कलेक्टर ने अस्पताल का निरीक्षण कर सफाई व जांच सुविधाओं का जायजा लिया और खुद का रूटीन चेकअप कराया व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए।

- **सेटेलाइट हॉस्पिटल में खुले औषधि केंद्र पर 1050 दवाएं मिलेगी अब 30 से 90 प्रतिशत तक सस्ती**

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के शुभारंभ पर डाक्टरों से जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश देते जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश।

उद्घाटन के अवसर पर जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को ब्रांडेड दवाइयों के समान गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां बेहद कम कीमत पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि जन औषधि केंद्र पर करीब 1050 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध हैं, जो बाजार मूल्य की तुलना में 30 से 90 तक सस्ती हैं। इससे विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

उद्घाटन के बाद कलेक्टर ने सेटेलाइट हॉस्पिटल के विभिन्न वार्डों एवं चिकित्सा इकाइयों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही वार्डों में उपयोग होने वाली चादरों को नियमित रूप से बदलने और मरीजों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया

इस दौरान कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध जांच सुविधाओं का भी अवलोकन किया। पीएमओ नितिन शर्मा ने बताया कि सेटेलाइट हॉस्पिटल में जांच सुविधाओं का विस्तार किया गया है। वर्तमान में यहां 140 प्रकार की विभिन्न जांचें उपलब्ध हैं। इनमें विटामिन जांच, हार्मोन प्रोफाइल, कैंसर, ट्यूमर संबंधी जांचें सहित अनेक महत्वपूर्ण परीक्षण स्थानीय स्तर पर ही किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने चिकित्सा विभाग की फ्लैगशिप योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने सभी योजनाओं का साप्ताहिक कार्य कार्यक्रम तैयार कर नियमित मॉनिटरिंग करने और निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने स्वयं भी अस्पताल में अपना नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया और उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रूपेश सहित चिकित्सा विभाग के अन्य अधिकारी, चिकित्सकगण एवं अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहा।

किसानों ने प्रदूषण नियंत्रण कमेटी को विरोध दर्ज करवाया

कोटपूतली, (निसं)। ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे को लेकर किसानों ने गुरूवार को पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण समिति के अधिकारियों के सामने अपना विरोध दर्ज करवाया। किसानों ने 'जान देंगे जमीन नहीं देंगे' के संकल्प को दोहराते हुये कहा कि खेतों में खड़े हुए पेड़ों को किसी भी हालत में नहीं काटने देंगे, एक तरफ तो सरकार पर्यावरण को बढ़ावा देने की बात करती है, दूसरी तरफ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के क्षेत्र में आने वाले लाखों पेड़ों को काटने की तैयारी कर रही है। एक तरफ सरकार जैविक खेती के लिए किसानों से वार्ता कर रही है, दूसरी तरफ सरकार किसानों को भूमिहीन करने में लगी हुई है, सरकार की यह दोगली नीति किसान अच्छी तरीके से समझने लगे हैं। किसानों ने कहा किसी भी हाल में इस रोड को नहीं बनने देंगे। ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे किसानों की लाशों के ऊपर से बनेगा, सभी किसानों ने एक साथ इसी आवाज को बुलंद किया। एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने किसानों को आष्वासन दिया कि आपकी मांग को सरकार तक पहुंचाया जायेगा।

किसानों ने गुरूवार को पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण समिति के अधिकारियों के सामने अपना विरोध दर्ज करवाया।

श्रीमद् भागवत कथा में उमड़े श्रद्धालु

शाहपुरा(निसं)। सरकारी रोड़वेज बस डिपो पेट्रोल पंप के पास चल सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन गुरुवार को व्यासपीठ पर विराजमान कथावाचक पंडित राहुल कृष्ण शास्त्री जी महाराज श्री वृन्दावन धाम वाले ने भागवत रचना, बारह अवतार परीक्षित जन्म, नारद व्यास, कपिल देवहुति संवाद की मधुर वाणी में कथा सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथावाचक शास्त्री जी ने कहा कि भागवत कथा जीवन का आधार है इसमें सभी वेद शास्त्रों का सार है। भागवत कथा सुनने के लिए कॉलोनी वासी एवं आसपास की ढाणियों से सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे।

अलवर के रिक्रूट प्रशिक्षण केंद्र में एसएसबी के जवानों ने दिखाए करतब

अलवर(निसं)। अलवर स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के रिक्रूट प्रशिक्षण केंद्र में गुरुवार को एक अद्भुत नजारा देखने को मिला। मौका था खेल विशेष बीआरटीसी बैच की पासिंग आउट परेड का, जहां खेल की दुनिया के भावी हीरों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मैदान पर पसीना बहाकर खुद को तराश रहे इन जवानों को लेकर अफसरों का दावा है कि इन्हीं में से देश के भविष्य के बड़े खिलाड़ी निकलेंगे।

इस विशेष बैच में शामिल प्रशिक्षु विभिन्न खेल विधाओं में माहिर हैं। ट्रेनिंग के दौरान इन खिलाडिय़ों ने न केवल अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया, बल्कि शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता, टीम भावना और कड़े अनुशासन का भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अफसरों के मुताबिक, ये जवान भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में एसएसबी और भारत का नाम रोशन करेंगे।

अलवर में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों रिक्रूट प्रशिक्षण केंद्र में परेड निकाली।

समारोह के मुख्य अतिथि उप महानिरीक्षक संजीव यादव रहे। उन्होंने पासिंग आउट परेड की सलामी ली और नवप्रशिक्षित जवानों को बधाई दी। सशस्त्र सीमा बल राष्ट्र की सुरक्षा और सेवा के लिए समर्पित एक प्रतिष्ठित बल है। नवप्रशिक्षित जवानों से उम्मीद है कि वे अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ निभाएंगे। बल की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाएं और हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। पासिंग आउट परेड के दौरान जवानों का आत्मविश्वास और अनुशासन देखते ही बन रहा था। ट्रेनिंग पूरी होने के उपलक्ष्य में प्रशिक्षुओं ने कई आकर्षक और रोमांचक प्रदर्शन किए। शारीरिक दक्षता, सामूहिक तालमेल और साहस से भरे इन करतबों को देखकर वहां मौजूद दर्शक और अतिथि दंग रह गए और मैदान तालियों से गूंज उठा।

मनोहरपुर पुलिस ने 60 कट्टे यूरिया खाद से भरी पिकअप जब्त की

मनोहरपुर (निसं)। जयपुर ग्रामीण पुलिस के निर्देश पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मनोहरपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैर कृषि कार्य हेतु परिवहन की जा रही 60 कट्टे यूरिया खाद से भरी एक पिकअप वाहन को जब्त किया है। मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि दिनांक 17 जून की रात करीब 1:30 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि हरिकिशनपुरा की ओर जा रही पिकअप संख्या 32 3554 में अवैध रूप से यूरिया खाद का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी सुरेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर वाहन को रुकवाया। पुलिस को देखकर चालक पिकअप सड़क किनारे छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया।

मनोहरपुर पुलिस ने यूरिया खाद से भरी एक पिकअप वाहन को जब्त किया है।

तलाशी के दौरान वाहन में 45-45 किलोग्राम वजन के 60 कट्टे यूरिया खाद बरामद हुए, जिन पर पंजाब की नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड का लेबल लगा हुआ था। पुलिस ने वाहन और खाद को जब्त कर कृषि विभाग को सूचना दी। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा जांच में पाया गया कि बरामद यूरिया खाद का उपयोग कृषि कार्य के बजाय अन्य कार्यों में किया जाना था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 25(1), 28(1)(क) तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मामला दर्ज कर लिया।

- **चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार, कृषि विभाग की जांच में यूरिया का गैर कृषि कार्य में उपयोग पाया गया**

कार्रवाई में थाना प्रभारी सुरेश सिंह, सवाई, सुनील सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है। मनोहरपुर पुलिस का बड़ा एक्शन: गैर कृषि उपयोग के लिए ले जाई जा रही 60 कट्टे यूरिया खाद से भरी पिकअप जब्त चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार, कृषि विभाग की जांच में यूरिया का गैर कृषि कार्य में उपयोग पाया गया।

विराट को अपना भविष्य खुद तय करना चाहिए। जिस तरह सचिन तेंदुलकर ने किया था, क्योंकि वे भी महान खिलाड़ी हैं। श्रीकांत का तो यहां तक दावा है कि वह कप्तान भी दमदार थे, लेकिन उनके पास सिर्फ आईसीसी ट्रॉफी नहीं थी।
- के. श्रीकांत

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विराट कोहली के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — ऑस्कर सांचेज

फुटबॉल वर्ल्ड कप में इंग्लैंड टीम के बेस से 15 मिनट की दूरी पर फायरिंग से एक की मौत और 4 लोग घायल हो गए हैं। अमेरिका के कैनसस सिटी में 22 साल के ऑस्कर सांचेज-मुनोज को घटना का दोषी पाया गया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार रात आधे घंटे के भीतर हुई चार अलग-अलग शूटिंग की गई। इन घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने आरोपी ऑस्कर सांचेज-मुनोज को हथियारबंद और खतरनाक बताया है। अधिकारियों के अनुसार उसके खिलाफ वायंडॉट काउंटी से एक लाख डॉलर का बॉन्ड वारंट भी जारी किया गया है।

क्या आप जानते हैं ?... फाइनल में हैट्रिक : इंग्लैंड के ज्योफ हर्स्ट (1966) एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने फाइनल मैच में हैट्रिक लगाई है।

आज के मैच

स्विटजरलैंड बनाम बोस्निया
सुबह 12.30 बजे

कनाडा बनाम कतर
सुबह 3.30 बजे

मैक्सिको बनाम दक्षिण कोरिया
सुबह 6.30 बजे

रोनाल्डो रहे फ्लॉप, विश्व कप के पहले मैच में पुर्तगाल को कांगो ने दिया बड़ा झटका

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के पहले मैच में ही रोनाल्डो ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 18 जून। विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पहली ही चुनौती कई बार टीमों को उनकी वास्तविक स्थिति का एहसास करा देती है। पुर्तगाल के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब उसे अपने शुरुआती मुकाबले में अपेक्षाकृत कम चर्चित कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के खिलाफ बराबरी पर रुकना पड़ा। हालांकि टीम के अनुभवी कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो का मानना है कि इस परिणाम को लेकर अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं है। पुर्तगाल ने विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं की। ह्यूस्टन में खेले गए मुकाबले में टीम को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के खिलाफ 1-1 की बराबरी से संतोष करना पड़ा। मैच में पुर्तगाल ने गेंद पर अधिक समय तक नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन पूरे मुकाबले में उसके खाते में केवल एक ही निशाने पर लगाया गया प्रयास दर्ज हुआ। मुकाबले के बाद कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने टीम के प्रदर्शन का बचाव किया और कहा कि परिणाम भले ही निराशाजनक रहा हो, लेकिन पुर्तगाल ने जीत के लिए पूरा प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि फुटबॉल में कई बार ऐसे नतीजे सामने आते हैं, जहां बेहतर दिखने वाली टीम भी जीत हासिल नहीं कर पाती। रोनाल्डो ने कहा कि पुर्तगाल यह मुकाबला जीत सकता था, लेकिन दूसरी ओर हार भी सकता था। उनके अनुसार टीम में किसी चीज की कमी नहीं थी और अब ध्यान अगले मुकाबले पर केंद्रित किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इस मैच के साथ एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। वह अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी के साथ विश्व कप के छह संस्करणों में खेलने वाले दुनिया के चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। हालांकि इस बार रोनाल्डो का प्रदर्शन उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा। उन्होंने पूरे 90 मिनट मैदान पर बिताए, लेकिन उनके तीनों प्रयास लक्ष्य से भटक गए। मौजूद जानकारी के अनुसार, वह जून 2021 के बाद से किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पेनाल्टी के अलावा कोई गोल नहीं कर सके हैं। मैच के बाद रोनाल्डो ने सामाजिक माध्यम पर भी संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा कि यह शुरुआत वैसी नहीं थी जैसी टीम चाहती थी, लेकिन टूर्नामेंट अभी बहुत लंबा है और आगे कई अवसर बाकी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों और समर्थकों से सकारात्मक बने रहने की अपील की।

आयरन मैन का खिताब जयपुर के राजेन्द्र के नाम

जयपुर, 18 जून। राजस्थान के जाने-माने ट्रायथलीट राजेन्द्र भास्कर ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर आयरनमैन का ख़िताब अपने नाम कर लिया है। उन्होंने ये ख़िताब फ्रांस के टूर्स मेट्रोपोल लॉयर वैली में आयोजित प्रतिष्ठित आयरनमैन प्रतियोगिता को 10 घंटे 6 मिनट 31 सेकंड में पूरा कर हासिल किया। राजेन्द्र ने 3.8 किलोमीटर तैराकी, 180 किलोमीटर साइकिलिंग और 42.2 किलोमीटर मैराथन दौड़ सहित कुल 226 किलोमीटर की चुनौती को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस रेस में 90 देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में राजेन्द्र ने तैराकी में 1 घंटा 27 मिनट 55 सेकंड, साइकिलिंग 5 घंटे 00 मिनट 18 सेकंड तथा मैराथन दौड़ 3 घंटे 26 मिनट 53 सेकंड में पूरी की। उनका कुल समय 10:06:31 रहा। इससे पहले राजेन्द्र वर्ष 2019 में तुर्की में आयोजित आयरन मैन 70.3 प्रतियोगिता में 4 घंटे 29 मिनट का समय निकालकर राजस्थान के सबसे तेज हाफ आयरन मैन बने थे।

पदक प्राप्त 50 खिलाड़ियों को मिलेगी कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्त

जयपुर, 18 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नेशनल चैम्पियनशिप और पैरा नेशनल चैम्पियनशिप में पदक प्राप्त 50 खिलाड़ियों को कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति दिए जाने एवं इन्हें माध्यमिक शिक्षा विभाग आवंटित किए जाने की मंजूरी प्रदान की है।उल्लेखनीय है कि नेशनल चैम्पियनशिप एवं पैरा नेशनल चैम्पियनशिप में पदक प्राप्त इन 50 खिलाड़ियों को जांच एवं परीक्षण उपरांत नियुक्ति के योग्य पाया गया है। मुख्यमंत्री ने इन 50 खिलाड़ियों को नियुक्ति प्रदान करने के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है। शीघ्र ही इन्हें माध्यमिक शिक्षा विभाग में कनिष्ठ सहायक के पदों पर पदस्थापित किया जाएगा।मुख्यमंत्री के इस निर्णय से प्रतिभावान युवा खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने एवं प्रदेश में खेलों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

आईपीएल का नया शेड्यूल तय, 10 मार्च से शुरू होकर 15 मई तक चलेगा टूर्मामेंट : सैकिया

नई दिल्ली, 18 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव देवाजीत सैकिया ने गुरुवार को कहा कि खराब मौसम के असर को कम करने के लिए, अगले सीज़न से इंडियन प्रीमियर लीग 10 मार्च से शुरू होकर 15 मई तक खत्म हो सकती है। देवाजीत सैकिया ने बताया कि अगले सीज़न से, खराब मौसम से बचने के लिए आईपीएल 10 मार्च को शुरू हो सकता है और 15 मई तक खत्म हो सकता है। आम तौर पर मार्च के दूसरे हिस्से से लेकर मई के आखिर तक होता है। मई में भारत के कुछ हिस्सों में मॉनसून के आने की वजह से, बोर्ड मैचों में होने वाली रुकावटों को कम करने के लिए शेड्यूल में बदलाव करने पर विचार कर रहा है।

रिकॉर्ड ब्रेकर स्मृति मंधाना का जलवा, टाईम ने माना उन्हें सबसे प्रभावशाली हस्ती

नई दिल्ली, 18 जून। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्मृति मंधाना और दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा, इस महीने की शुरुआत में जारी टाईम मैगज़ीन की खेल जगत के 100 सबसे प्रभावशाली लोग 2026 की सूची में शामिल एकमात्र क्रिकेटर हैं। उनका इस सूची में शामिल होना वैश्विक क्रिकेट जगत पर उनके अहम प्रभाव को दर्शाता है। टाईम के एडिटर-एट-लार्ज चार्ली कैंपबेल ने स्मृति मंधाना की शानदार करियर उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए बताया कि वह घरेलू वनडे में दोहरा शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला और क्रिकेट के तीनों फ़ॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाली पहली महिला बनीं। उन्होंने उनके 17 अंतरराष्ट्रीय शतकों का भी ज़िक्र किया, जो महिला क्रिकेट में सबसे ज़्यादा हैं।

आईएचएफ के नवीनतम नियमों एवं आधुनिक ऑफिशिएटिंग पर गहन प्रशिक्षण

जयपुर, 18 जून। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय राज्य स्तरीय रेफ़रीज़ क्लिनिक का दूसरा दिन गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। क्लिनिक का मुख्य उद्देश्य हैंडबॉल रेफ़रियों को अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल महासंघ के नवीनतम नियमों, तकनीकी ज्ञान और आधुनिक मैच संचालन कौशल से प्रशिक्षित कर अपडेट करना है। दिन की शुरुआत शारीरिक फिटनेस सत्र से हुई। इसमें रेफ़रियों की उपयुक्तता और मैच की तैयारी को बेहतर बनाने के लिए विशेष वार्म-अप प्रोटोकॉल एवं शारीरिक तैयारी अभ्यासों पर ध्यान केंद्रित किया गया। थ्योरी सेशन में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को आईएचएफ के नए अपडेटेड नियमों की विस्तृत जानकारी दी। इसमें इलेक्ट्रॉनिक टीम टाइम-आउट, वीडियो रिप्ले सिस्टम, प्रतिस्थापन क्षेत्र के नए दिशानिर्देश तथा सुरक्षात्मक उपकरणों से संबंधित संशोधित नियम प्रमुख रहे। सायंकालीन सत्र "ऑफिशिएटिंग मैकेनिज्म" पर केंद्रित रहा। रेफ़रियों को सीटी बजाने की सही तकनीक, कोर्ट पर पोजीशनिंग, रनिंग रूट्स, मानक हैंड सिग्नल्स तथा रेफ़री जोड़ी के बीच आपसी तालमेल व प्रभावी संचार का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि यह क्लिनिक आगामी दिनों में भी उन्नत रेफ़रिंग तकनीकों, मैच प्रबंधन और त्वरित निर्णय लेने के कौशल पर विशेष रूप से केंद्रित रहेगा।

हैरी केन के रिकॉर्ड दो गोल के दम पर जीता इंग्लैंड

नई दिल्ली, 18 जून। हैरी केन ने दो गोल करके वर्ल्ड कप फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने के इंग्लैंड के रिकॉर्ड की बराबरी की जिससे उनकी टीम ने ग्रुप एल के अपने पहले मैच में क्रोएशिया पर 4-2 की जीत से अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

केन ने 12वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। उन्होंने इसके बाद 42वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। मार्टिन बटुरिना (36वें) और पीटर मूसा ने पहले हाफ में गोल करके क्रोएशिया को मुकाबले में बनाए रखा। मूसा ने अपना गोल पहले हाफ के इंजरी टाइम के अंतिम क्षणों में किया। लेकिन जूड बेलिंघम (47वें) ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद ही इंग्लैंड को निर्णायक बढ़त दिला दी। मार्कस रैशफोर्ड ने 85वें मिनट में बढ़त को और मजबूत कर दिया। इन दोनों टीम के बीच 2018 में सेमीफाइनल में मुकाबला हुआ था जिसे क्रोएशिया ने जीता था लेकिन यहां इंग्लैंड की टीम बेहतर साबित हुई।

हाफ टाइम तक स्कोर 2-2 से बराबरी पर था, लेकिन इंग्लैंड ने इसे 3-2 से अपने पक्ष में करने में देर नहीं लगाई।बेलिंघम ने इलियट एंडरसन से एक लंबा पास लिया और एक डिफेंडर और गोलकीपर डोमिनिक लिवकोविच को छकाते हुए गोल कर दिया।केन अब विश्व कप में 10 गोल कर चुके हैं। उन्होंने 1986 और 1990 के टूर्नामेंट में खेलने वाले गैरी लाइनकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी का पहला गोल पेनल्टी किक पर मिले दूसरे मौके पर आया। लिवकोविच ने उनका पहला शॉट रोक दिया था लेकिन इसे वीडियो समीक्षा से पता चला कि जब केन ने गेंद पर शॉट मारा तब गोलकीपर के दोनों पैर गोल लाइन से बाहर थे।

केन ने दूसरे प्रयास में भी दाहिने पोस्ट की ओर उसी दिशा में शॉट लगाया, जबकि लिवकोविक ने दूसरी दिशा में यानि अपनी दाहिनी ओर छलांग लगाई।पेनल्टी तब दी गई जब अपने पांचवें विश्व कप में खेल रहे 40 वर्षीय मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने नोनी माडुएके की जांघ पर लात मारी।केन ने डेक्लन राइस के कॉर्नर किक पर जोरदार हेडर लगाकर दूसरा गोल किया और इस तरह से लाइनकर के रिकॉर्ड की बराबरी की। केन के अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या 81 हो गई है

।क्रोएशिया के कोच यलात्को डैलिच ने कहा, हमने दो गोल किए जो अच्छे प्रयासों और अनुकूल परिस्थितियों का परिणाम थे, लेकिन वे काफी नहीं थे। इंग्लैंड के खिलाफ खेलना बहुत कठिन था, हमें रक्षापंक्ति को भी मजबूत करना होगा। इंग्लैंड को दूसरे हाफ के शुरू में गोल करने के कुछ और अच्छे मौके मिले थे और अगर वह इनका फायदा उठा लेता तो जीत का अंतर और बेहतर होता।

आईओए एथलीट फोरम में हिस्सा लेंगी सुरभि मिश्रा

जयपुर, 18 जून। भारतीय ओलंपिक संघ के एथलीट कमीशन द्वारा आयोजित एथलीट फोरम 2026 में राजस्थान की पूर्व अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी सुरभि मिश्रा भी हिस्सा लेने जाएंगी। एथलीट फोरम का आयोजन 19 जून को दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में होगा, जिसमें देशभर के विभिन्न राष्ट्रीय खेल महासंघों द्वारा नामित खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की पूर्व कप्तान और गोलकीपर अदिति चौहान की ओर से सुरभि मिश्रा को भेजे आमंत्रण में बताया गया है कि भारतीय ओलंपिक संघ का एथलीट आयोग खिलाड़ियों के लिए बेहतर कल्याणकारी व्यवस्था, सुरक्षित खेल वातावरण, क्लीन स्पोर्ट और खेल जीवन के बाद करियर निर्माण जैसे विषयों पर कार्य कर रहा है। सुरभि मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष आयोजित होने वाले एथलीट फोरम का मुख्य विषय करियर ट्रांजिशनिंग रखा गया है। फोरम के माध्यम से खिलाड़ियों को खेल जीवन से आगे के करियर विकल्पों, रोजगार, शिक्षा, नेतृत्व विकास और जीवन कौशल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाएंगी। साथ ही खिलाड़ियों को अपनी समस्याएं और सुझाव सीधे एथलीट आयोग के समक्ष रखने का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि फोरम में देश के विभिन्न खेलों के शीर्ष खिलाड़ी, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, खेल प्रशासक और विशेषज्ञ भाग लेंगे। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

आर.डी. बाहेती मेमोरियल जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप 23 से

जयपुर, 18 जून। आर.डी. बाहेती मेमोरियल जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 का आयोजन 23 जून से 29 जून तक एस.एम.एस. स्टेडियम इंडोर बैडमिंटन हॉल, जयपुर में किया जाएगा। प्रतियोगिता में जयपुर जिला बैडमिंटन टीम का चयन किया जाएगा जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत एवं आर.डी. बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रदीप बाहेती ने बताया कि अंडर-11, 13, 15 एवं 17 आयु वर्ग की प्रतियोगिताएं भारतीय बैडमिंटन संघ द्वारा हाल ही में लागू किए गए नए स्कोरिंग सिस्टम (15 अंक 3 गेम) के अनुसार खेली जाएंगी। प्रदीप बाहेती ने बताया कि प्रतियोगिता उनके पिता स्वर्गीय आर.डी. बाहेती की स्मृति में आयोजित की जा रही है। स्वर्गीय बाहेती एक प्रतिष्ठित समाजसेवी, खेल प्रेमी एवं हास्य सम्राट के रूप में जाने जाते थे उन्होंने स्वयं खेलों के विकास एवं खिलाड़ियों के प्रोत्साहन में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। संघ के कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के चीफ रेफरी के.के. माथुर होंगे, जबकि जगदीश खत्री एवं विकास माथुर डिप्टी रेफरी की जिम्मेदारी निभाएंगे। राजस्थान बैडमिंटन संघ द्वारा नियुक्त धर्मराज शर्मा मैच कंट्रोलर होंगे।

83वें मिनट में दक्षिण अफ्रीका की वापसी, चेकिया से की 1-1 की बराबरी

अटलांटा, 18 जून। टूर्नामेंट का 25वां मुकाबला ग्रुप-ए की चेकिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के बीच अटलांटा स्टेडियम में खेला गया। चेकिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती बढ़त हासिल कर ली थी। मुकाबले के छठे मिनट में माइकल सादिलेक ने पहला गोल दागा और टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हाफ-टाइम तक चेकिया 1-0 से आगे थी। उनके लिए मुकाबले की शुरुआत के छठवें मिनट में ही माइकल सादिलेक ने पहला गोल दागा और टीम को बढ़त दिलाई। 83वें मिनट में दक्षिण अफ्रीका ने वापसी कर ली। उनके लिए तेबोहो मोकोएना ने गोल कर टीम को चेकिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर पहुंचा दिया।

महिला हॉकी नेशंस कप : भारत ने उरुग्वे को 3-2 से हराया

ऑकलैंड, 18 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को आखिरी पूल मैच में उरुग्वे को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। इस जीत के साथ भारत ने पूल ए में शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया, जिसमें अमेरिका, जापान और उरुग्वे पर लगातार तीन जीत शामिल हैं। अमेरिका पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा और भारत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया।

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेले गए मुकाबले में भारत के लिए दीपिका (24वें मिनट, 56वें मिनट) और दीपिका सोरेंग (43वें मिनट) ने गोल किए। उरुग्वे के लिए चियारा एपेंनिनो (13वें मिनट) और मैनुएला विलार (55वें मिनट) ने गोल दागे। यह मैच मिडफील्डर नेहा के लिए एक खास मौका था, जिन्होंने भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला।

अजमेर के ताइक्वांडो कोच पर गंभीर आरोप

नियमों को ताक पर रख मासूम बच्ची को बड़े लड़के से लड़वाया

पेट में किक लगने से घायल

अजमेर, 18 जून। रामगंज पुलिस थाना इलाके में स्थित चन्द्रबरदाई नगर में खेल प्रशिक्षण के नाम पर मासूम बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक ताइक्वांडो और कराटे कोच पर अपनी ही नाबालिग छात्रा के साथ गंभीर लापरवाही बरतने और उसकी सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगा है। पीड़ित बच्ची के पिता पूरनचंद ने जिला कलेक्टर को शिकायती पत्र सौंपकर कोच के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और कोचिंग बंद करवाने की मांग की है, क्योंकि जो घटनाक्रम उनकी बेटी के साथ हुआ है वो किसी ओर की बेटी के साथ न हो। फलक के पिता अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए दर-दर भटक रहे है।

आरोप है कि बीते 14 मई 2026 को ट्रेनिंग और प्रतियोगिता के दौरान कोच यशवर्धन सिंह द्वारा भारी लापरवाही बरती गई। कोच ने खेल के स्थापित नियमों के विपरीत जाकर पलक का मुकाबला एक ऐसे लडक़े से करवा दिया, जो उम्र, लंबाई और वजन में फलक से काफी बड़ा था। नियमों के अनुसार बालिकाओं का मुकाबला हमेशा समान आयु, वजन और वर्ग के खिलाड़ी से ही कराया जाना चाहिए, लेकिन यहां सारे नियमों को दरकिनार कर दिया गया। पीड़ित पिता का आरोप है कि कोच यशवर्धन सिंह ने उनकी बेटी फ़लक को लगातार तीन बार उसी भारी-भरकम लडक़े के साथ फाइट करने पर मजबूर किया। इस मुकाबले के दौरान लडक़े द्वारा पेट में लगातार कई किक (लातें) मारने से बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई।

दौसा का क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कोटा को चार विकेट से हराया

जयपुर, 18 जून। दौसा महिला टीम ने टूर्नामेंट में प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीता कोटा को 4 विकेट से हराया। क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है जिसका अगला मुकाबला सीकर से होगा। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित सीनियर महिला चैंपियनशिप 2026-27 के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला जो अलवर में सूरत क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित किया गया जिसमें दौसा की टीम ने कोटा की टीम को 4 विकेट से हराया दौसा की टीम ने पहले क्षेत्ररक्षन करते हुए निर्धारित 50 ओवर के मुकाबले में कोटा की पूरी टीम को 141 रन 37 ओवर में समेट दिया। दौसा टीम द्वारा शानदार क्षेत्ररक्षण और कसी हुई गेंदबाजी की बदौलत कोटा की पूरी टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाई। दौसा टीम की और से सोनम सैनी, तनिका शर्मा, याना वर्मा और भूमिका चौधरी ने 22 विकेट लिए।लक्ष्य का पीछा करते हुए दौसा की टीम ने 31 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।दौसा की टीम से तनिका शर्मा ने 30 रन, याना वर्मा ने 22 रन और सोनम सैनी ने 24 रन और मोनिका धवन ने 21 रन बनाए। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि सीनियर महिला टूर्नामेंट में दौसा की टीम ने प्री क्वार्टर मैच जीत कर टीम ने क्वार्टर फाइनल में क्वालीफाई कर लिया है।

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 78 दिनांक :- 18/06/2026

संशोधित ईपीसी बिड़ सूचना संख्या: 09/2025-26

इस कार्यालय द्वारा जारी ईपीसी बिड़ सूचना संख्या 09/2025-26 में संशोधन उपरान्त बिड़ प्रपत्र डाउनलोड व अपलोड करने की अन्तिम तिथि 30.07.2026 सायं 6.00 बजे तक, मूल प्रपत्र कार्यालय में जमा कराने की तिथि 03.08.2026 सायं 4.00 बजे तक, तकनीकी बिड़ खोलने की तिथि 05.08.2026 अपरान्ह 3.00 बजे एवं वित्तीय बिड़ खोलने की तिथि 11.08.2026 प्रातः 11.00 बजे रहेगी। अन्य शर्तें मूल बिड़ अनुसार यथावत रहेगी।

राज.संवाद/सी/26/5142 अतिरिक्त मुख्य अभियंता-तृतीय, जयपुर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 22828279 दिनांक :- 12/06/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 11/2026-27

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यो अनुमानित लागत राशि 3024.68 लाख की ई-निविदा दिनांक 09.07.2026 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।

UBN No. : AJD2627WLOB00062 - 00063

राज.संवाद/सी/26/5117 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु/स्टोर शाखा/2026/2139 दिनांक :- 14.06.2026

:-ई-निविदा सूचना-2026-27:-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 19.06.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक DLB2627GLOB07619 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/5083 आयुक्त, नगर परिषद, सुजानगढ

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ, जिला करौली (राज.)

क्रमांक :- 968 दिनांक - 15.06.2026

ई-निविदा सूचना वर्ष 2026-27

नगर पालिका सूरौठ की ओर सफाई कार्य के लिए दोनो जोनो के वार्डो में सफाई व्यवस्था एवं शौचालयों/मूत्रालयों की सफाई कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिऐ निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिसनमें पंजीकृत संवेदको/एन.जी.ओ./प्लेसमेन्ट एजेन्सियों/उत्पादको/संभरण कर्ताओ एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण बेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in तथा eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। इच्छुक संवेदको को ई-निविदा में भाग लेने हेतु बेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है।

NIB Code DLB2627A3108

राज.संवाद/सी/26/5080 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सूरौठ

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग

खण्ड-तारानगर (राजस्थान) 331304

exennphed trn@rediffmail.com eetar.chu.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक-438-450 दिनांक-15.06.2026

NOTICE INVITING TENDERS FOR WORKS (Short term notice)

Online tenders are hereby invited on behalf of the Hon'ble Governor of Rajasthan for the following works from eligible enlisted Contractor/ Firm as per Rules. Details of this tender notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIT exhibited on web site www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, and http://eproc.rajasthan.gov.in. Online Tenders are to be submitted on web site. Tender fee shall be submitted through e-GRAS only in respective budget head and bid security as per Annexure. Online Tendar website submitted Last Date & time For submission Up to 22-06-2026 (06:00 PM)

Sr. No.	NIT No.	UBN No.
1	22/2026-27	PHE2627WSOB02048

SAVE WATER-SAVE LIFE

DIPR/C/10804/2026 Executive Engineer, PHED Division Taranagar Contact: 98871-81073

Office of the Superintendent Engineering Watershed Development and Soil Conservation, Karauli

File No. ()/840/44 Date: 12.06.2026

NOTICE INVITING BID

NIB NO. 01,02/2026-27 YEAR 2026

Bids for Talab, Talai, ECD Mpt, Farm pond, ECD Pakka check dam, Anicut, PT, e.t.c. of MJSA 2.2 & 2.3 Block-KARAULI, TODABHIM HINDAUN, NADOTI, SAPOTRA & SHREE MAHAVEER JI (TOTAL 10 packs) estimated value INR 32.00, 46.81, 81.10, 18.42, 72.76 & 26.22 lacs (06 packs) And 44.70, 48.16, 3552 & 50.55 (04 packs) are invited from interested bidders up to 06.00 PM 22.06.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state and department website (https://water.rajasthan.gov.in/wdsc)

NIT NO.	NIB NO.	UBN NO.
01/2026-27	WSC2627A0401	WSC2627WSOB00635 to 640
02/2026-27	WSC2627A0405	WSC2627WSOB00641 to 644

DIPR/C/10747/2026 Superitending Engineer watershed development and soil conservation Department, Karauli

Office of the Executive Engineer, Watershed Development & Soil Convervation Kolayat (Bikaner)

S.No. 262-68 Date: 12.06.2026

NOTICE INVITING BID

NIB NO. WSC2627A0386

On the befalf of Governor of Rajasthan, bids for the execution of Construction of Farm Pond & Arable Tanka Works under MJSA 2.2 & 2.3 Projects of estimated value INR 226.50 Lakhs as mentioned below are invited from interested bidders up to 22.06.2026, 06.00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, and www.watershed.rajasthan.gov.in departmental website.

Bid No.	Block	Estimated Cost, (Rs. in lakhs)	UBN NO.
1	Kolayat	45.00	WSC2627WSOB00603
2	Kolayat	37.50	WSC2627WSOB00604
3	Kolayat	72.00	WSC2627WSOB00605
4	Kolayat	72.00	WSC2627WSOB00606

DIPR/C/10654/2026 (Dinesh Chandar Pandey) Executive Engnieer WDSC, Kolayat (Bikaner)

कार्यालय नगरपालिका, सांचौर जिला-जालौर (राज.)

(टेलिफोन नम्बर-02979-283280 व ई-मेल आई.डी. eosanchore.lsg@rajasthan.gov.in & eosanchore2010@gmail.com)

क्रमांक/न.पा.सां./ई-निविदा/2026/1538 दिनांक :- 15.06.2026

-:: ई निविदा सूचना 04/2026-27

नगर पालिका सांचौर निविदा क्रमांक 1510 दिनांक 12.06.2026 द्वारा विभिन्न निर्माण का कार्य करवाये जाने हेतु पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण जरीये यूबीएन नं. से वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

निविदा में कुल कार्य	03 कार्य
निविदा प्रपत्र ऑनलाईन भरने की अंतिम तिथि	दिनांक 30.06.2026 दोपहर 4.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करवाने की तिथि	दिनांक 30.06.2026 दोपहर 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 01.07.2026 सांय 11.00 बजे से

UBN NO.
DLB2627WSRC07636
DLB2627WSRC07637
DLB2627WSRC07640

राज.संवाद/सी/26/5070 अधिशाषी अधिकारी

मुख्यमंत्री भजनलाल ने योगाभ्यास किया

मुख्यमंत्री निवास पर हुए कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती के पदाधिकारी व आर.ए.सी. के जवानों ने भी भाग लिया

जयपुर, 18 जून। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर क्रीड़ा भारती राजस्थान के पदाधिकारियों एवं आरएसी जवानों के साथ योग एवं प्राणायाम अभ्यास किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में अधिक से अधिक लोगों से भाग लेने की अपील की।

कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की एक प्रभावी जीवनशैली है। उन्होंने नियमित योगाभ्यास को मानसिक शांति, शारीरिक सुदृढ़ ता और आत्मिक संतुलन का आधार बताते हुए प्रदेशवासियों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर क्रीड़ा भारती राजस्थान के पदाधिकारियों एवं आरएसी जवानों के साथ योग एवं प्राणायाम अभ्यास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरी दुनिया अपना रही है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया गया। इस दौरान क्रीड़ा भारती राजस्थान के पदाधिकारी, आरएसी के जवान तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अमेरिकी राजदूत ने अमित शाह से मुलाकात की

नई दिल्ली, 18 जून। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से यहां मुलाकात की तथा दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को और सुदृढ़ करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि

- मुलाकात में दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग और सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

उन्होंने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ विशेष रूप से आतंकवाद-रोधी और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को और मजबूत बनाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत, भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच बढ़ ते द्विपक्षीय संबंधों का लाभ भारत और अमेरिका के नागरिकों को मिलेगा।

राज्यसभा चुनाव: कांग्रेस का प्रत्याशी हारा

कांग्रेस के दो तथा भाजपा का एक वोट रद्द हुआ, राजद व भाकपा (माले) पर क्रॉस वोटिंग के आरोप

रांची, 18 जून। झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए हुए चुनाव की मतगणना में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला। वोटों की गिनती के दौरान कांग्रेस के दो और बीजेपी का एक वोट रद्द हो गया, जबकि राजद और भाकपा माले के विधायकों पर क्रॉस वोटिंग के आरोपों ने सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी। मतगणना के बाद झामुमो उम्मीदवार बैद्यनाथ राम और एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी को विजयी घोषित किया गया। दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को केवल 19

- मतगणना के बाद झामुमो के वैद्यनाथ राम तथा एनडीए समर्थित निर्दलीय परिमल नाथवानी विजयी घोषित हुए।

वोट मिले और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। परिणाम घोषित होते ही कांग्रेस खेमे में निराशा का माहौल दिखा। मतगणना स्थल से कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, प्रत्याशी प्रणव झा समेत कई मंत्री और विधायक बाहर निकल गए।

कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू ने कहा कि "कांग्रेस के सभी 16 वोट सुरक्षित हैं। झामुमो ने चार वोट दिए और कांग्रेस को 20 वोट मिले। यह स्थिति इसलिए पैदा हुई क्योंकि निर्दलीय उम्मीदवार ने पैसे का इस्तेमाल किया।"

कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के लिए बेहद दुखद और शर्मनाक घटना है।

'रामगोपाल यादव के नेतृत्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर पहले आंतरिक संघर्ष देखने को मिला था, लेकिन अखिलेश यादव ने मुख्य रूप से भाजपा के खिलाफ प्रमुख चुनौतीकर्ता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। हालांकि यह संभव है कि चुनाव के अंतिम चरणों में टिकट न मिलने या अन्य कारणों से असंतोष रखने वाले कुछ व्यक्तियों में नाराजगी दिखाई दे, लेकिन अखिलेश ने पार्टीजनों में अपनी स्थितित काफी मजबूत कर ली है, और मौजूदा स्थिति में बड़े पैमाने पर दलबदल की संभावना बहुत कम मानी जा रही है।

फिर भी, भाजपा और उसके सहयोगियों द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान अन्य उद्देश्यों की पूर्ति भी कर सकता है, जैसे कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराना, संदेह पैदा करना और अस्थिर तत्वों को प्रभावित करना। इन बढ़ी हुई अफवाहों का उद्देश्य सपा की स्थिरता के बारे में सन्देह पैदा करके, समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन के बीच भी दरार पैदा करना हो सकता है, ताकि विपक्षी दलों के बीच भरोसा कमजोर हो और अन्य गैर-भाजपा समूह मजबूत गठबंधन बनाने में हिचकिचाएं।

नीट री-एग्ज़ाम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब वहां से बेहद कड़ी सुरक्षा के बीच इन्हें अलग-अलग परीक्षा केन्द्रों तक भेजा जाएगा। इस मामले में संबंधित एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वायुसेना के विमानों का इस्तेमाल इसलिए किया गया है, ताकि बिना किसी देरी के और पूरी तरह सुरक्षित तरीके से प्रश्नपत्र तय समय पर सही जगह पहुंच सकें और गड़बड़ी की कोई गुंजाइश न रहे। गौरतलब है कि इससे पहले 3 मई को हुई नीट-यूजी परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपर लीक और धांधली के आरोप लगे थे।

शिवसेना के सांसदों ने बड़े ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिछले 48 घंटों में गुप्त बैठकों और देर रात दिल्ली की उड़ानों के जरिए अंजाम दी गई।

यह पूरा घटनाक्रम 16 जून की आधी रात से शुरू हुआ, जब ये सांसद विभिन्न राज्यों से निजी चार्टर्ड विमानों से गुपचुप दिल्ली पहुंचे।

16 जून को रात के डेढ़ बजे नांदेड से निजी विमान द्वारा नरेश पाटिल अश्तिकार दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचे। देर रात सांसद संजय देशमुख और संजय बंडू जाधव भी एक अन्य निजी विमान से दिल्ली आ गए। मध्यरात्रि के ही समय भाऊसाहेब वाकचौरे हैदराबाद से प्राइवेट जेट द्वारा दिल्ली पहुंचे और रात को ही, सांसद संजय दिना पाटिल और विधायक प्रताप सरनाइक भी दिल्ली पहुंच गए।

इसी दौरान, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 17 जून को रात के लगभग 3:00 बजे जयपुर से दिल्ली पहुंचे। इसके बाद 4:30 बजे सांसद श्रीकांत शिंदे (एकनाथ शिंदे के पुत्र) और बागी सांसद ओमराजे निंबालकर पुणे से दिल्ली पहुंचे। सभी छह असंतुष्ट सांसदों को, आगमन के तुरंत बाद, नोएडा के एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

17 जून की सुबह राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गईं और मामला व्यक्तिगत बैठकों से आगे बढ़कर संसदीय प्रक्रिया तक पहुंच गया।

सुबह 7 बजे श्रीकांत शिंदे और

- अब ये सभी 6 बागी सांसद 20 जून को एकनाथ शिंदे से मुलाकात करेंगे, उसके बाद पत्रकारों के सामने दलबदल के कारणों का खुलासा करेंगे।

ओमराजे निंबालकर ने सबसे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मुलाकात की। फिर दस बजकर 20 मिनट पर ओमराजे निंबालकर के नेतृत्व में पांच सांसदों का समूह विस्तृत चर्चा के लिए स्पीकर के कार्यालय पहुंचा।

बताया जाता है कि इस महत्वपूर्ण बैठक में छह सांसदों ने एक हस्ताक्षिरत प्रस्ताव स्पीकर को सौंपा। रिपोर्ट्स के अनुसार, पत्र में कहा गया कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना "अपनी मूल विचारधारा से भटक गई है।" इसके अलावा यह भी दावा किया गया कि पार्टी के वरिष्ठ नेता इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय करने की कोशिश कर रहे हैं।

विचारधारा में बदलाव का हवाला देते हुए, सांसदों ने आधिकारिक रूप से उन्हें शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसदों के रुप में मान्यता देने की मांग की।

प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बाद, ये सांसद अलग-अलग स्थानों पर लौट गए, ताकि दल-बदल की प्रक्रिया पूर्ण हो जाने तक वे नज़रों से दूर रह सकें।

नरेश अश्तिकार चेन्नई के रास्ते तिरुपति गए और भाऊसाहेब वाकचौरे वाराणसी पहुंचे। तथा संजय देशमुख और संजय जाधव अयोध्या चले गए। वहीं, बाकी दो सदस्य, संजय दिना पाटिल और ओमराजे निंबालकर, मुंबई और पुणे लौट गए।

सूत्रों के अनुसार, ये छह बागी सांसद 20 जून को उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में वे मीडिया से भी रूबरू होंगे और अपने दलबदल के कारण बताएंगे।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कराए जाएंगें। इन विकास कार्यों से मण्डियों में किसानों और व्यापारियों के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे कृषि विपणन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

कृषि उपज मण्डी समितियों से जुड़ी संपर्क सड़कों के निर्माण एवं क्षतिग्रस्त सम्पर्क सड़कों की मरम्मत से ग्रामीण क्षेत्रों के किसान अपनी उपज सुगमता से मण्डी तक ला सकेंगे। इससे मण्डियों में फसलों की आवक बढ़े गी, किसानों को अपनी उपज बेचने में आसानी होगी तथा मण्डी राजस्व में भी वृद्धि होगी।

क्या नेतन्याहू यूएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने ईरान के खिलाफ युद्ध लड़ा, वहीं, शांति समझौते की बातचीत में तेल अवीव को लगभग बाहर रखा गया। और इस तथ्य ने, कि ट्रंप ने मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान को चुना, स्थिति को और जटिल बना दिया। सच्चाई यह है कि नेतन्याहू ने इस युद्ध पर अपना सब कुछ दांव लगा दिया था। अमेरिका-ईरान अंतरिम समझौते ने इज़रायल के कई लक्ष्यों को अधूरा छोड़ दिया है और नेतन्याहू को ट्रंप से भी दूर कर दिया है।

ट्रंप और नेतन्याहू के संबंध भी अब पहले जैसे नहीं रहे, जब फरवरी में नेतन्याहू वाइट हाउस पहुंचे थे और ईरान पर हमले की योजना पेश की थी और ट्रंप उससे तुरन्त प्रभावित हो गये थे। इस समझौते में इज़रायली प्रधानमंत्री को ऐसी कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं हुई, जिसे चार महीने बाद होने वाले चुनावों में वे जनता के सामने प्रस्तुत कर सकें। ईरान पर हमला और उसके सहयोगियों, जैसे हिज़्बुल्लाह,को कमजोर करना नेतन्याहू का दशकों पुराना लक्ष्य रहा है। उन्होंने हमेशा ईरान और उसके सहयोगियों को इज़रायल और मध्य पूर्व के लिए बड़ा खतरा बताया है। लेकिन उन्हें वाइट हाउस में इस विचार वाला साझेदार नहीं मिला। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद नेतन्याहू ने एक अवसर देखा और 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर हमला कर दिया।

लेकिन हालात तब उलट गए, जब ईरान ने होर्मुज़ स्ट्रेट को बंद कर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर दिया। अमेरिका में आर्थिक दबाव बढ़ने लगा और ट्रंप की लोकप्रियता भी गिरने लगी। अंततः सीमित विकल्पों के चलते ट्रंप ने इज़रायल की राय के बिना ही जल्दबाज़ी में एक समझौता कर लिया।

नतीजा यह रहा कि अमेरिका और इज़रायल अपने घोषित लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाए। ईरान की धार्मिक सत्ता अब भी मौजूद है, और उसका उच्च-स्तरीय संवर्धित यूरेनियम भंडार , जो परमाणु - हथियार बनाने में काम आने वाला प्रमुख तत्व है, भी अभी देश के भीतर मौजूद है। इसके अलावा, ट्रंप ने यू-टर्न लेते हुये यह भी कहा है कि अमेरिका ईरान पर बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम छोड़ने के लिये दबाव नहीं डालेगा।

महाराष्ट्र सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिवसेना यूबीटी की ओर से आज दिल्ली में सभी नौ सांसदों की मीटिंग बुलाई गई थी, लेकिन इनमें से सिर्फ तीन सांसद उपस्थित थे। इसके बाद इन सभी छह बागी सांसदों को पार्टी की ओर से सात दिन का समय देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। हालांकि शिवसेना शिंदे समूह के एमएलसी चंद्रकांत रघुवंशी ने दावा किया है कि शिवसेना यूबीटी के सभी छह बागी सांसद उनकी पार्टी में शामिल हो गए हैं।

तृणमूल का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हजारों फुटबॉल प्रशंसकों, जिनमें अधिकतर युवा थे, ने लियोनेल मेसी की एक झलक पाने के लिए भारी रकम चुकाई थी। लेकिन अरूप बिस्वास ने दादागिरी से सभी टिकट धारकों को कार्यक्रम से बाहर निकाल दिया।

इस अव्यवस्था और वास्तविक टिकट धारकों को बाहर किए जाने के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। टिकट धारकों ने पैसे वापस करने की मांग की, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ।

बताया जाता है कि अरूप बिस्वास ने बार-बार मेसी के साथ तस्वीरें लेने के लिए उन्हें गले लगाया और उनके साथ अत्यधिक निकटता दिखाई। बाद में जब स्थिति और बिगड़ गई, तब मेसी को अव्यवस्था के बीच स्टेडियम से सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी पूर्व खेल मंत्री के व्यवहार पर प्रतिकूल टिप्पणी की और पूछा कि क्या अरूप बिस्वास मेसी के बचपन के मित्र हैं कि वे बार-बार उन्हें इस तरह गले लगा रहे थे और कमर से पकड़ रहे थे।

बिस्वास ने एचडीएफसी बैंक की शाखा को पार्टी खाते फ्रीज़ करने के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने स्वयं को पार्टी का कोषाध्यक्ष बताते हुए पत्र पर हस्ताक्षर किए और कहा कि पार्टी इस समय गंभीर उथल-पुथल से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस के दोनों पक्ष पार्टी फंड पर दावा कर रहे हैं। हालांकि, मौजूदा नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी विधायकों ने कहा है कि अरूप बिस्वास पार्टी फंड पर अपना नियंत्रण कायम रखने की कोशिश में जुटे हैं।

होर्मुज़ में 13 भारतीय जहाज अभी भी फंसे हुए हैं

नई दिल्ली, 18 जून। युद्ध समाप्ति की घोषणा होने के तीन दिन बाद और 17 जून 2026 को अमेरिका व ईरान के बीच प्रारंभिक शांति समझौते के बावजूद, यह साफ नहीं है कि हॉर्मुज़ में फंसे 13 भारतीय जहाज वहां से कब वापस निकलेंगे।

- युद्ध समाप्ति की घोषणा के बाद केवल एक भारतीय जहाज 'दिशा' बाहर निकल पाया है।

पिछले चार दिनों में हॉर्मुज़ से एलएनजी शिपिंग जहाज "दिशा" के अलावा कोई भी भारतीय जहाज बाहर नहीं निकल सका है। दिशा 62,370 मैट्रिक टन एलएनजी ले कर शुक्रवार (19 जून) को गुजरात के दहेज पोर्ट पर पहुंचने की पूरी संभावना है। लेकिन सरकारी अधिकारियों को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अन्य भारतीय जहाज वहां से कब निकलेंगे, इससे चिंता बनी हुई है। 13 भारतीय जहाजों के अलावा, पश्चिम एशिया के अन्य समुद्री क्षेत्रों में भारत के लिए तेल-गैस-उर्वरक ले कर आने वाले करीब 20 अन्य जहाज भी फंसे पड़े हैं। सरकार पूरे मामले में सक्रिय है।

जहाजरानी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय जहाजों को हॉर्मुज़ तथा अन्य स्थानों से सुरक्षित निकालने के लिए विदेश मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है। पश्चिम एशिया में संघर्ष की शुरुआत इस साल फरवरी के अंत में हुई थी। उस समय होर्मुज तथा पर्शियन गल्फ क्षेत्र में 22 से 38 भारतीय ध्वज वाले या भारत के लिए माल से लदे जहाज फंसे हुए थे, जिन पर सैकड़ों भारतीय नाविक सवार थे।

पाकिस्तान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अल्पसंख्यकों को निशाना बनाना राज्य प्रायोजित आतंकवाद का हिस्सा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से हस्तक्षेप कर पाकिस्तान सरकार को जवाबदेह ठहराने की मांग की। चुग ने गुरुवार को जारी बयान में इस हत्या को बर्बर और बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि इस हमले से पाकिस्तान में रहने वाले सिखों और अन्य अल्पसंख्यकों के बीच भय का माहौल पैदा हो गया है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और खैबर पख्तूनख्वा सरकार से दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

ईरान की मांग ने ट्रंप के दावों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी यह टिप्पणी ट्रंप के उस दावे को सीधे चुनौती देती है, जिसे उन्होंने केवल एक दिन पहले जी-7 शिखर सम्मेलन में दोहराया था कि 60 दिन की वार्ता अवधि के बाद भी यह समुद्री मार्ग बिना किसी शुल्क के खुला रहेगा।

यह मतभेद तकनीकी लग सकता है, लेकिन समझौते को लेकर दोनों पक्षों की अलग-अलग कहानियों के मूल में यही है।

तेहरान के लिए, जहाजों से शुल्क वसूलने की क्षमता का मतलब होगा, दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक पर ईरान के प्रभाव की औपचारिक मान्यता मिलना। वहीं वॉशिंगटन के लिए ऐसी व्यवस्था स्वीकार करना 100 दिनों से अधिक चले सैन्य संघर्ष के बाद पीछे हटने जैसा माना जा सकता है।

गालिबाफ ने इससे भी आगे बढ़ते हुए, एमओयू को "अमेरिकी विफलता का रिकॉर्ड" बताया और कहा कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई ने अंततः होर्मुज़ को बाधित करने की ईरान की लंबे समय से चली आ रही धमकी को वार्ता के एक ठोस हथियार में बदल दिया है। इस घोषणा का समय महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक ऊर्जा बाजार तनाव कम होने के संकेतों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने लगे थे।

समझौते के कुछ ही घंटों बाद छह मिलियन बैरल कच्चा तेल ले जा रहे सऊदी अरब के तीन सुपरटैंकर जलडमरूमध्य से गुजर गए। संघर्ष के दौरान अपनी गतिविधियाँ छिपाने वाले अन्य जहाजों ने भी फिर से खुले तौर पर अपनी स्थिति को खुले तौर पर बताना शुरू कर दिया।

ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि होर्मुज़ के फिर से खुलने से खाड़ी क्षेत्र में टैंकरों पर फँसे लगभग 9 करोड़ बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति बाजार में आ सकती है, जिससे वैश्विक तेल कीमतों पर दबाव कम हो सकता है। यदि प्रतिबंधों में और राहत मिलती है तो अतिरिक्त ईरानी निर्यात आपूर्ति को और बढ़ा सकते हैं।

फिर भी होर्मुज़ विवाद ट्रंप प्रशासन के खिलाफ उठ रही एक बड़ी आलोचना को भी मजबूत करता है कि यह युद्ध उन बड़े लक्ष्यों की तुलना में कहीं अधिक सीमित परिणामों के साथ समाप्त हुआ है, जिनका वादा शुरू में किया गया था।

ट्रंप के तथाकथित शांति समझौते का पूरा विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। फिर भी जितनी जानकारी सामने आई है, वह कई कठिन सवाल खड़े करती है।

अंततः युद्धों का मूल्यांकन भाषणों से नहीं, बल्कि परिणामों से किया जाता है। आलोचकों का कहना है कि यदि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के समय ट्रंप द्वारा घोषित लक्ष्यों की तुलना उभरते हुए समझौते की रूपरेखा से की जाए, तो वॉशिंगटन को उसकी मूल मांगों की तुलना में बहुत कम हासिल हुआ है।

जब संघर्ष शुरू हुआ था, तब प्रशासन के लक्ष्य काफी व्यापक दिखाई देते थे। इनमें ईरान की परमाणु हथियार विकसित करने की क्षमता को समाप्त करना, उसके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को पंगु बनाना, उसके क्षेत्रीय प्रभाव को कमज़ोर करना, होर्मुज़ में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करना और कुछ हलकों में तेहरान में सत्ता परिवर्तन को बढ़ावा देना भी शामिल था। चार महीने बाद तस्वीर कहीं अधिक जटिल दिखाई देती है। कथित रूप से, ईरान ने परमाणु बम बनाने की दिशा में आगे न बढ़ने और बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है, लेकिन उसकी परमाणु संरचना को तुरंत समाप्त करने या संवर्धित यूरेनियम के भंडार को हटाने जैसी कोई बात नहीं हुई है। सबसे विवादास्पद मुद्दों को भविष्य की वार्ताओं के लिए टाल दिया गया है।

सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी लगभग समाप्त हो गया है। संघर्ष के दौरान भारी सैन्य नुकसान झेलने के बावजूद, इस्लामी गणराज्य की सरकार सत्ता में मजबूती से बनी हुई है। ईरान का राजनीतिक नेतृत्व अमेरिका और इज़रायल के सीधे सैन्य अभियान से बच गया और संभव है कि घरेलू स्तर पर उसकी स्थिति और मजबूत हो जाए।

शायद सबसे तीखी आलोचना बैलिस्टिक मिसाइलों को लेकर है।

ट्रंप ने ईरान की मिसाइल क्षमता को खत्म करने का वादा करते हुए युद्ध शुरू किया था। लेकिन रिपोर्टों के अनुसार, बाद में उन्होंने संकेत दिया कि ईरान के पास बैलिस्टिक मिसाइलें न होना अनुचित होगा। यह रुख प्रशासन के, युद्ध के शुरुआती लक्ष्यों से काफी अलग है। आलोचकों का तर्क है कि अमेरिका अंततः केवल पहले जैसी स्थिति बहाल करने के लिए भारी राजनीतिक कीमत चुका सकता है।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य फिर से खुल रहा है। प्रतिबंधों में ढील दी जा रही है। परमाणु वार्ताएँ दोबारा शुरू हो रही हैं। लेकिन ये सभी मुद्दे युद्ध शुरू होने से पहले भी कूटनीतिक बातचीत का हिस्सा थे।

होर्मुज़ शुल्क विवाद ने इस आलोचना को और तेज कर दिया है। यदि ईरान अंततः जलडमरूमध्य से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर शुल्क लगाने में सफल हो जाता है, तो तेहरान यह दावा कर सकेगा कि वह युद्ध से पहले की तुलना में दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्ति लाइन पर अधिक नियंत्रण (लीवरेज) के साथ इस युद्ध से बाहर निकला है।

एक और सवाल प्रभाव और दबाव की क्षमता का भी है।

कई विश्लेषकों का तर्क है कि होर्मुज़ के माध्यम से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित करने की ईरान की क्षमता ने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर भारी आर्थिक दबाव बनाया। तेल कीमतों में बढ़ोतरी और व्यापक आर्थिक झटके की आशंका के कारण अमेरिका शायद अपेक्षा से कमजोर स्थिति में बातचीत करने को मजबूर हुआ।

ट्रंप के समर्थक इस व्याख्या को खारिज करते हैं। उनका कहना है कि ईरान की सैन्य संरचना को भारी नुकसान पहुँचा, उसके मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया, उसकी वायु रक्षा प्रणाली कमजोर पड़ गई और उसकी अर्थव्यवस्था संकट के कगार पर पहुँच गई।

उनके अनुसार, तेहरान केवल इसलिए बातचीत की मेज पर लौटा, क्योंकि लगातार सैन्य दबाव के कारण उसके पास दूसरा विकल्प नहीं था। हालाँकि आलोचक इससे सहमत नहीं हैं। उनका मुख्य आरोप सरल है: अमेरिका ने युद्ध की शुरुआत कई मोर्चों पर आत्मसमर्पण की मांग के साथ की थी, लेकिन अब वह युद्धविराम, भविष्य की वार्ताओं और ईरानी आश्वासनों पर ही समझौता करने को तैयार है।

इसलिए गालिबाफ की घोषणा का महत्व केवल समुद्री शुल्क तक सीमित नहीं है। इसने ट्रंप और ईरान के बीच हुए समझौते को लेकर मूल बहस को फिर से जीवित कर दिया है-क्या यह ताकत के दम पर हासिल की गई स्थाई शांति है, या एक महंगा समझौता है, जो उन उद्देश्यों को पूरा करने में काफी पीछे रह गया है, जिनके लिए युद्ध लड़ा गया था। अगले 60 दिनों तक चलने वाली वार्ताओं के दौरान इसका उत्तर शायद यह तय करेगा कि इतिहास इस समझौते को एक शानदार कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में याद रखेगा या ऐसी जीत के रूप में, जिसकी घोषणा वॉशिंगटन में हुई, लेकिन जिसकी व्याख्या तेहरान में बिल्कुल अलग तरीके से की गई।

सरकार पहल करके पाँचना बाँध विवाद का हल निकाले- पायलट

उन्होंने कहा, सभी पक्षों को विश्वास में लेकर बातचीत करें व न्यायपालिका के निर्णयों का सम्मान करें

जयपुर, 18 जून। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा है कि पांचना बांध विवाद के समाधान के लिए राज्य सरकार को तत्काल पहल करते हुए सभी पक्षों से

- पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि देश के 14-15 राज्यों में एसआई भर्ती में इन्टरव्यू की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। राजस्थान में भी इन्टरव्यू प्रणाली समाप्त करके केवल मैरिट आधारित चयन प्रक्रिया लागू करनी चाहिए।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट गुरुवार को जयपुर में मीडिया से रूबरू हुए।

संवाद स्थापित करना चाहिए तथा माननीय उच्च न्यायालय के आदेश की पालना सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी सभी की आवश्यकता है और किसी भी परिस्थिति में तनाव तथा भाईचारे में खटास की स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिए।

पायलट ने कहा कि लंबे समय से पांचना बांध को लेकर आंदोलन चल रहा है और इस विषय से जुड़े विभिन्न पक्षों की अपनी-अपनी चिंताएं और मांगें हैं। नदी किनारे स्थित 360 गांवों के किसानों का भी अपना पक्ष है। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह सभी पक्षों को विश्वास में लेकर बातचीत करे और न्यायपालिका के निर्णयों का सम्मान करते हुए समाधान का रास्ता निकाले।

पायलट ने कहा कि हाल ही में कोटा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हजारों विद्यार्थियों के बीच जो बातें रखीं, उससे उन्होंने देश की शिक्षा व्यवस्था और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े गंभीर सवालों को देश के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि देश में प्रतियोगी परीक्षाओं, कोचिंग व्यवस्था और निजी संस्थानों का सबसे अधिक बोझ मध्यमवर्गीय और ग्रामीण परिवारों पर पड़ रहा है।

पायलट ने कहा कि पिछले वर्षों में लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं। परीक्षा होने के बाद प्रश्नों को हटाने, मूल्यांकन में पारदर्शिता की कमी और नई-नई प्रक्रियाओं से विद्यार्थियों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है।

सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती परीक्षा को लेकर पायलट ने कहा कि देश के लगभग 14-15 राज्यों में एसआई भर्ती में इंटरव्यू की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। उन्होंने मांग की कि राजस्थान सरकार को भी एसआई भर्ती में इंटरव्यू प्रणाली समाप्त कर केवल मेरिट आधारित चयन प्रक्रिया लागू करनी चाहिए, ताकि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और युवाओं का विश्वास कायम रह सके।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908